नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 15

अंक : 11

सोमवार, 14 से 20 अप्रैल 2025

मूल्य : 5 रू प्रति

रू 250 वार्षिक

दिल्ली में जल्द शुरू होगी देवी बस सर्विस 03

पुतिन ने रूसी बंधकों की रिहाई के लिए हमास का शुक्रिया अदा किया 08

NCR समाचार

बाबुता मामूली अंतर से स्वर्ग पदक से चूके, भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर 10

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in BY C.R.O. TEAM twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

प्लास्टिक सर्जरी के दावों और ट्रोलिंग पर मौनी ने तोड़ी चुप्पी 12

प्रधानमंत्री मोदी ने टेस्ला चीफ एलन मस्क से की बात

टैरिफ वॉर के बीच सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

- भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते की संभावनाएं
- स्टारलिंक की भारत में योजनाओं पर कोई जानकारी नहीं दी

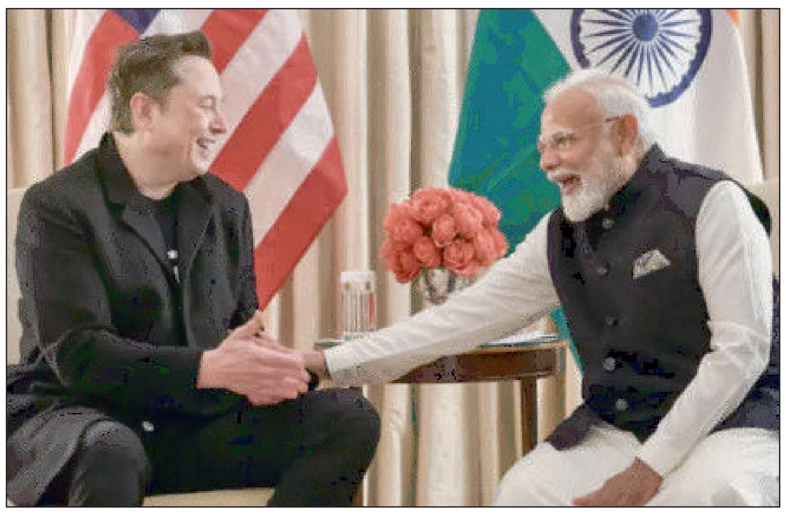

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को टेस्ला के CEO एलन मस्क के साथ हुई अपनी बातचीत की जानकारी साझा की। पीएम ने बताया कि वाशिंगटन डी.सी. में इस साल हुई उनकी पिछली मुलाकात के दौरान कुछ खास मुद्दों पर भी बात हुई। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपने पोस्ट में भारत और अमेरिका के बीच टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग की बहुत संभावना बताई।

पीएम मोदी ने लिखा, ' एलन मस्क से बात हुई और कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें वाशिंगटन डीसी में इस साल हुई हमारी मुलाकात के दौरान शामिल विषय भी शामिल थे।' उन्होंने आगे कहा, 'हमने टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर चर्चा की।' इसका मतलब है कि भारत और अमेरिका मिलकर टेक्नोलॉजी को और बेहतर बनाने के लिए काम कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत, अमेरिका के साथ इन क्षेत्रों में अपनी दोस्ती को और आगे बढ़ाएगा। यह बातचीत ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को लेकर एक समझौता होने की बात चल रही है।

टेस्ला और स्टारलिंक का भारत में क्या होगा? खबर है कि टेस्ला जल्द ही भारतीय बाजार में आ सकती है। लेकिन पीएम मोदी के पोस्ट में इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई न ही यह बताया गया कि कंपनी की भारत के लिए क्या योजनाएं हैं। कुछ समय पहले, वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने स्टारलिंक के अधिकारियों से मुलाकात की थी। स्टारलिंक एक ऐसी कंपनी है जो सैटेलाइट के जरिए इंटरनेट सेवा देती है। इस मीटिंग में स्टारलिंक के वाइस प्रेसिडेंट चाड गिब्स और सीनियर डायरेक्टर रयान गुडनाइट भी शामिल थे। उन्होंने भारत में अपनी टेक्नोलॉजी, पार्टनरशिप और निवेश योजनाओं के बारे में बात की।

बातचीत की टाइमिंग अहम

यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब भारत टैरिफ वॉर के सबसे बुरे नतीजों से बचने के लिए व्यापार समझौते पर पहुंचने को लेकर ट्रम्प सरकार के साथ बातचीत कर रहा है. व्हाइट हाउस को उम्मीद है कि इस सौदे को अंतिम रूप दिया जाएगा और दो से तीन सप्ताह के भीतर इसकी घोषणा की जाएगी. बता दें कि 26 प्रतिशत टैरिफ के साथ ट्रम्प ने भारत को सबसे खराब टैरिफ वाले देशों में शामिल कर दिया है. ताइवान (32 प्रतिशत), दक्षिण कोरिया (26 प्रतिशत) और जापान (24 प्रतिशत) पर भी इसी तर्ज पर टैरिफ लगया गया है. गौरतलब है कि मस्क ट्रम्प के बाद अमेरिका में सबसे शक्तिशाली राजनेता के रूप में उभरे हैं. मस्क ट्रंप सरकार और अन्य देशों के बीच ब्रिज का काम भी कर रहे हैं.

मस्क की उम्मीद

मस्क स्पेस कंपनी स्पेसएक्स और टेस्ला के मालिक हैं. मस्क कई सालों से टेस्ला और स्पेसएक्स के स्वामित्व वाली सैटेलाइट इंटरनेट प्रोवाइडर कंपनी स्टारलिंक के भारत में एंट्री के लिए जोर दे रहे हैं. हाल ही में भारतीय टेलीकॉम दिग्गज कंपनियों ने स्टारलिंक के साथ डील की है. हालांकि, स्टारलिंक को अभी तक देश में ऑपरेट करने के लिए भारत सरकार से मंजूरी नहीं मिली है. इस सप्ताह की शुरूआत में स्टारलिंक के सीनियर अधिकारियों ने भारत का दौरा किया और कॉमर्स मिनिस्टर पीयूष गोयल से बातचीत की. यह स्पष्ट नहीं है कि उन्होंने दूरसंचार विभाग के अधिकारी से भी बातचीत की या नहीं.

एक नजर

भारत ने बंगलादेश को अल्पसंख्यकों की रक्षा करने की नसीहत दी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने पश्चिम बंगाल की गतिविधियों पर बंगलादेश के अधिकारियों द्वारा की गई टिप्पणियों पर कड़ी निंदा की है और उन्हें अपने देश के अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा करने पर ध्यान देने की नसीहत दी है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस संबंध में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा, हम पश्चिम बंगाल की घटनाओं के संबंध में बंगलादेश की ओर से की गई टिप्पणियों को खारिज करते हैं। यह बंगलादेश में अल्पसंख्यकों के चल रहे उत्पीड़न पर भारत की चिंताओं के समानांतर आकर्षित करने का एक मुश्किल से प्रच्छन्न और अपमानजनक प्रयास है, जहां इस तरह के कृत्यों के आपराधिक अपराधी मुक्त घूमते रहते हैं। श्री जायसवाल ने कहा, अनुचित टिप्पणियां करने और अवांछित संकेत देने की बजाय, बंगलादेश अपने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के लिए बेहतर करे।

कर्नाटक में वेमुला एक्ट लागू करने को मुख्यमंत्री को लिखा पत्र : राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि देश में कोई जातिवादी व्यवस्था का शिकार ना हो इसके लिए उन्होंने कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दारमैया को पत्र लिखकर वहां वेमुला एक्ट लागू करने का आग्रह किया है। श्री गांधी ने कहा हाल ही में संसद में मेरी मुलाकात दलित, आदिवासी और ओबीसी समुदाय के छात्रों और शिक्षकों से हुई। बातचीत में उन्होंने बताया कि उन्हें किस तरह कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में जाति के आधार पर भेदभाव झेलना पड़ता है। बाबासाहेब अंबेडकर ने दिखाया था कि शिक्षा ही वह साधन है जिससे वंचित भी सशक्त बन कर जातिभेद को तोड़ सकते हैं। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि दशकों बाद भी लाखों छात्र हमारी शिक्षा व्यवस्था में जातिगत भेदभाव का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा इसी भेदभाव ने रोहित वेमुला, पायल तड़वी और दर्शन सोलंकी जैसे होनहार छात्रों की जान ली है। ऐसी भयावह घटनाएं किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। अब इस अन्याय पर पूरी तरह से रोक लगाने का वक्त है। मैंने सिद्दारमैया जी को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि कर्नाटक में रोहित वेमुला एक्ट लागू किया जाए।

भारत समावेशी न्याय संगत और सतत कृषि के लिए प्रतिबद्धः शिवराज

ब्राजीलिया/ नयी दिल्ली। भारत ने समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा है कि छोटे किसानों को जलवायु परिवर्तन, मूल्य अस्थिरता तथा संसाधनों की कमी जैसी चुनौतियों से लड़ने में नीतिगत सहायता की आवश्यकता है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को ब्राजील के ब्राजीलिया में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्रियों की 15वीं बैठक में कहा कि भारत समावेशी, न्यायसंगत और सतत कृषि के प्रति प्रतिबद्ध है। उन्होंने छोटे और सीमांत किसानों के कल्याण को वैश्विक कृषि रणनीति के केंद्र में रखने की आवश्यकता पर जोर दिया और स्पष्ट किया कि कृषि भारत के लिए केवल एक आर्थिक गतिविधि नहीं बल्कि करोड़ों परिवारों के लिए आजीविका, भोजन और गरिमा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि जब तक छोटे किसानों को संरक्षित और सशक्त नहीं किया जाएगा, तब तक वैश्विक खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास का लक्ष्य अधूरा रहेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री ने इस पर बल दिया कि दुनिया के 51 करोड छोटे किसान वैश्विक खाद्य प्रणाली की रीढ़ हैं और जलवायु परिवर्तन, मूल्य अस्थिरता तथा संसाधनों के संदर्भ में वे सबसे अधिक संवेदनशील हैं।

दो हजार रुपये से ऊपर के यूपीआई लेन-देन पर जीएसटी लगाने का प्रस्ताव नहीं: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली, एजेंसी। क्या यूपीआई के जरिए 2,000 रुपये से ज्यादा भेजने पर जीएसटी लगेगा? इस तरह का दावा सोशल मीडिया पर किया जा रहा है। अब वित्त मंत्रालय ने खुद इसकी सच्चाई बता दी है।

शुक्रवार को मिनिस्ट्री की ओर से बयान जारी हुआ। इसमें कहा गया, 'यह दावा कि सरकार 2 हजार रुपये से ज्यादा के वढक ट्रांजैक्शंस पर जीएसटी लगाने की सोच रही है, पूरी तरह से झूठ है। यह भ्रामक बात है और बिना किसी आधार के अफवाह उड़ाई गई है। अभी सरकार के सामने ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है।'

जीएसटी मर्चेंट डिस्काउंट रेट (MDR) जैसे कुछ खास शुल्कों पर लगाया जाता है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (CBDT) ने जनवरी 2020 से ग्राहक से व्यापारी (पी2एम) के बीच यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर हटा दिया है। मंत्रालय ने कहा, 'चूंकि इस समय UPI लेनदेन पर कोई एमडीआर नहीं लगाया जाता है, इसलिए इन लेनदेन पर कोई जीएसटी लागू नहीं है।' मालूम हो कि यूपीआई लेनदेन में तेजी से वृद्धि देखी गई है, जो वित्त वर्ष 2019-20 में 21.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर मार्च 2025 तक 260.56 लाख करोड़ रुपये हो गया।

देश में बढ़ता जा रहा UPI लेनदेन

भारत में UPI लेनदेन में तेजी से वृद्धि देखी गई है। वित्त वर्ष 2019-20 में यूपीआई के जरिए कुल भुगतान 21.3 लाख करोड़ रुपये से था, जो चालू मार्च 2025 को समाप्त वित्त वर्ष में बढ़कर 260.56 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया । पिछले वित्त वर्ष के अंत तक पी2एम लेनदेन 59.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सरकार ने पी2एम लेनदेन को साल 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू की है। इस योजना के तहत वित्त वर्ष 2021-22 में 1,389 करोड़ रुपये, 2022-23 में 2,210 करोड़ रुपये, 2023-24 में 3,631 करोड़ रुपये आवंटित किए गए।

थल सेना प्रमुख ने की मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश से नाता रखने वाले थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में मुख्यमंत्री मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। थल सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी मूलरूप से विंध्य क्षेत्र से नाता रखते हैं और इन दिनों राज्य के प्रवास पर हैं।

इसी क्रम में जनरल द्विवेदी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री यादव से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने पुष्प गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की मूर्ति भेंट कर थल सेना प्रमुख द्विवेदी का स्वागत किया। मुख्यमंत्री यादव को द्विवेदी ने मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। इस मौके पर लेफ्टिनेंट जनरल पी.पी. सिंह तथा मेजर जनरल सुमित साथ थे।

इससे पहले भारतीय थलसेना अध्यक्ष जनरल द्विवेदी एवं उनकी धर्मपत्नी की उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से मुलाकात हुई थी। शुक्ल ने सपरिवार अपने भोपाल स्थित निज निवास पर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि विंध्य अंचल की धरती से निकलकर भारतीय सेना के सर्वोच्च पद पर पहुंचे जनरल उपेंद्र द्विवेदी विंध्य की माटी के गौरव हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी को देश की सीमाओं की सुरक्षा में उनकी वीरता, नेतृत्व क्षमता एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनरल द्विवेदी विंध्य क्षेत्र के उन अनमोल रत्नों में से हैं, जिन पर सम्पूर्ण प्रदेश को गर्व है। जनरल द्विवेदी जैसे व्यक्तित्वों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। जनरल उपेंद्र द्विवेदी एक निपुण सैन्य लीडर हैं, जिन्होंने सशस्त्र बलों में 40 वर्षों की सेवा की है। जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल, रीवा (मध्य प्रदेश) के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्हें 1984 में जम्मू और कश्मीर राइफल्स की रेजिमेंट में कमीशन दिया गया था।

जनरल द्विवेदी के पास विभिन्न परिचालन वातावरण में उत्तरी, पूर्वी और पश्चिमी थिएटरों में संतुलित कमान के साथ-साथ स्टाफ एक्सपोजर का एक अनूठा अनुभव है।

दिल्ली: संगम विहार के विधायक चन्दन कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात कर दी जीत की बधाई

एनसीआर समाचार

नई दिल्ली। दिल्ली में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाए जाने पर शुभकामनाएं दीं और क्षेत्र के विकास पर बात की। विधायक ने बताया कि पिछले 10 सालों में आप पार्टी के पूर्व विधायक रहे दिनेश मोहनिया ने पिछले 5 सालों में कोई काम नहीं किया और जनता के साथ धोखा किया है।

जनता ने विधायक को बताया कि जब पहली बार केजरीवाल की सरकार बनी थी तभी क्षेत्र में काम हुआ था, वो भी अधूरा। तब से आज तक कोई ऐसा काम नहीं हुआ जो गिनाया जा सके।

विधायक चन्दन कुमार चौधरी ने मुख्यमंत्री को बताया कि संगम विहार में जिस तरह पानी की किल्लत है और जनता परेशान है, उसका निवारण जल्द किया जाए।

पूर्व विधायक ने सिर्फ अपने कार्यकर्ताओं के यहां पानी भेजने का काम किया था, ऐसा जनता खुद बताती है, और जल बोर्ड का पानी बेचा जा रहा था, जिसे अब बिलकुल मुफ्त कर दिया गया है।

संगम विहार की हर गली में जल्द ही सोनिया विहार के पानी की लाइन चालू की जाएगी, जिससे क्षेत्र की जनता को राहत मिलेगी। पिछले 10 वर्षों में जो काम नहीं हुआ, वो काम इन 5 सालों में करने का पूरा प्रयास किया जाएगा।

2036 के ओलंपिक खेलों का आयोजन गुजरात में कराने के प्रयास : राजनाथ सिंह

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित ऐतिहासिक केडी. सिंह बाबू स्टेडियम में शनिवार को आयोजित 'सांसद खेल महाकुंभ' में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कई बातों का जिक्र किया। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की खेलों और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने की पहल का स्वागत किया। वहीं, इसे भारत के लिए मील का पत्थर भी करार दिया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से भारत के कई सांसदों ने अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित कर-के समाज के विकास के लिए एक नई राह तैयार की है। आज लखनऊ का नाम भी उस कड़ी में जुड़ गया है। किसी भी समाज के विकास के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि समाज में खेल और खिलाड़ियों के न केवल महत्व को समझा जाए, बल्कि उन्हें फलने-फूलने का पूरा अवसर भी दिया जाए। आज पूरा देश, नेशन फर्स्ट को पहले रखकर खिलाड़ियों की तरह सोच रहा है।

उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री मोदी ने साल 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का लक्ष्य रखा है। भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने में हर प्रदेश और देश के हर जिले के प्रत्येक नागरिक की भूमिका है। विकसित भारत के साथ विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित लखनऊ का विचार भी सीधा जुड़ा हुआ है। इसलिए, भारत के हर नागरिक को एक लक्ष्य और एक संकल्प के साथ आगे बढ़ना होगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि लखनऊ शहर अपनी स्पोर्टिंग कल्चर के लिए केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं, बल्कि देश-विदेश में जाना जाता था। जिन महान हॉकी खिलाड़ी केडी सिंह बाबू के नाम से यह स्टेडियम जाना जाता है, उन्होंने यहां काफी लंबा समय बिताया। हॉकी के जादूगर कहे जाने वाले ध्यानचंद ने भी लखनऊ की खेल संस्कृति को संवारा है। उनके बेटे अशोक कुमार और विख्यात ओलंपियन जमन लाल शर्मा की यह कर्म भूमि रही है। भारत का पहला एस्ट्रो टर्फ भी इसी लखनऊ के स्पोर्ट्स कॉलेज में अस्सी के दशक में लगाया गया। लखनऊ में आजकल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले हो रहे हैं, मगर एक समय था, जब इसी केडी सिंह बाबू स्टेडियम में शीशमहल ट्रॉफी नाम से एक क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन होता था और टीम इंडिया के बड़े खिलाड़ी लखनऊ में खेलते नजर आते थे।

उन्होंने कहा कि लखनऊ अपनी स्पोर्टिंग कल्चर के लिए कितना विख्यात रहा है, यह इसी बात से समझा जा सकता है कि आजादी के बाद जब पहली बार नेशनल गेम्स का आयोजन किया गया तो हमारे-आपके इसी शहर में किया गया।

उसके बाद भी समय-समय पर यहां नेशनल और इंटरनेशनल स्पोर्टिंग इवेंट्स आयोजित होते रहे हैं और आज यह सांसद खेल महाकुंभ भी लखनऊ के स्पोर्टिंग कैलेंडर में जुड़ गया है।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन :
8888883968
9811111715

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली- 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 सम्पर्क करें।

अधर में लटकी कर्नाटक की जाति जनगणना

अभी जारी नहीं होंगे नतीजे; 2 मई को अगली बैठक

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक सरकार ने जाति जनगणना (सामाजिक-आर्थिक और शैक्षिक सर्वेक्षण) के नतीजों को स्वीकार करने पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया है। गुरुवार को आयोजित विशेष मंत्रिमंडल बैठक में इस मुद्दे पर विस्तृत चर्चा हुई, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला। अब इस मामले पर अगली चर्चा 2 मई को होने वाली मंत्रिमंडल बैठक में होगी।

अतिरिक्त जानकारी की मांग की है: कानून और संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल ने पत्रकारों को बताया कि मंत्रिमंडल ने सर्वेक्षण के तकनीकी विवरण और अतिरिक्त जानकारी की मांग की है, जिसे वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा 2 मई की बैठक में प्रस्तुत किया जाएगा। पाटिल ने कहा, चर्चा अधूरी रही, लेकिन यह सौहार्दपूर्ण थी। हमने विभिन्न समुदायों की जनसंख्या, उनके पिछड़ापन और अन्य मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रमुख समुदायों की जनसंख्या के आंकड़ों को लेकर उठाए गए विवाद इस चर्चा का हिस्सा नहीं थे।

मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में मंत्रियों से सर्वेक्षण पर अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने को कहा गया है, ताकि अगली बैठक में इन पर विचार किया जा सके। सूत्रों के अनुसार, मंत्रियों के बीच खुले तौर पर चर्चा के लिए तैयार न होने के कारण सिद्धारमैया ने सभी की राय सुनने और सर्वेक्षण के सभी समुदायों के लिए लाभकारी होने की बात पर जोर दिया।

वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने किया विरोध गौरतलब है कि वोक्कालिगा और वीरशैव-लिंगायत समुदायों ने इस सर्वे को अवैज्ञानिक बताते हुए इसे खारिज करने और एक नया सर्वेक्षण कराने की मांग की है। पाटिल ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली कैबिनेट बैठक 24 अप्रैल को एम एम हिल्स में होगी, लेकिन उस बैठक में सर्वेक्षण रिपोर्ट पर चर्चा नहीं की जाएगी। उस बैठक में पुराने मैसूर क्षेत्र से संबंधित मुद्दे लिए जाएंगे। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट मंत्रियों से कहा गया है कि वे सर्वेक्षण को लेकर अपनी राय लिखित रूप में 2 मई की बैठक में प्रस्तुत करें। इसके साथ ही, सरकार ने सर्वेक्षण से जुड़ी जानकारियों को जनता के सामने लाने का निर्णय लिया है ताकि फैल रही भ्रामक सूचनाओं का मुकाबला किया जा सके। साथ ही यह भी बताया गया कि सरकार उन आरोपों का खंडन करेगी जिसमें कहा गया था कि डोर-टू-डोर सर्वेक्षण नहीं किया गया। बता दें कि हाल ही में जाति सर्वे की रिपोर्ट कैबिनेट के सामने पेश की गई थी। 11 अप्रैल को बहुप्रतीक्षित सामाजिक-आर्थिक एवं शिक्षा सर्वेक्षण रिपोर्ट को कर्नाटक कैबिनेट के समक्ष पेश किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

बुलढाणा में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई, 38 लोग घायल

बुलढाणा , एजेंसी। महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले में श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में 38 लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा देर रात जिले में मलकापुर-नंदुरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर वडनेर भोलजी के पास हुआ। श्रद्धालुओं से भरी ट्रैवल वैन हैदराबाद के कुनेर से शिरडी जा रही थी, तभी वडनेर भोलजी के पास वैन अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे की जानकारी मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। तुरंत सभी घायल श्रद्धालुओं को इलाज के लिए मलकापुर उपजिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीन लोगों की हालत नाजुक बताई जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार या ड्राइवर की झपकी को हादसे की वजह माना जा रहा है। फिलहाल, पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बता दें कि इससे पहले 15 अप्रैल को बुलढाणा जिले में खामगांव-नांदुरा हाईवे पर आमसारी फाटा के पास मध्य प्रदेश परिवहन निगम की बस और ईंटों से लदे ट्रक के बीच जोरदार टक्कर हो गई थी। इस दुर्घटना में तीन लोगों की मौके पर मौत हो गई और करीब 20 लोग घायल हो गए थे। हादसे के बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़े और पुलिस को हादसे की जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल भेज दिया था। वहीं, दो अप्रैल को बुलढाणा जिले में दुर्घटना शेगांव-खामगांव राजमार्ग पर दो यात्री बसों और एक बोलेरो जीप की आपसी टक्कर हो गई थी। इस हादसे में पांच लोगों की जान चली गई थी, जबकि 24 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस से तुरंत घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया था। शुरुआती जांच में पुलिस ने हादसे का कारण तेज रफ्तार और लापरवाही माना था।

छत्तीसगढ़ में आईएफएस अफसर गिरफ्तार, बांटने के बजाए डकार गए 7 करोड़, सुकमा में थे वन अधिकारी

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ में एक आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया गया है। उन पर 7 करोड़ रुपए गबन करने का आरोप है। आर्थिक अपराध शाखा ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। छत्तीसगढ़ के बस्तर में तेंदूपत्ता बोनस घोटाले में एंटी करप्शन ब्यूरो और आर्थिक अपराध शाखा ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू-एसीबी ने वन विभाग के डीएफओ अशोक पटेल को गिरफ्तार किया है। ईओडब्ल्यू ने डीएफओ को रायपुर की स्पेशल कोर्ट में पेश कर पूछताछ करने के लिए कस्टोडियल रिमांड की मांग की है। ऐसा पहली बार है जब दोनों एजेंसियों ने किसी आईएफएस अफसर को गिरफ्तार किया है। बता दें कि पिछले दिनों सुकमा जिले में 12 स्थानों पर एसीबी-ईओडब्ल्यू ने छापा मारा था। यह छापेमारी तेंदूपत्ता बोनस गबन मामले में की गई थी। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने प्रेस विज्ञप्ति भी जारी की थी। ईओडब्ल्यू ने सुकमा जिले में 12 स्थानों पर छापेमार कार्रवाई करते हुए मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, बैंक अकाउंट और निवेश से संबंधित दस्तावेज जब्त किए थे। डीएफओ कार्यालय के कर्मचारी के निवास से नकद 26 लाख रुपए भी बरामद किए गए थे। अशोक सुकमा जिले के डीएफओ थे। घोटाला उजागर होने के बाद राज्य शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया था।डीएफओ ने कई समिति प्रबंधकों के साथ मिलकर आपराधिक षड़यंत्र किया और साल 2021- 2022 में तेंदूपत्ता तोड़ाई सीजन का प्रोत्साहन पारिश्रमिक दिया ही नहीं। यह रकम करीब 7 करोड़ रुपए था। वन विभाग के अफसरों ने तेंदूपत्ता संग्राहकों को रुपए देने के बजाए गबन कर लिया। इस रकम को कुछ निजी व्यक्तियों को भी दिया गया था। इस मामले में केस दर्ज किया गया है। एसीबी-ईओडब्ल्यू ने सीपीआई नेता, डीएफओ कार्यालय कर्मचारी राजशेखर, प्राथमिक लघु वनोपज समिति के प्रबंधकों के घर दस्तावेजों की जांच-पड़ताल भी की थी।

कोर्ट में चलाया गया तमिलनाडु के मंत्री का वीडियो, जज भी रह गए हैरान, तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश

चेन्नई, एजेंसी। तमिलाडु सरकार में मंत्री के पोनमुडी की दिक्कतें बढ़ती हुई दिखाई दे रही हैं। एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने हिंदू धर्म को लेकर अभद्र टिप्पणी की थी। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए मद्रास हाई कोर्ट ने उनके खिलाफ तुरंत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने डीजीपी से एक्शन रिपोर्ट मांगी है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने यह आदेश जारी किया है। कोर्ट ने पुलिस से कहा, अगर आप एफआईआर नहीं दर्ज करते तो कोर्ट प्रशासन के खिलाफ स्वतः संज्ञान करके अवमानना की कार्रवाई करेगा।

पोनमुडी पर आरोप है कि उन्होंने शैव और वैष्णवों को लेकर अभद्र टिप्पणी की। उन्होंने सनातन तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से की थी। मंत्री ने अपने बयान को लेकर माफी भी मांगी है। जज ने कहा, इस मामले को लेकर अलग-अलग एफआईआर दर्ज करने की जगह एक ही एफआईआर दर्ज की जाए। आय से अधिक संपत्ति मामले में बरी किए जाने के बाद मंत्री के खिलाफ पीआईएल फाइल की गई थी। कोर्ट में चलाया गया मंत्री का वीडियोगुरुवार को सुनवाई के दौरान पोनमुडी का भाषण कोर्टरूम में चलाया गया। इसके बाद कोर्ट ने कहा कि उनका बयान वाकई में दुर्भाग्यपूर्ण है। कोर्ट ने कहा कि मंत्री के पद पर आसीन एक शख्स को इस तरह के बयान नहीं देने चाहिए। कोर्ट ने कहा कि पोनमुडी के शब्द उसी तरह हैं जैसे कि कमान से निकला हुआ तीर। अब माफी मांगने का भी कोई मतलब नहीं है। कोर्ट ने कहा कि अगर किसी और ने इस तरह का बयान दिया होता तो उसपर अब तक 50 केस दर्ज हो गए होते। जज ने कहा, भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इसी तरह हेट स्पीच भी अस्वीकार्य है। कोर्ट ने कहा कि अभिनेत्री कश्तूरी, बीजेपी नेता एच राजा और अन्नामलाई के खिलाफ भी कार्रवाई की गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर शिकायत नहीं भी दर्ज होती है तब भी हेट स्पीट मामले में केस दर्ज किया जाना चाहिए। बता दें कि विवाद के तूल पकड़ने के बाद डीएमके ने पोनमुडी को डिप्टी जनरल सेक्रेटरी के पोस्ट से हटा दिया था। वह फिलहाल तमिलनाडु सरकार में वन मंत्री हैं। पोनमुडी ने एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान तिलक की तुलना सेक्स पोजीशन से कर दी थी और चुटकुले सुनाए थे। इसके बाद बीजेपी नेता अन्ना मलाई ने डीएमके पर हमला किया। बीजेपी का कहना है कि पोनमुडी को कैबिनेट से बर्खास्त किया जाना चाहिए।

61 साल की उम्र में दिलीप घोष करने जा रहे हैं शादी, कौन है भाजपा नेता की दुल्हनिया

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप घोष अब जल्द ही दांपत्य जीवन में कदम रखने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक वह शुक्रवार को कोलकाता स्थित अपने आवास पर एक सादे समारोह में शादी करेंगे। रिंकू मजूमदार उनकी दुल्हनिया बनने जा रही हैं। वह भी भाजपा की सदस्य हैं। दिलचस्प बात यह है कि यह शादी दिलीप घोष के लिए निजी जीवन में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि वह अब तक अविवाहित रहे हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, रिंकू ने ही पहले शादी का प्रस्ताव दिया था, खासकर तब जब दिलीप घोष को पिछली लोकसभा चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

शादी सादे और पारिवारिक माहौल में आयोजित की जा रही है जिसमें केवल करीबी रिश्तेदार और मित्र शामिल होंगे। किसी भी तरह का भव्य आयोजन फिलहाल नहीं रखा गया है।

कौन हैं रिंकू मजूमदार?: रिंकू मजूमदार तलाकशुदा हैं और

एक बेटे की मां हैं। उनका बेटा अब वयस्क हो चुका है और कोलकाता के सॉल्ट लेक के सेक्टर वी में एक आईटी कंपनी में कार्यरत है। रिंकू को हाल ही में 3 अप्रैल को ईडन गार्डन में भी देखा गया था, जिससे इस नए रिश्ते की अटकलें और तेज हो गई थीं। यह शादी दिलीप घोष के निजी जीवन में नया अध्याय तो खोल ही रही है, साथ ही राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रिंकू न्यूटाउन में भाजपा महिला मोर्चा की नेता हैं। दिलीप घोष ही उन्हें पार्टी में लेकर आये थे। यह भी पता चला है कि दिलीप घोष अपनी मां के कहने पर शादी के लिए राजी हो गए हैं। कुछ दिन पहले दिलीप घोष ईडन गार्डन्स में आईपीएल मैच देखने गए थे। तभी इसकी पुष्टि हो गई थी। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रिंकू ने खुद दिलीप घोष की मां पुष्पलता घोष से बात की और उन्हें शादी के लिए राजी किया। गौरतलब है कि दिलीप अपनी मां को अपने न्यूटाउन स्थित फ्लैट पर ले आए हैं। यहीं पर रिंकू की पुष्पलता देवी से बातचीत हुई थी।

गे डेटिंग ऐप से दोस्ती और कमरे पर मिलने बुलाकर किया नंगा ; फिर हुआ ऐसा

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम में गे डेटिंग ऐप से दोस्ती कर एक युवक को कमरे पर बुलाने और नग्न कर पिटाई का वीडियो बनाकर एक लाख रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कविनगर थानाक्षेत्र में रहने वाले युवक का कहना है कि उसने चैटिंग के लिए ग्राइंडर ऐप डाउनलोड किया था। ऐप के माध्यम से उसकी बातचीत शाश्वत नाम के युवक से शुरू हुई। 14 अप्रैल को शाश्वत ने उसे गोविंदपुरम स्थित सीएनजी पंप पर मिलने के लिए बुलाया और वहां से एक मकान में ले गया। युवक के मुताबिक, उसे कमरे में बैठाकर शाश्वत पानी लाने के बहाने से बाहर चला गया। कुछ देर बाद वहां कुछ अन्य युवक कमरे में पहुंचे और चोरी का झूठा आरोप लगाकर धमकाते हुए पुलिस में शिकायत करने तथा उसके परिवार को बदनाम करने की धमकी दी। इस दौरान एक युवक ने उसे तमंचा दिखाकर गोली मारने की धमकी दी तथा उसके कपड़े उतरवाकर उसकी वीडियो बनाई। युवक का आरोप है कि इसके बाद आरोपियों ने उसे आधा घंटे तक कमरे में बंधक बनाए रखा और नग्न हालत में ही जमकर पीटा। आरोपियों ने नग्नावस्था में उसका वीडियो बनाया और उसे वायरल करने की धमकी देकर छह खातों में 98 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। काफी देर तक सड़क पर घुमाते रहे आरोपी ॰ पीड़ित युवक के मुताबिक, आरोपियों ने धमकी दी कि अगर उसने इस बारे में किसी को बताया तो नग्नावस्था में उसकी पिटाई का वीडियो वायरल कर देंगे और उसके परिजनों को भी वीडियो भेज देंगे।

500 एकड़ में बनेगा मेडिकल डिवाइस पार्क, 40 नई कंपनियां करेंगी निवेश; क्या-क्या मिलेंगी सुविधाएं

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-28 स्थित मेडिकल डिवाइस पार्क (एमडीपी) अब 500 एकड़ में विकसित होगा। यहां पर निवेश के लिए 40 नई कंपनियों ने पंजीकरण कराया है। यह कंपनियां गंभीर बीमारी से बचाव के उपकरण तैयार करेगी। यमुना प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि सेक्टर-28 में 350 एकड़ में मेडिकल डिवाइस पार्क विकसित हो रहा था, जिसे अब 500 एकड़ में विकसित करने की तैयारी है। इसमें से अबतक 179 एकड़ में 74 कंपनियों को भूखंड आवंटित भी किए जा चुके हैं। इनमें से 36 ने लीज डीड करा ली है और एक कंपनी का निर्माण कार्य पूरा हो गया है,

जबकि 11 निर्माणधीन है। वही अब देश विदेश की 40 नई कंपनियों ने भी एमडीपी में निवेश के लिए पंजीकरण कराया है। बता दें कि मई के बाद एयरपोर्ट से उड़ान प्रस्तावित है। एयरपोर्ट शुरू होने के बाद यमुना सिटी के औद्योगिक सेक्टरों में गतिविधियां बढ़ेंगी। ऐसे में मेडिकल डिवाइस पार्क में ज्यादा से ज्यादा निवेश का मौका प्रदान किया जा रहा है। यहां एफडीआई के तहत निवेश करने वाली कंपनियों को पॉलिसी के तहत 75 फीसदी लैंड सब्सिडी, रिसर्च एंड डेवलपमेंट के लिए दो करोड़ रुपये, पांच साल के लिए पीएफ, 100 करोड़ कैपिटल सब्सिडी सहित अन्य लाभ प्रदान किए जाएंगे। मेडिकल डिवाइस पार्क में सभी दुर्लभ और गंभीर बीमारियों से जुड़े मेडिकल उपकरण तैयार होंगे। दूसरे देशों पर निर्भरता कम होगी मेडिकल डिवाइस पार्क में सभी दुर्लभ और गंभीर बीमारियों से जुड़े मेडिकल उपकरण तैयार होंगे। यहां कैंसर की बीमारी में प्रयोग होने वाले उपकरण भी तैयार किए जाएंगे। इसके अलावा रेडियो और फोटॉन थेरेपी, एंजियोप्लास्टीश, स्टंट, सिटी स्कैन, एमआरआई आदि के उपकरण भी तैयार हो सकेंगे।

कटरा से श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन के लिए करना होगा इंतजार

पीएम मोदी का जम्मू-कश्मीर दौरा स्थगित

श्रीनगर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 19 अप्रैल को प्रस्तावित जम्मू-कश्मीर यात्रा को स्थगित कर दिया गया है। इस दौरे में पीएम मोदी कटरा से श्रीनगर तक वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाने वाले थे। यह जानकारी केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने दी। इस यात्रा को स्थगित करने का फैसला खराब मौसम की चेतावनी के कारण लिया गया है। भारतीय मौसम विभाग के श्रीनगर कार्यालय ने 18 और 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के अधिकांश हिस्सों में भारी वर्षा की संभावना जताई है। विशेष रूप से इन दो दिनों में मौसम का असर सबसे ज्यादा रहने की संभावना है।

पीएम के दौरे को लेकर राज्य प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर तैयारी की थी। 272 किलोमीटर लंबी उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन पर पहले ही मॉक

ड्रिल और ट्रायल रन आयोजित किए गए थे। मंगलवार को इस खंड पर ट्रेन का सफल ट्रायल रन किया गया। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने सघन तलाशी और कॉम्बिंग ऑपरेशन शुरू कर दिए थे। विशेष सतर्कता कठुआ, उधमपुर, रियासी और रामबन जिलों में बरती जा रही थी। इसके अलावा पुंछ जिले के लस्साना के जंगलों में भी तलाशी अभियान चलाया गया।

मंगलवार को ही कश्मीर जोन के पुलिस महानिरीक्षक वी. के. बिर्दी ने श्रीनगर में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की, जिसमें पीएम की यात्रा और आगामी अमरनाथ यात्रा (जो 3 जुलाई से शुरू होगी) की तैयारियों की समीक्षा की गई। यात्रा के दौरान दो वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनें- एक श्रीनगर से कटरा और दूसरी कटरा से श्रीनगर - के संचालन की योजना थी। ये ट्रेनें उद्घाटन के दिन से शुरू होनी थीं। अब जब प्रधानमंत्री की यात्रा स्थगित हो गई है, तो उद्घाटन कार्यक्रम की नई तारीख का इंतजार किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, मौसम अनुकूल होने के बाद प्रधानमंत्री का दौरा पुनः निर्धारित किया जाएगा।

गौरतलब है कि रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने जनवरी में कटरा और कश्मीर के बीच ट्रेन सेवा को मंजूरी दी थी। वंदे भारत एक्सप्रेस से जम्मू और श्रीनगर के बीच यात्रा का समय काफी कम हो जाएगा तथा इस क्षेत्र के लिए आधुनिक एवं कुशल रेल सेवा उपलब्ध होगी। इस ऐतिहासिक ट्रेन सेवा के शुरू होने के साथ ही कश्मीर तक सीधी रेल संपर्क सुविधा की लंबे समय से की जा रही मांग पूरी हो जाएगी। वर्तमान में घाटी में केवल संगलदान एवं बारामूला के बीच और कटरा से देश भर के गंतव्यों के लिए ट्रेन सेवाएं संचालित होती हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कश्मीर को रेल मार्ग से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना 1997 में शुरू हुई थी लेकिन भूवैज्ञानिक, भौगोलिक और मौसम संबंधी चुनौतियों के कारण इसे पूरा करने में देरी हुई। इस परियोजना में कुल 119 किलोमीटर की 38 सुरंग शामिल हैं जिनमें सबसे लंबी सुरंग टी-49 है जो 12.75 किलोमीटर लंबी है। यह देश की सबसे लंबी परिवहन सुरंग भी है। इस परियोजना में 927 पुल भी शामिल हैं जिनकी कुल लंबाई 13 किलोमीटर है। इनमें प्रतिष्ठित चिनाब पुल भी शामिल है, जिसकी कुल लंबाई 1,315 मीटर है। इसकी मेहराब 467 मीटर है और यह नदी तल से 359 मीटर ऊपर है। एफिल टॉवर से 35 मीटर ऊंचा होने के कारण यह दुनिया का सबसे ऊंचा मेहराब वाला रेलवे पुल (आर्क ब्रिज) होगा।

मोदी दो दिवसीय यात्रा पर सऊदी अरब जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर 22-23 अप्रैल को दो दिवसीय सऊदी अरब की यात्रा पर जाएंगे।

विदेश मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2016 और 2019 के बाद प्रधानमंत्री की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा होगी। यह यात्रा सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस एवं प्रधानमंत्री की सितंबर 2023 में जी 20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने और भारत-सऊदी अरब रणनीतिक साझीदारी परिषद की पहली बैठक की सह-अध्यक्षता के लिए नई दिल्ली की राजकीय यात्रा के बाद की गई है।

रियाद में प्रधानमंत्री श्री मोदी और प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के बीच द्विपक्षीय बैठक होगी, जिसमें कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर नये समझौते होने की संभावना है। इसके अलावा दोनों नेता क्षेत्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे जिनमें इजरायल फिलिस्तीन संघर्ष और भारत मध्य पूर्व यूरोप आर्थिक कॉरीडोर (आईमैक) को आगे बढ़ाने के मुद्दे शामिल हैं।

पीएम-पोषण योजना: बिहार के कैमूर में 70 लोगों को मिला रोजगार, पीएम मोदी का जताया आभार

नईदिल्ली, एजेंसी। पीएम-पोषण योजना के तहत बिहार के कैमूर में कम से कम 70 लोगों को रोजगार मिला और उन्होंने इस पहल के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया। योजना के तहत रोजगार पाने वाले कुछ लोगों ने अपनी भूमिका, कामकाज के बारे में बताया है और इस अवसर के लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि योजना के तहत कार्यरत सभी 70 लोग भोजन तैयार करते हैं, साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं और जिले के मोहनिया ब्लॉक में बैलोदी पंचायत के पटना मोड़ स्थित विभिन्न स्कूलों में भोजन पहुंचाते हैं। भोजन को स्वच्छता से तैयार किया जाता है और एक अर्ध-स्वचालित मशीन लगाई गई है। वहीं निशा देवी ने इस काम के लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आठ महिलाओं को रोजगार मिला है। उन्होंने कहा, हम फर्श साफ करते हैं, बर्तन साफ करते हैं और चावल साफ करते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे और केंद्र में काम कर रहे समीर अंसारी ने भी अपने रोजगार के लिए पीएम मोदी का आभार व्यक्त किया। अंसारी ने कहा कि अगर कोई प्रतियोगिता में शामिल होना चाहता है, तो वह इस नौकरी से ऐसा कर सकता है, क्योंकि यह अंशकालिक काम है। रसोई प्रभारी अखलाक अहमद ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हुए यहां काम करने वाले कई छात्रों ने अपनी मेहनत से सरकारी नौकरी हासिल की है। खाने के मेन्यू के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया, हमारे पास हर दिन अलग-अलग तरह के व्यंजन होते हैं। सोमवार को हम चावल, मिक्स दाल और हरी सब्जियां देते हैं, जबकि मंगलवार को जीरा चावल और सोयाबीन की सब्जी।

अहमद ने भूखों को रोजगार और भोजन उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया। उन्होंने बताया कि स्कूलों में पढ़ने वाले कई छात्रों की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और उन्हें दालें और सब्जियां नहीं मिल पा रही हैं। उल्लेखनीय है कि पीएम पोषण एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जिसके तहत बालवाटिका और कक्षा 1 से 8 तक के 10.36 लाख सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों के 11.20 करोड़ छात्रों को सभी स्कूली दिनों में भोजन परोसा जाता है।

संक्षिप्त समाचार

योगी मॉडल की जरूरत है; सीलमपुर में नाबालिग की हत्या के बाद तनाव, लोगों ने घरों पर लगाए पोस्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सीलमपुर में गुरुवार शाम को एक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। जिसके बाद इलाके में तनाव है। हिंदू परिवारों ने अपने घर के बाहर 'मकान बिकाऊ है' और 'योगी मॉडल की जरूरत है सीलमपुर को' के पोस्टर लगाए हैं। कल लोगों ने घटना के विरोध में प्रदर्शन भी किया था। हालात को देखते हुए इलाके में भारी संख्या में पुलिसबल तैनात है। सूत्रों के अनुसार वारदात को पुरानी रंजिश में अंजाम दिया गया है। लड़के को चार-पांच हमलावरों ने घेर लिया और ताबड़तोड़ चाकू से वार किया। उसे अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में रहने वाले हिंदू परिवार दहशत में हैं। उनके पलायन की बात भी सामने आ रही है। लोगों ने अपने घर के बाहर मकान बिकाऊ है को पोस्टर लगाए हैं। इसके अलावा योगी जी मदद करो, रेखा गुप्ता जी मदद करो के पोस्टर भी लगाने की बात बताई जा रही है। फिलहाल किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि उसने टीम का गठन किया है। जल्द ही हमलावरों को पकड़ लिया जाएगा। वहीं लोगों में हत्याकांड को लेकर भारी गुस्सा है। दिल्ली पुलिस के अधिकारी ने बताया कि गुरुवार को दिल्ली के सीलमपुर इलाके में एक 17 साल के किशोर को घेरकर उसपर चाकू से कई बार वार करके हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान कुणाल के तौर पर हुई है। पुलिस के अनुसार, 17 वर्षीय पीड़ित को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि सीलमपुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है और हमलावर की पहचान करने और उसे पकड़ने के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं। घटना की खबर फैलते ही पीड़ित के परिवार और स्थानीय निवासियों ने विरोध प्रदर्शन किया और पास की सड़क को जाम कर दिया। उन्होंने न्याय और तत्काल पुलिस कार्रवाई की मांग की।

दिल्ली में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़, बाएं पैर में लगी गोली; दर्ज हैं चोरी-डकैती के 13 केस

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में शुक्रवार सुबह पांच बजे बदमाश और पुलिस के बीच मुठभेड़ हुई। जिसमें एक वांटेड अपराधी पकड़ा गया। यह एनकाउंटर नजफगढ़

में हुआ। पुलिस ने अक्षय उर्फ गोलू को सरेंडर करने के लिए कहा लेकिन उसने पुलिस पर गोली चलानी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर पर गोली लगी। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके पास से एक पिस्टल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि शुक्रवार तड़के पांच बजे 30 साल का अक्षय उर्फ गोलू जय विहार नाला रोड पर लूटी गई मोटर साइकिल के साथ मिला। वह नजफगढ़ में डकैती के एक मामले में वांटेड था। उसे सरेंडर करने के लिए कहा गया लेकिन उसने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। क्रॉस फायरिंग में उसके बाएं पैर में गोली लग गई। उसके कब्जे से एक पिस्तौल और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने पुलिस पर दो गोलियां चलाईं और तीन गोलियां नजफगढ़ की पुलिस टीम ने चलाईं। उसके खिलाफ डकैती, स्नैचिंग, चोरी और आर्म्स एक्ट के 13 मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ 10 बार निवारक कार्रवाई की गई है। आखिरी बार 18 जनवरी 2025 को उसे पुलिस स्टेशन बाबा हरिदास नगर में धारा 126/170 बीएनएसएस के तहत गिरफ्तार किया गया था।

दिल्ली में जल्द शुरू होगी 'देवी' बस सर्विस

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के लोगों की सहूलियत के लिए सरकार जल्द ही एक सेवा शुरू करने वाली है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को बताया कि सरकार 22 अप्रैल को दिल्ली इलेक्ट्रिक व्हीकल इंटरचेंज (देवी) के बैनर तले अपनी मोहल्ला इलेक्ट्रिक बस सेवा शुरू करने जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि शुरुआत में नौ मीटर लंबी 255 बसें सर्विस में लगाई जाएंगी। आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा पहले मोहल्ला बस सेवा के नाम से जानी जाने वाली इस सेवा से राजधानी में अंतिम मील की कनेक्टिविटी में सुधार होगा।

परिवहन विभाग के एक अधिकारी ने कहा, आज ज्यादातर रूट तय कर दिए गए हैं और शुरुआती प्रतिक्रिया की समीक्षा के बाद मांग के अनुसार और रूट जोड़े जाएंगे। इसके पीछे आइडिया यह है कि आंतरिक सड़कों को मुख्य सड़कों से जोड़ने वाले छोटे रूटों को शामिल किया जाए, ताकि ये बसें उन इलाकों में सर्विस दे सकें जहां बड़ी बसों का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। आप सरकार के सिग्नेचर मोहल्ला क्लीनिक को आरोग्य मंदिर के नाम से रीब्रांड किया जा रहा है, और मोहल्ला बसों को देवी बसों के नाम से लॉन्च किया जाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि बसों का पहला जत्था गाजीपुर, नांगलोई और ईस्ट विनोद नगर डिपो से संचालित होगा। ये बसें दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) के प्रमुख बस मार्गों और मेट्रो स्टेशनों के लिए फीडर के तौर पर काम करेंगी। उन्होंने कहा कि हर बस से 12 किलोमीटर का रूट तय करने की उम्मीद है और प्रत्येक डिपो में ऐसी 100

बसें खड़ी की जा सकती हैं। देवी सर्विस दिल्ली सरकार द्वारा सार्वजनिक परिवहन को उन्नत करने और इसे अधिक टिकाऊ बनाने की व्यापक कोशिश का हिस्सा है।

अधिकारियों ने कहा कि मोहल्ला बस योजना के तहत प्रस्तावित किराए में कोई बदलाव होने की संभावना नहीं है। इसमें 10, 15, 20 और 25 रुपए के टिकट प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं पिंक टिकट का उपयोग करके मुफ्त सफर का लाभ उठा सकती हैं। प्रत्येक देवी बस में 23 सीटें होंगी, जिनमें से छह महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी, और 13 खड़े यात्रियों के लिए जगह होगी। अधिकारियों ने कहा कि वे 196 किलोवाट की कुल क्षमता वाले छह बैटरी पैक से लैस हैं, और 45 मिनट का चार्ज 200 किलोमीटर से अधिक की यात्रा को सुविधाजनक बना सकता है।

परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने हाल ही में सतत गतिशीलता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पिछले महीने, उन्होंने 2025 के अंत तक बसों के बेड़े को 10,000 से अधिक बसों तक बढ़ाने की घोषणा की, जिसमें 80 फीसदी इलेक्ट्रिक होंगी।

दिल्ली में गलत ढंग से फीस बढ़ाने वाले सारे स्कूलों की होगी जांच, शिक्षा मंत्री आशीष सूद का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी।

राजधानी दिल्ली में प्राइवेट स्कूलों में फीस वृद्धि को लेकर शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने गुरुवार को कहा कि फीस बढ़ोतरी के मामले में हर स्कूल की जांच होगी। उन्होंने अभिभावकों को आश्वस्त किया कि बच्चों के साथ फीस के मामले को लेकर अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री ने दिल्ली सचिवालय में प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि सभी निजी स्कूलों का ऑडिट किया जाएगा। सूद ने कहा कि जिस स्कूल द्वारा भी अनियमित तौर पर फीस वृद्धि की है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने दावा किया कि फीस बढ़ोतरी को लेकर अब तक 600 से ज्यादा निजी स्कूलों का ऑडिट किया जा चुका है। बिना मंजूरी फीस बढ़ाने पर स्कूल की मान्यता वापस लेने और स्कूल प्रबंधन को अपने नियंत्रण लेने के संबंध में 11 स्कूल को नोटिस जारी किया गया है। ऑडिट को लेकर यह कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। आप पर निशाना साधा – शिक्षा मंत्री ने फीस वृद्धि के मामले को लेकर फिर पूर्व की आप सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगार नेता स्कूलों के मामले में भ्रम फैला रहे हैं।

आप की रणनीति है कि आरोप लगाओ और भाग जाओ। सूद ने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल से सवाल करते हुए पूछा कि डीपीएस के लिए जो बयान वह दे रहे हैं, उन्हें पहले यह बताना चाहिए कि उनके कार्यकाल के दौरान इस स्कूल पर क्या कार्रवाई की गई थी। उन्होंने कहा कि दिल्ली में फीस वृद्धि का मुद्दा पहली बार सामने नहीं आया है। यह हर वर्ष उठता है, लेकिन पूर्व की सरकारों ने इस पर कभी ध्यान नहीं दिया। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकार को बताना चाहिए कि आखिर उन्होंने कितने स्कूलों का ऑडिट कराया था। मंत्री सूद ने कहा कि डीपीएस द्वारका की लड़ाई कोर्ट में लड़ी जा रही है। सूद ने कहा कि भाजपा सरकार आने के बाद जिला अधिकारी की शक्तियों का इस्तेमाल कर स्कूल का निरीक्षण किया गया है।

दिल्ली से नोएडा तक सफर होगा सुहाना, चिल्ला और यमुना पुस्ता एलिवेटेड रोड आपस में जुड़ेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली के चिल्ला रेगुलेटर से नोएडा में महामाया फ्लाईओवर तक बन रही एलिवेटेड रोड को यमुना पुस्ता पर प्रस्तावित एलिवेटेड रोड से जोड़ा जाएगा। यह घोषणा सीईओ डॉ. लोकेश एम ने गुरुवार को नोएडा प्राधिकरण के 49वें स्थापना दिवस पर की।

नोएडा प्राधिकरण ने अब 50वें साल में कदम रख दिया है। स्थापना दिवस के मौके पर सेक्टर-6 इंदिरा गांधी कला केंद्र में आयोजित पत्रकार वार्ता में सीईओ डॉ. लोकेश एम ने कहा कि चिल्ला एलिवेटेड रोड महामाया फ्लाईओवर पर आकर खत्म होगा, जबकि सेक्टर-94 से यमुना पुस्ते पर सेक्टर-150 तक एलिवेटेड रोड बनना है। ऐसे में इन दोनों के बीच के हिस्से को रोटरी या अन्य माध्यम से जोड़ा जाएगा। चिल्ला एलिवेटेड रोड का काम शुरू हो चुका है। यमुना पुस्ते पर बनने वाले एलिवेटेड रोड के लिए सिंचाई विभाग से एनओसी लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

चिल्ला और यमुना पुस्ता एलिवेटेड रोड जुड़ने से दिल्ली के

अक्षरधाम मंदिर की ओर से आने वाले वाहन आसानी से यमुना एक्सप्रेसवे तक आ-जा सकेंगे। मास्टर प्लान रोड नंबर-2 पर एलिवेटेड रोड बनने के बावजूद सड़क के नीचे करीब आधा हिस्से में जाम की समस्या रहती है। सेक्टर-27 अट्टा अंडरपास से निकलते ही निठारी के सामने वाहनों की कतार लग जाती है। निठारी में सड़क कम चौड़ी होने के साथ-साथ अतिक्रमण भी है। इसको देखते हुए निर्णय लिया गया है कि सड़क को चौड़ा कराया जाएगा। इस योजना पर प्राधिकरण ने काम शुरू कर दिया है। इसके लिए अगले कुछ महीने में टेंडर जारी कर दिया जाएगा। शहर के अधिकांश चौराहे पर लेफ्ट टर्न फ्री नहीं है। कहीं सड़क कम चौड़ी होने या अतिक्रमण की वजह से ट्रैफिक अटका रहता है। प्राधिकरण ने योजना तैयार की है कि चौराहे पर पर लेफ्ट टर्न को फ्री किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण जल्द सर्वे कराकर मौके पर आ रही समस्या का पता लगाएगा। इसके बाद काम शुरू होगा।

अमेरिका जाना है तो करना होगा यह काम, डीयू ने प्रोफेसर के सामने रखी अनोखी शर्त

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली यूनिवर्सिटी (डीयू) के प्रोफेसर अपूर्वानंद झा ने दावा किया है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने उन्हें अमेरिकी यात्रा की मंजूरी देने के लिए वहां दिए जाने वाले लेक्चर का टेक्स्ट सबमिट करने को कहा है। हालांकि डीयू प्रशासन ने इसपर कोई जवाब नहीं दिया है। झा ने इस कदम को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि यह विश्वविद्यालय की स्वायत्तता और शैक्षणिक स्वतंत्रता को कमजोर करता है।

हिंदी विभाग के फैकल्टी मेंबर झा को 23 अप्रैल से 1 मई तक न्यूयॉर्क के द न्यू स्कूल में इंडिया चाइना इंस्टीट्यूट की 20वीं वर्षगांठ के समारोह में विश्वविद्यालय एक वैश्विक सत्तावादी मोड़ के तहत नामक सेमिनार में बोलने के लिए आमंत्रित किया गया है। झा ने कहा, मुझे रजिस्ट्रार कार्यालय से एक मेल मिला जिसमें मुझे अपने भाषण के टेक्स्ट को मंजूरी के लिए जमा कराने को कहा गया। मेरे विचार में, यह बहुत चिंताजनक है। हम जानबूझकर डीयू की स्वायत्तता खो रहे हैं। यह अभूतपूर्व है क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। प्रोफेसर ने कहा कि उन्होंने विश्वविद्यालय के ऑनलाइन समर्थ पोर्टल के जरिए 35 दिन से पहले ही अपनी लीव एप्लीकेशन सबमिट कर दी थी, लेकिन 2 अप्रैल को डीयू से एक मेल मिला, जिसमें कहा गया था कि विश्वविद्यालय अनुमति देने में असमर्थ है और उसे केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय से सलाह लेने की आवश्यकता है। 15 अप्रैल को डीयू के कुलपति योगेश सिंह को झा ने पत्र लिखकर कहा, मैं यह समझने में असफल रहा कि विश्वविद्यालय ने संस्थागत स्वायत्तता के सिद्धांत को क्यों त्याग दिया और अवकाश देने के मामले में एक बाहरी एजेंसी, इस मामले में केंद्र सरकार, के हस्तक्षेप को आमंत्रित किया। रजिस्ट्रार कार्यालय को दिए लिखित जवाब में प्रोफेसर ने कहा कि फैकल्टी की यात्रा या छुट्टी के लिए सरकार की मंजूरी की मंजूरी वाले किसी नियम की आवश्यकता नहीं है। झा ने अपने जवाब में लिखा, आपने कहा कि आपको ऐसे किसी विशिष्ट नियम की जानकारी नहीं है जिसके तहत मंत्रालय की अनुमति की जरूरत है। हमारी बातचीत से, मैंने निष्कर्ष निकाला कि विश्वविद्यालय सक्रिय रूप से, बिना किसी आवश्यक कानून, नियम या विनियमन के, मंत्रालय को मेरी लीव एप्लीकेशन भेज रहा है।

दिल्ली के सीलमपुर में 17 साल के किशोर की हत्या, इलाके में तनाव; पुलिस-अर्धसैनिक बल तैनात

नई दिल्ली, एजेंसी। सीलमपुर इलाके में गुरुवार रात चार से पांच लोगों ने 17 वर्षीय एक नाबालिग की चाकू से गोदकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान 17 वर्षीय कुणाल निवासी जे-ब्लॉक, न्यू सीलमपुर के रूप में हुई। सूत्रों के अनुसार, पुरानी रंजिश में वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल सीलमपुर पुलिस ने हत्या समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल कर आरोपियों की पहचान के अलावा उन्हें गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है।

कुणाल अपने परिवार के साथ सीलमपुर जे ब्लाक में रहता था। परिवार

में पिता राजवीर, मां, तीन भाई व एक बहन है। पिता ऑटो चलाते हैं। कुणाल गांधी नगर में एक कपड़े की दुकान पर नौकरी करता था। परिजनों ने बताया कि उनका बेटा कुणाल 7.30 बजे दुकान से दूध लेने के लिए गया था। रास्ते में उसे चार से पांच लोगों ने घेर लिया। पहले उसके साथ गाली गलौज की और उसके बाद चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए। एक पड़ोसी ने घर आकर वारदात के बारे में बताया। परिवार मौके पर पहुंचा तो कुणाल खून से लथपथ हालत में पड़ा हुआ था। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई और घायल को जेपीसी अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद वारदातस्थल का निरीक्षण करने के लिए स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम और एफएसएल की टीमों को भी बुलाया गया।

सभी टीमों ने मौके से खून के नमूने और अन्य जरूरी सुराग जुटाए हैं। फिलहाल पुलिस ने सीलमपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है और कई टीमें बनाकर वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

यौन उत्पीड़न का आरोप लगा, जेएनयू ने कर दिया बर्खास्त

नई दिल्ली, एजेंसी। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्याल के एक प्रोफेसर को जापानी दूतावास के अधिकारी के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपों के बाद बर्खास्त कर दिया गया है। इस मामले की जानकारी देते हुए जेएनयू के एक अधिकारी ने बताया कि स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के एक सीनियर फैकल्टी सदस्य स्वर्ण सिंह को आरोपों के बाद बर्खास्त किया गया है। अधिकारी ने जानकारी देते यह भी बताया कि यह घटना पिछले साल मई की है। जापानी दूतावास की अधिकारी के आरोपों के बाद एक समिति का गठन किया गया, जिसकी जांच में स्वर्ण सिंह के खिलाफ सबूत मिले हैं। आइए जानते हैं कि जापानी दूतावास की अधिकारी के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रोफेसर स्वर्ण सिंह कौन हैं। जेएनयू की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, स्वर्ण सिंह जेएनयू की स्कूल फॉर इंटरनेशन स्टडीज के सेंटर फॉर इंटरनेशनल पॉलिटिक्स, ऑर्गनाइजेशन एंड डिजास्टर मैनेजमें के प्रोफेसर है। वेबसाइट पर मिली जानकारी के अनुसार, यौन जापानी अधिकारी के साथ यौन उत्पीड़न के आरोपी प्रोफेसर स्वर्ण सिंह ने दिल्ली विश्वविद्यालय से पॉलिटिकल साइंस में अपनी मास्टर्स की डिग्री पूरी की है, इसके बाद सिंह ने जेएनयू से इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी भी पूरी की है। इसके अलावा आरोपी फैकल्टी सदस्य स्वर्ण सिंह ने स्वीडन से कॉन्फ्लिक रिजॉल्यूशन में पोस्ट डॉक्टरल डिप्लोमा भी किया है। जेएनयू की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार, यौन उत्पीड़न के आरोपी स्वर्ण सिंह ने स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज को साल 2001 में जॉइन किया था। इससे पहले आरोपी सिंह इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज ऐंड एनालिसिस के लिए काम कर रहा था।

अवैध संबंध रखने वाली महिला पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण आदेश पारित किया है। हाईकोर्ट ने कहा है कि पति से अलग रह रही महिला के किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध हैं तो वह पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार नहीं होगी।

जस्टिस गिरीश कठपाड़िया की बेंच ने इस मामले में वादी पति के हक में फैसला सुनाया है। बेंच ने निचली अदालत के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें संबंधित फैमिली कोर्ट ने आदेश दिए थे कि वह हर माह अपनी पत्नी को दस हजार रुपये अंतरिम गुजारा भत्ते के तौर पर दे। निचली अदालत के इस निर्देश को पति ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अंतरिम गुजारा भत्ता देना उचित नहीं – पति की चुनौती याचिका पर विचार करते हुए बेंच ने कहा कि इस मामले में प्रथमदृष्टया साक्ष्य बताते हैं कि प्रतिवादी पत्नी किसी और के साथ संबंधों में है। हालांकि, इस संबंध में अदालत ही अंतिम निर्णय करेगी, लेकिन पति की ओर से पेश तथ्यों के अनुसार पत्नी किसी अन्य व्यक्ति के साथ अवैध संबंधों में है। ऐसे में पत्नी को अंतरिम गुजारा भत्ता देना उचित नहीं है। बेंच ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 125(4) के तहत कानून कहता है कि पत्नी के किसी

अन्य पुरुष के साथ शारीरिक संबंध होने पर वह पति से गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी नहीं होगी। बेंच ने यह भी कहा कि इस मामले में साक्ष्य दर्शाते हैं कि पत्नी के अन्य पुरुष के साथ अनैतिक संबंध हैं। अपनी पत्नी के अन्य व्यक्ति के साथ अवैध संबंधों को लेकर पति ने हाईकोर्ट के समक्ष फोटो व वीडियो पेश किए। पति का कहना था कि उसने निचली अदालत के समक्ष भी यही सबूत पेश किए थे। बावजूद इसके संबंधित अदालत ने गुजाराभत्ता आदेश पेश कर दिया। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि रिकॉर्ड बताते हैं कि निचली अदालत में अवैध सबंधों के सबूत पेश किए जाने पर भी उसने ना इन्हें स्वीकार किया और ना ही खारिज किया, जबकि इस अहम तथ्य को लेकर निचली अदालत को निर्णय पर पहुंचना चाहिए था। उसके बाद ही गुजाराभत्ता तय किया जाता। लिहाजा निचली अदालत दोबारा इस पर सुनवाई कर निर्णय सुनाए। बेंच ने इस मामले को दोबारा सुनवाई के लिए संबंधित फैमिली कोर्ट के पास वापस भेज दिया है। बेंच ने कहा है कि निचली अदालत नए सिरे से इस मामले में सुनवाई करे। खासतौर पर पति द्वारा पेश साक्ष्यों पर गौर करे। इसके बाद गुजाराभत्ता याचिका पर निर्णय करे। बेंच ने दोनों पक्षों को कहा है कि वह निचली अदालत में 21 जुलाई को पेश हों। वादी पति अपनी दलीलें पेश करे। साथ ही प्रतिवादी पत्नी को अपनी सफाई में जो कहना हो वहीं कहे।

'बाढ़ से बचना है तो नालों की तत्काल सफाई करें'; मॉनसून से पहले दिल्ली हाईकोर्ट का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने गुरुवार को दक्षिण-पूर्वी दिल्ली में नाले को अवरुद्ध करने वाली संरचनाओं को हटाने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने कहा कि राजधानी में लोग बहुत बुरी परिस्थिति में रहते हैं। उन्हें नाले के ऊपर रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह एवं न्यायमूर्ति मनमीत पीएस अरोड़ा की पीठ ने कहा कि मानसून नजदीक है। ऐसे में दिल्ली के कई इलाकों को बाढ़ से बचाने के लिए तत्काल इनकी सफाई की जरुरत है। खासतौर पर तैमूर नगर के नाले की रुकावट को तत्काल हटाने व उसे चाले करने के निर्देश पीठ ने संबंधित विभागों को दिए। मानसून आने में बस एक महीना बाकी है। झुग्गी-झोपड़ी क्लस्टर व कॉलोनियों सहित कोई भी चीज जो नाले में पानी के मुक्त प्रवाह के रास्ते में आती है, उसे हटा दिया जाए। पीठ ने कहा कि इस नाले को अगले एक महीने के भीतर साफ करना होगा। साथ ही पीठ ने कहा कि नाले के ऊपर बसी कॉलोनी को नियमित नहीं किया जा सकता। पीठ ने विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के प्रमुख द्वारा पेश नाले के स्थलाकृतिक सर्वेक्षण व निरीक्षण योजना पर भी विचार किया।

उत्तर प्रदेश: धूमधाम से मनाया गया गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश उत्सव

अनूप कुमार

उत्तर प्रदेश: नगर के मोहल्ला टिकरा खरंजा स्थित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी गुरु सिंह सभा गुरुद्वारा अहरौरा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय 77वां समागम एवं 404वां प्रकाश उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। एक सप्ताह से नगर में सिख अनुयायियों ने प्रभात फेरी निकाली, 16 अप्रैल को अखंड पाठ का आयोजन किया, 17 अप्रैल को शबद कीर्तन के साथ प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन 18 अप्रैल को प्रात दीवान सजाई गई, जिसमें गुरु तेग बहादुर साहिब के जीवन पर प्रकाश डाला गया।

अनुयायियों ने प्रकाश उत्सव पर कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर जी संवत 1722 में आनन्दपुर साहिब से तीर्थयात्रा के दौरान इलाहाबाद से चलकर विन्ध्याचल, मीरजापुर, चुनार, पटीहा होते हुए अहरौरा पहुँचे, जहां ग्यारह दिन निवास किए तथा अपना जन्मदिन बैशाख बदी पंचमी को संवत 1723 को मनाया। भाई साधो सिंह द्वारा बाग लगवाए गए, जो आज बाग श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम से प्रसिद्ध है। इसी ऐतिहासिक स्थान गुरुद्वारा अहरौरा में श्री गुरु

तेग बहादुर साहिब जी का पावन प्रकाश उत्सव हर साल बहुत श्रद्धा और धूमधाम से मनाया जाता है। प्रकाश उत्सव के दौरान दोपहर में अटूट लंगर का आयोजन किया गया, जिसमें आए हुए संगत एवं स्थानीय सिख समुदायों के लोगों ने बहुत ही श्रद्धा पूर्वक लंगर चखा।

तदुपरांत सायं 5:00 बजे गुरुद्वारा प्रांगण से गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शोभा यात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में पंच प्यारे आगे-आगे चल रहे थे, जो आकर्षण का केंद्र रहे। बाहर से आए संगत द्वारा कला करतब का प्रदर्शन किया गया, साथ में चल रहे संगत द्वारा शबद कीर्तन किया जा रहा था। गुरु पर्व पर उपस्थित प्रमुख लोगों में सतपाल सिंह, जगजीत सिंह, सरदार जीत सिंह, अमोलक सिंह, कमल सिंह, जसवीर सिंह, परमजीत सिंह, ईश्वर सिंह, गुरमीत सिंह, तरन सिंह, सुरजन सिंह के अलावा विभिन्न स्थानों सिंगरौली, बैढ़न, गोरवी, बीना, शक्तिनगर, जयन्त, ओबरा, चोपन, रेनूकूट, रेनूसागर, रावर्ट्सगंज, रामगढ़, वाराणसी, रामनगर, छोटा मीरजापुर, राजगढ़, भुइली, मीरजापुर, चकिया, चुनार, मुगलसराय, दिल्ली, सूरत से संगत उपस्थित रही।

मध्य प्रदेश: महाकाल चौराहे पर महिलाओं से अभद्रता, लोगों में आक्रोश

संजयसिंह चौहान

मध्य प्रदेश: महाकाल चौराहे पर महिलाओं के साथ 18/04/25 को मारपीट करने वाले विजय साहू और उसके लड़के द्वारा महिला और उसकी पुत्री पर मारपीट कर अंदरूनी रूप से चोट पहुंचाई गई। इसके लिए वृद्ध महिला और पुत्री के साथ मारपीट होने के बाद भी पुलिस द्वारा पीड़ित की पुत्री के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया। महिला और उसकी पुत्री की ओर से पुलिस महाकाल द्वारा अपराधी को संरक्षण पहुंचाते हुए साधारण धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया, जो कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़ा करती है। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री महिलाओं को आरक्षण और उनकी सुरक्षा के बड़े-बड़े बातें कर रहे हैं, वहीं थाना महाकाल महिलाओं के साथ मारपीट करने वाले अपराधियों को कुर्सी पर बैठाकर संरक्षण प्रदान कर रहा है और साधारण धाराओं में प्रकरण दर्ज कर रहा है, जिससे यह एहसास होता है कि पुलिस सिर्फ बाहुबली और रिश्वत देने वालों की मदद कर रही है। थाना महाकाल के पुलिस अधिकारियों द्वारा इस प्रकार की घटनाओं को आए दिन अंजाम दिया जाता है। महाकाल थाना पुलिस अपने फर्ज को अनदेखा कर पीड़ित महिलाओं को सही रूप से न्याय नहीं दिया है, जिसका सीसीटीवी फुटेज वायरल हुआ है और इन लोगों ने न्याय की गौर नहीं की है। थाना महाकाल में अपराधी के खिलाफ दंडात्मक और सत्य सशक्त धाराओं में प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार करने की मांग की गई है।

छात्रावास की बिल्डिंग को व हरे पेड़ों को पहुंचा नुक्सान

पत्र लिखने के बाद भी नगर प्रशासन से कोई पुख्ता इंतजाम नहीं

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेश: शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहा है नगर प्रशासन, छात्रावास के छात्र हो रहे परेशान, हरे पेड़ और बिल्डिंग को पहुंच रहा है नुकसान। पोरसा, नगर प्रशासन की लापरवाही के चलते शासकीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास की बिल्डिंग और हरे पेड़ों को पहुंच रहा है नुकसान। एक दरवाजा पूरी तरह बंद है। पत्र लिखने के बाद भी नगर प्रशासन ने कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किया। छात्रों को भी हो रही है परेशानी तथा वृक्षों को पहुंच रहा है नुकसान। जोटई रोड पोरसा पर स्थित शासकीय उत्कृष्ट बालक छात्रावास जिसके दो गेट हैं, एक गेट पूरी तरह गंदे पानी के कारण बंद है। नगर पालिका का कच्चा खुला नाला गेट के पास से बह रहा है, जिसका पानी छात्रावास में कई बार भरा है, जिससे हरियाली को

नुकसान पहुंचा है तथा बिल्डिंग को नुकसान पहुंच रहा है।

इसमें सुधार लाने के लिए अधीक्षक साहब सिंह तोमर के द्वारा नगर प्रशासन एवं वरिष्ठ कार्यालय को पत्र लिखा गया था, फिर भी कोई कार्रवाई आज तक नहीं की गई। जबकि नगर पालिका खुले नाले में पाइप डालकर छात्रावास के गेट का रास्ता खोल सकता है, जो मुख्य गेट है और पूरी तरह बंद हो चुका है। दूसरे गेट से सभी बच्चों का आना-जाना चल रहा है। इस संबंध में नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी अवधेश सिंह सेंगर से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि उक्त समस्या की जानकारी हमें है, हम शीघ्र ही उक्त समस्या का निदान करने वाले हैं। वहां पर पाइप डालकर पानी को सीधा निकाला जाएगा, जिससे छात्रावास की बिल्डिंग को नुकसान न पहुंचे।

राजस्थान: अजमेर दरगाह के नीचे गर्भ गृह में शिव मंदिर के दावे को लेकर शनिवार को सुनवाई टली

समीर खान

राजस्थान: कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 31 मई दी है। वहीं पहले सरकारी विभागों की ओर से दरगाह में चादर नहीं पेश की जाए। इसे लेकर वादी विष्णु गुप्ता ने एक स्थगन प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया था। जिस पर आज कोर्ट में अल्पसंख्यक मंत्रालय और एएसआई ने अपना जवाब प्रस्तुत किया। एक प्रार्थना पत्र प्रतिवादी संख्या 2 और 3 के द्वारा प्रस्तुत किया गया। उपरोक्त प्रार्थना-पत्र में भारत संघ नाम से प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है, इसलिए खारिज किया जाए। जिसको लेकर वादी विष्णु गुप्ता जवाब प्रस्तुत करेगा। एडवोकेट योगेंद्र ओझा ने बताया कि शनिवार को दरगाह मामले को लेकर सुनवाई होनी थी। प्रार्थना-पत्र और जिला न्यायालय की नई बिल्डिंग का उद्घाटन के कारण वह सुप्रीम कोर्ट के वकील

के नहीं आने के कारण और नए प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने के कारण जवाब के लिए सुनवाई को टाल दिया गया।

बता दें कि इससे पहले सुनवाई 19 अप्रैल को होनी थी। लेकिन बिजयनगर कांड को लेकर अजमेर बंद का जिला बार एसोसिएशन ने समर्थन दिया था। इस कारण सुनवाई टल गई थी। बता दें कि हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने दरगाह में मंदिर के दावे को लेकर याचिका लगाई थी। इसके बाद दरगाह कमेटी ने इस याचिका को खारिज करने की मांग करते हुए कोर्ट में एप्लीकेशन लगाई थी। वहीं दूसरी तरफ अजमेर दरगाह से जुड़ी अंजुमन कमेटी ने भी हाईकोर्ट में एक याचिका लगाई है।

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता के दावे के तीन आधार...

दरवाजों की बनावट और नक्काशी: दरगाह में मौजूद बुलंद दरवाजे की बनावट हिंदू मंदिरों के दरवाजे की तरह है। नक्काशी को देखकर भी अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां पहले हिंदू मंदिर रहा होगा।

ऊपरी स्ट्रक्चर: दरगाह के ऊपरी स्ट्रक्चर को देखेंगे तो यहां भी हिंदू मंदिरों के अवशेष जैसी चीजें दिखती हैं। गुंबदों को देखकर आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि किसी हिंदू मंदिर को तोड़कर यहां दरगाह का निर्माण करवाया गया है।

पानी और झरने: जहां-जहां शिव मंदिर है, वहां पानी और झरने जरूर होते हैं। यहां (अजमेर दरगाह) भी ऐसा ही है।

मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति की सेवा कर मिसाल बने नेमा स्वीट्स के संचालक

अरविंद कुमार दुबे

मध्य प्रदेश: गोटेगांव रेलवे स्टेशन के आसपास पिछले कुछ समय से एक मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति घूमता हुआ दिखाई दे रहा है, जिसे लोग संदीप के नाम से जानते हैं। संदीप की मानसिक स्थिति ठीक न होने के कारण वह गंदगी में रहता था और उसकी हालत इतनी खराब हो गई थी कि उसके शरीर में कीड़े तक पड़ गए थे। स्थानीय लोगों की नजरें जब उस पर पड़ीं, तो अधिकतर ने अनदेखा कर दिया। लेकिन इंसानियत की एक मिसाल पेश करते हुए गोटेगांव के प्रसिद्ध नेमा स्वीट्स के संचालक शेलू नेमा ने आगे बढ़कर उसकी मदद की।

शेलू नेमा ने न केवल संदीप को स्नान करवाया, बल्कि उसे साफ कपड़े भी पहनाए। इसके बाद संदीप की स्थिति में स्पष्ट सुधार देखने को मिला और वह पहले से कहीं अधिक बेहतर दिखने लगा। शेलू नेमा की इस मानवता भरी पहल की तस्वीरें और जानकारी जब सोशल मीडिया पर साझा की गईं, तो लोगों ने उनकी भरपूर सराहना की। हर ओर से तारीफों के संदेश आने लगे, और यह कार्य गोटेगांव में चर्चा का विषय बन गया। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि यदि हम चाहें तो थोड़े से प्रयास और दया भाव से किसी की ज़िंदगी में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

सड़क दुर्घटना में मजदूर घायल, दूसरी तरफ कहासुनी के दौरान युवक की कटी नाक, प्रशाशन हुए लाचार

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सड़क दुर्घटना में मजदूर घायल, दूसरी तरफ कहासुनी के दौरान युवक की कटी नाक दोनों रेफर । उत्तर प्रदेश। सोनभद्र जनपद अंतर्गत दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के झारोखुर्द गांव में शनिवार की सुबह मजदूरी के लिए घर से निकला युवक सड़क हादसे का शिकार हो गया। युवक की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि दुर्गेश 18 पुत्र सरजू यादव निवासी गुलालझारिया सुबह बाहर कमाने के लिए निकला हुआ था। अपने गांव से मैजिक पिकअप पर पीछे लटककर आश्रम की ओर जा रहा था। उसी दौरान झारोखुर्द में पहुँचते ही अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गया। इस हादसे में युवक बुरी तरह से जख्मी हो गया। ग्रामीणों ने एंबुलेंस से सीएचसी दुद्धी भेजा। जहाँ चिकित्सकों ने गंभीर हालात को देखते हुए जिला अस्पताल के लिए रिफर कर दिया। कई लोगों का कहना है कि हाइवा ट्रक की चपेट में आने से युवक को चोट लगी है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। दूसरी घटना दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के बीड़र गांव में शुक्रवार की रात किराने की दुकान पर सामान लेने के दौरान युवक से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। मामला इस कदर बढ़ा कि एक युवक ने संजीत कुमार पुत्र चंद्र कुमार को अपने दांतों द्वारा हमला कर दिया।

मालगाड़ी की चपेट में आने से युवक का कटा पैर, ट्रामा सेंटर किया रेफेर

आनंद कुमार

उत्तर प्रदेश: सोनभद्र जनपद अंतर्गत दुद्धी कोतवाली क्षेत्र के धनौरा गांव में रेलवे गेट 62 के समीप एक युवक मालगाड़ी की चपेट में आने से दाहिना पैर कट गया। शनिवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे गढ़वा रोड-चोपन को जा रही कोयला लदी मालगाड़ी सिग्नल न मिलने पर दुद्धी नगर स्टेशन के पहले धनौरा गांव में रुक गई। कोयला लदा देख कुछ ग्रामीण मालगाड़ी में चढ़कर कोयला उतारने लगे, उसी बीच सिग्नल मिलते ही मालगाड़ी चलने लगी। ट्रेन की स्पीड बढ़ जाने की वजह से शिवपूजन, 20 पुत्र शत्रु का पैर अनियंत्रित हो गया। जिससे पैर ट्रेन के पहिये में घुस गया और युवक का दाहिना पैर का पंजा पूर्ण रूप से कटकर उतर गया।

उत्तर प्रदेश: जोगिया थाने की पुलिस ने 1 नफर वारंटी को किया गिरफ्तार

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: बांसी सिद्धार्थनगर, जोगिया उदयपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में पुलिस ने 01 नफर वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया। पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत सिद्धार्थ अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में और मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी बांसी के कुशल पर्यवेक्षण तथा अनूप कुमार मिश्रा, थानाध्यक्ष जोगिया उदयपुर के नेतृत्व में 18 अप्रैल को अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना जोगिया उदयपुर पुलिस द्वारा 01 नफर वारंटी संबंधित न्यायालय सिविल जज जूनियर डिविजन

सिद्धार्थनगर द्वारा निर्गत वारंट वाद संख्या 8175/23 धारा 138 एनआई एक्ट थाना जोगिया उदयपुर जनपद सिद्धार्थनगर नवरंग पाण्डेय बनाम कमलेश यादव पुत्र रामसूरत साकिन सखरूआ पोस्ट खजनी थाना खजनी जनपद गोरखपुर हाल पता सनई चौराहा मोहल्ला अटल नगर वार्ड न0 2 थाना व जनपद सिद्धार्थनगर को गिरफ्तार कर न्यायालय सिद्धार्थनगर भेजा गया।

जल संरक्षण पर जनचौपाल एवं श्रमदान का लिया संकल्प

जुगल किशोर पाठक

मध्य प्रदेश: स्थान प्रस्फुटन ग्राम कुम्हारी जल गंगा संवर्धन अभियान" के तहत शासन की मान्यता अनुसार मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के नेतृत्व में माननीय कलेक्टर महोदय श्री सुधीर कुमार कोचर जी के निर्देश अनुसार संस्था "केशव मिलन समग्र कल्याण समिति" कुम्हारी के द्वारा प्रस्फुटन ग्राम कुम्हारी में जल गंगा संवर्धन अभियान को लेकर संस्था प्रतिनिधि रामसागर तिवारी ने जल को सुरक्षित रूप से बचाने और उसका बेहतर उपयोग कैसे हो, इस पर सभी से विचार रखे। इस अवसर पर संतोष यादव, दिलीप लोधी, चंदन रैकवार, प्रधानाचार्य सरस्वती शिशु मंदिर विजय, सदाशिव, साहिल तिवारी, डाल सिंह यादव, खूब सिंह यादव, लाल सिंह यादव, जगदीश यादव, मिलन यादव, भूरा, साहब सिंह सहित ग्राम के गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही एवं जल संरक्षण की शपथ और जन चौपाल का आयोजन किया गया।

नहर में पानी न आने से ग्रामीण किसान हुए परेशान, फसल हुयी बर्बाद

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेश: गांवों में नहर हुई बेपानी, पशुपालकों की बढ़ी परेशानी सिद्धार्थनगर योजनाओं को जनहित में क्रियान्वयन के लिए शासन द्वारा करोड़ों रुपए खर्च किया जाता है लेकिन अधिकारियों और कर्मचारियों की लापरवाही के चलते आम जनता लाभान्वित नहीं हो पाती है।

यदि कुछ होते भी हैं, सही समय पर उसका पूरा लाभ नहीं मिल पाता है। इसी क्रम में नहरों की व्यवस्था में किसानों और पशुपालकों के लिए एक बड़ी रकम खर्च की जाती है, जिससे किसानों के खेतों में पानी पहुंच सके और मवेशियों को तपिश भरी गर्मी से बचने और प्यास बुझाने के काम आए। मगर विभागीय कर्मचारियों की लापरवाही के कारण शासन के उद्देश्य पर पानी फिर रहा है।

चिलचिलाती धूप में नहरों के सूखने से किसानों और पशुपालकों में काफी रोष है। इस समय नहर किसानों के लिए वरदान साबित होती है। जिले के डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के हल्लौर, सोनाहटी, बेवा, टंडवा की नहर भी सूखी पड़ी है, जिससे किसान बहुत परेशान हैं। साथ ही, पशुपालकों को मवेशियों के स्वास्थ्य के प्रति घोर चिंता बनी है। विशेष रूप से डेयरी उद्योग और किसानों को पशुओं के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी का इकट्ठा करना एक टेढ़ी खीर बनी हुई है। किसानों और पशुपालकों का कहना है कि इतनी तेज धूप को देखते हुए प्रशासन को नहरों में पानी चलवा देना चाहिए।

राजस्थानः वूमेन पॉवर सोशलिटी फाउन्डेशन इंडिया का बच्चों के हितों में चप्पल वितरण कैम्प सफल

योगिता मीरवाल

राजस्थानः महिला एवं बाल विकास को समर्पित संस्थान WPSF की राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकन्या, सचिव उमा सोनी, सदस्य डॉ. ममता दाधीच के निदेशानुसार, उदयपुर संभाग प्रभारी मंजूलता शर्मा (व्यास) की अनुशंसा से एवं रेखा शर्मा प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश संयोजक सरिता पंत (कन्या शिक्षा सहायता) के नेतृत्व में," विमला राजपूत (सक्रिय सदस्य), दीपमाला सुथार (सक्रिय सदस्य), भावना शर्मा एवं समाजसेवी लिंबा राम कलाल के सौजन्य से अन्य कार्यकताओं की सहयोग उपस्थिति से समाज कल्याण हित में दिनांक 19/04/2025 को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय ग्राम उपला वास कुंडल उदयपुर में अपराह्न 12 से 2 बजे के बीच स्कूल प्रशासन बच्चों के साथ श्री लिंबा राम कलाल (भामाशाह) एवं समाजसेवी, कार्यकताओं उदयपुर द्वारा (150) कन्याओं/बच्चों को जूते चप्पल, खानपान सामग्री वितरित की गई, जो प्रदेश अध्यक्ष रेखा शर्मा, संयोजक सरिता पंत उदयपुर के सहयोग से संपूर्ण होकर सुनिश्चित हुआ। मानव जीवन की उत्कृष्टता धारण किए हमारे सम्माननीय लिंबा राम कलाल महोदय ने

WPSF का आग्रह स्वीकार कर बच्चों के हितों को साधा। WPSF परिवार के सभी कार्यक्रमों में आपका सहयोग सस्नेहिल उपस्थिति सदा सादर आमंत्रित है, आपके सामाजिक सरोकार को समर्पित सम्मान, प्रतिष्ठा को शख्सियत के रूप में प्रतिष्ठित करता है। इस मौके पर WPSF परिवार द्वारा आयोजित कार्य क्रम में शामिल अतिथि जी को WPSF का प्रतिष्ठा सम्मान पत्र देते हुए सम्मानित किया गया, एवं सभी कार्यकताओं को प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा द्वारा स्वाभिमान पत्र सप्रेम भेंट कर, साथ ही 20 वर्ष तक के/हर उम्र के बच्चों को जूते चप्पल वितरित कर (कन्या शिक्षा सहायता) को सामाजिक सरोकार के हितों में एक जागृति के रूप में गरीब जरूरतमंद बच्चों में अलख जगाई, एवं खानपान सामग्री सप्रेम भेंट की गई! एवं आए हुए समाजसेवी को "समाज का गौरव" के रूप में प्रतिष्ठित कर कार्यकताओं सहित सम्मान दिया गया। सामाजिक जन जागृति हेतु, आगामी भविष्य में उदयपुर में (कन्या शिक्षा सहायता योजना) भामाशाह सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। पूर्व में भी "वूमेन पॉवर सोशलिटी फाउंडेशन इंडिया" 101 नारी शक्ति वंदन सम्मान " एवं 101 "कन्या जन्म गौरव स्वाभिमान सम्मान" 2023, 2024, 2025 का सफल आयोजन कर चुकी हैं! समाज के गरीब, जरूरतमंद वंचित, असहाय परिवारों के हितों में फ्री भोजन कैंप प्रति वर्ष दस लाख जनमानस हेतु सफल आयोजन करते हुए (कन्या शिक्षा सहायता), मजदूर दिवस, बाल दिवस, पुलिस स्मृति दिवस, एवं महिला सशक्तिकरण के हितों संरक्षण में घरेलू कार्य रोजगार हेतु अग्रिम कदम उठाने के प्रयास, फ्री भोजन कैंप में कार्य देते हुए, आर्थिक मजबूती देना भी उचित समझा गया है।

मध्य प्रदेशः टम टम गाड़ियां आम जनता को कर रही है परेशान, हर गली में लगा देते हैं जाम

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः लोग होते हैं परेशान,,,हाकर जोन न होने के कारण हथ ठेला बीच सड़क पर डिवाइडर पर लगाते हैं,, यातायात प्रभावित पोरसा शहर पोरसा की स्थिति दिनोंदिन दयनी होती जा रही है टम टम गाड़ियां चलाने वाले मनमर्जी से जगह-जगह पर गाड़ियां आडी वेणी लगाकर खड़े हो जाते हैं, जिससे ट्रैफिक बाधित होता है, शहर की छोटी छोटी गलियों में भी टमटम गाड़ी वाले रास्ता जाम कर देते हैं जिससे हर आम नागरिक को परेशानी का सामना करना पड़ता है, शहर के अंदर होकर जॉन ना होने के कारण हथ ठेला वाले डिवाइडर पर लगाते हैं जिससे भी यातायात प्रभावित होता है,शहर की मुख्य सड़क मुरैना से मेहगांव वाली जिस पर पूर्व में डिवाइडर बना था, रोड के चौड़ीकरण के चलते डिवाइडर खत्म हो गया, जिसे आज तक नहीं बनाया गया, इस डिवाइडर के ना बनने से डिवाइडर वाली जगह पर टम टम गाड़ी वाले अपनी अपनी गाड़ियों को खड़ा करके बीच सड़क पर अपनी

गाड़ियों को बिजली से चार्ज करते नजर आते हैं, जिस पर ना तो पुलिस विभाग ने कोई कार्रवाई की, आज तक नहीं बिजली विभाग ने कोई कार्यवाही की, शहर पोरसा की यातायात व्यवस्था टम टम गाड़ी वाले खराब कर रहे हैं, टम टम गाड़ी वालों पर किसी विभाग का कोई अंकुश नहीं है, सब्जी मंडी में छोटी छोटी गलियों में टम टम गाड़ी वाले अपनी गाड़ी फंसा देते हैं, लोग एक 1 घंटे तक पैदल निकलने के लिए भी परेशान हो जाते हैं, मुख्य मार्ग में साधु सिंह चौराहा, बरगद चौराहा, अग्रसेन चौक, एवं सदर बाजार में पल पल पर जाम लगता है जिस पर कार्यवाही करने की मांग स्थानीय जनता ने की है,, होकर जॉन शहर में बनाने की मांग भी की गई है जिसे हाथ ठेला वाले अपना ठेला लगा सके डिवाइडर खाली हो सके मुख्य नगर पालिका अधिकारी अवधेश सिंह सेंगर का कहना है कि शहर के अंदर कोई सरकारी जगह न होने के कारण होकर जॉन नहीं बन पा रहा है हमने जिलाधीश महोदय को जगह उपलब्ध कराने के लिए लिख दिया है जगह मिल जाएगी तो होकर जॉन बनवा दिया जाएगा टमटम गाड़ियां बिना रजिस्ट्रेशन के बिना ड्राइविंग लाइसेंस की चला रहे हैं इन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है यातायात विभाग का राजस्व का नुकसान हो रहा है शासन का कोई भी कर्मचारी इस ओर ध्यान देने में असमर्थ नजर आ रहा है।

जखनिया तहसील दिवस के आयोजन पर सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेशः जिसमे उपजिलाधिकारी रबीस गुप्ता व तहसीलदार देवेंद्र यादव सीओ सुधाकर पाण्डेय राजस्व निरीछक साहआलम. राममिलन मिश्र और. लेखपालों की व तहसील सम्बंधित थाने की पुलिस द्वारा इस कार्यक्रम के माध्यम से जनता की समस्याओ का समाधान के लिए संबधित लेखपाल. व राजस्व निरीछक व सम्बंधित प्रकरड़ के संबधित अधिकारिओ कर्मचारिओं को गुडवत्ता पूर्वक मुके पर जाकर निस्तारण करने का आदेश दिया गया। जिसमे जनता की मुख्य समस्या किसी की पक्की पेमाएस तो किसी का पटीदार. उसके जमीन पर कब्जा कर लिया ह कोई निर्माण कर रहा है तो किसी की नाली की समस्या है किसी का रास्ता बाधित ह किसी का नक्सा संसोधन कराना है लेकिन फाइल आपहीस मै रखी है पत्रांवली लंबित है कार्य करने के लिए हिला हवाली कर रहे है कर्मचारी जनता तहसील दिवस और बाकि दिन जनता दर्शन मे आकर हमेसा परेशान रहती है लेकिन जनताकी समस्याओ का समाधान नही होता है सिर्फ आइजिआर्स का समाधान होता है चाहे जनता आवेदन

कितना भी दे उससे राजस्व बिभाग जखनिया तहसील के अधिकारी कर्मचारी को कोई मतलब नहीं है। मतलब सिर्फ कागजो मै फर्जी निस्तारण से है जो की इस तहसील मे कुछ दिन पहले पांच लेखपाल व कम्प्यूटर अपरेटर आदि निलंबित हुए थे लेकिन उसका प्रभाव तहसील पर जरा भी नहीं पड़ा है जो की सभी समस्याओ का मोके पर जाकर निस्तारण करने का सरकार व उच्च लेबल के अधिकारिओ का आदेश बार बार. होते रहता है।

केंद्र सरकार और ईडी के खिलाफ जमकर किया प्रदर्शन

पप्पू लाल शर्मा

राजस्थानः केंद्र सरकार और ईडी के खिलाफ जमकर किया प्रदर्शन भीलवाड़ा/ जिले के शाहपुरा में केंद्र की मोदी सरकार ने राजनीतिक प्रतिशोध और कांग्रेस की बढ़ती लोकप्रियता से घबराकर ऐतिहासिक नेशनल हेराल्ड की संपत्ति को जब्त करने की कार्यवाही और बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, यूपीए चेयरपर्सन सोनिया गांधी और अन्य प्रमुख कांग्रेस नेताओं के खिलाफ ईडी का मनमाना उपयोग करते हुए कानूनी चार्जशीट पेश करने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए नगर कांग्रेस अध्यक्ष बालमुकुंद तोषनीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग बंद करे। शुक्रवार को भीलवाड़ा जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अक्षय

त्रिपाठी के निदेर्शानुसार ईडी की कार्यवाही के विरोध में शाहपुरा ब्लॉक और नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से विरोध-प्रदर्शन का आयोजन मुख्य डाकघर, आसींद रोड, शाहपुरा पर किया गया। जिसको वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक भारद्वाज, पूर्व विधायक प्रत्याशी राजकुमार बैरवा, पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर, जिला उपाध्यक्ष रामेश्वर सोलंकी, विधानसभा संयोजक अविनाश शर्मा, सद्दीक पठान ने संबोधित किया। इस दौरान सुनील मिश्रा, ओम सिंधी, एडवोकेट शरीफ मोहम्मद, प्रभु सुगंधी, गणेश जीनगर, रमेश वैष्णव, युवा नेता राकेश लोहार, अतुल त्रिपाठी, जयंत जीनगर, भेरू लाल सेन, सुरेंद्र मेहता सहित कांग्रेस के वरिष्ठ जन, जिला कांग्रेस के पूर्व पदाधिकारी, पंचायती राज एवं स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधि एवं प्रत्याशी, अग्रिम संगठनों के पदाधिकारी, ब्लॉक एवं मंडल के पूर्व पदाधिकारी तथा युवा साथी उपस्थित रहे। परिवार से पहले पार्टी, सोलंकी ने पेश की मिसाल शुक्रवार को जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष रामेश्वर सोलंकी के पुत्र विनोद की बारात प्रस्थान का कार्यक्रम दोपहर में था, लगभग उसी समय ईडी की कार्यवाही के विरोध में शाहपुरा ब्लॉक और नगर कांग्रेस कमेटी की ओर से विरोध-प्रदर्शन का आयोजन भी था। सोलंकी ने बारात को थोड़ी देर के लिए रुकवाते हुए पहले संगठन के विरोध प्रदर्शन के कार्यक्रम में शामिल हुए, जिसकी सभी कांग्रेस जनों ने जमकर तारीफ की। सोलंकी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का जीवन में सर्वोपरी स्थान है।

मध्य प्रदेशः मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी डॉ. दादी रतन मोहिनी की आवाज लोगों में उमंग व उत्साह उत्पन्न

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गांधीनगर पोरसा के मुख्य सेवा केंद्र पर आज ब्रह्माकुमारीज की मुख्य प्रशासिका आदरणीय रतन मोहिनी दादी जी को सभी ने श्रद्धा सुमन समर्पित किए। लगभग 101 वर्ष हो गए थे। दादी जी बहुत छोटी सी उम्र में ही, 12 वर्ष की उम्र में, ब्रह्माकुमारी संस्थान में आ गई थीं और आपने अपनी सेवाएं 12 वर्ष से लेकर 101 वर्ष तक ब्रह्माकुमारी संस्थान को देश-विदेश में जाकर भी प्रदान की। राजयोग मेडिटेशन के द्वारा तनाव से मुक्त जीवन जीने की कला आपने अनेक जनों को सिखाई है। मुख्य रूप से उपस्थित रहे रामकुमार गुप्ता ने कहा कि दादी का जन्म 25 मार्च 1925 को हैदराबाद, सिंध (वर्तमान पाकिस्तान) में हुआ था। उनका

नाम लक्ष्मी था। मात्र 12 वर्ष की आयु में वे ब्रह्माकुमारी संस्थान के संपर्क में आईं। बचपन से ही अध्यात्म में रुचि रखने वाली दादी ने संस्थान की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दादी जी बड़े ही सरल स्वभाव की थीं। उनकी शिक्षाएं हमें अपने जीवन में हमेशा बरकरार रखनी हैं। उनसे जो शिक्षाएं हमने ली हैं, उनके आदर्श जो हमने देखे हैं, उन आदर्शों पर हमें चलकर परमपिता परमात्मा शिव बाबा का नाम रोशन करना है। दादी जी के अंदर बड़ा ही प्रेमभाव देखने को मिलता था। उनकी तरफ एक ऊर्जा अपनी तरफ खींच कर ले जाती थी। सकारात्मकता की दादी जी धनी थीं। दादी जी के आ जाने से वातावरण चारों तरफ खुशनुमा हो जाता था। दादी जी ममता की मूरत थीं। दादी जी हमारे बीच नहीं हैं, ऐसा महसूस नहीं हो रहा। ऐसा लगता है दादी जी आज भी हमारे आसपास हैं। बीके रेखा ने भी दादी जी के साथ का अनुभव सुनाते हुए कहा है कि जब माउंट आबू जाते हैं और दादी जी को देखते हैं, उनसे मिलते हैं, तो मानो ऐसा लगता है कि कोई दिव्य शक्ति से शिव शक्ति से मिलन कर रहे हों। बड़ा ही ममता मय वातावरण हो जाया करता है। दादी जी से मिलकर इस कार्यक्रम में नगर के गणमान्य नागरिकों ने श्रद्धा सुमन समर्पित किया।

दादी जी को भोग स्वीकार कराया गया, शिव बाबा के प्रति भी भोग लगाया गया। इसमें मुख्य रूप से रामकुमार गुप्ता, पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष, समाज सेवक जसराम गुप्ता, सूरज तोमर, कृष्ण मुरारी गुप्ता, दीनदयाल गुप्ता, गुरु नारायण गुप्ता, पूरन ओझा, बिना तोमर, गुड़िया तोमर, केशाशर्मा, कमला तोमर, सरोज गुप्ता, सैकड़ों भाई-बहनों ने दादी जी को श्रद्धा सुमन समर्पित किया और संकल्प लिया कि दादी जी की शिक्षाओं को हम अपने जीवन में अमल करेंगे।

कोतवाली पुलिस ने 6 नफर वारंटियों को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय जेल

प्रवीण कुमार

उत्तर प्रदेशः पुलिस अधीक्षक डा. अभिषेक महाजन के आदेश व पुलिस क्षेत्राधिकारी बांसी मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बांसी संतोष तिवारी के नेतृत्व में उप निरीक्षक कमला प्रसाद मौर्य व उनकी पुलिस टीम ने 6 वारंटियों को गिरफ्तार किया है। इस तरह बांसी थाना कोतवाली पुलिस ने 06 नफर वारंटी को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करते हुए न्यायालय/जेल भेजा गया। पुलिस अधीक्षक डाक्टर अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सिद्धार्थ अपर पुलिस अधीक्षक जनपद सिद्धार्थनगर के कुशल निर्देशन में मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी बांसी के पर्यवेक्षण में संतोष कुमार तिवारी प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली बांसी

जनपद सिद्धार्थनगर के नेतृत्व में 18 अप्रैल को न्यायालय द्वारा जारी गिरफ्तारी अधिपत्र वाद संख्या 5882/2024 धारा 147, 323, 504, 506, 452 भा.द.वि. के तामिला में 06 वारंटी को गिरफ्तार किया गया तथा आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करते न्यायालय भेजा गया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार वारंटियों का नाम व पता राम सूरत पुत्र केवल रामकेवल पुत्र पन्नेलाल शबनम पुत्री मन्नू कुसुम पत्नी मुन्नू बबिता पत्नी श्यामसुंदर दशावती पत्नी पन्नेलाल निवासीगण ग्राम समोगरा थाना कोतवाली बांसी जनपद सिद्धार्थनगर हैं, जिन्हें गिरफ्तार करने में उप निरीक्षक कमला प्रसाद मौर्य, रामप्रताप सिंह, कांस्टेबल विजय यादव, संदीप यादव, अरुण कुमार, महिला कांस्टेबल कंचन यादव थाना कोतवाली बांसी जनपद सिद्धार्थनगर शामिल रहे।

राजस्थानः विश्व हिन्दू परिषद अजमेर द्वारा महामहिम राष्ट्रपिता को माध्यम से जिला कलेक्टर महोदय, अजमेर जिला को सौंपा ज्ञापन

समीर खान

राजस्थानः वक्फ कानून के विरोध की आड़ में संपूर्ण बंगाल को जिस प्रकार हिंसा की आग में जलाया जा रहा है, हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है, राष्ट्र विरोधी और हिंदू विरोधी तत्वों को निर्बाध रूप से अपने षडयंत्रों को क्रियान्वित करने की खुली छूट दी जा रही है, उससे स्पष्ट लगता है कि बंगाल की स्थिति अत्यधिक चिंताजनक है। मुर्शिदाबाद से प्रारंभ हुई यह भीषण हिंसा अब संपूर्ण बंगाल में फैलती हुई दिखाई दे रही है। शासकीय तंत्र दंगाइयों के सामने केवल निष्क्रिय ही नहीं, अपितु कई स्थानों पर इनका सहायक या प्रेरक बन गया है। इससे पहले कि स्थिति नियंत्रण से बाहर हो जाए, केंद्र सरकार को प्रशासन का नियंत्रण व संचालन अपने हाथ में लेकर राष्ट्र

विरोधी व हिंदू विरोधी तत्वों को उनके कुकर्मों के लिए कठोर सजा दिलवानी चाहिए। मुस्लिम भीड़ द्वारा 11 अप्रैल, 2015 को वक्फ कानून के विरोध के नाम पर किया गया हिंसक प्रदर्शन कानून बनाने वाली सरकार के विरोध में नहीं, अपितु हिंदुओं पर हिंसक आक्रमण के रूप में था, जबकि हिंदू समाज का इस कानून के निर्माण में कोई भूमिका नहीं थी और यह एक शुद्ध संवैधानिक प्रक्रिया थी। इसका स्पष्ट अर्थ है कि वक्फ तो केवल बहाना था, असली उद्देश्य मुर्शिदाबाद को हिंदू शून्य बनाना था। इस उन्मादी जिहादी भीड़ ने हिंदुओं के 200 से अधिक घरों और व्यावसायिक दुकानों को लूटकर जलाया, सैकड़ों हिंदुओं को बुरी तरह घायल किया और तीन नागरिकों की निर्मम हत्या की गई। दर्जनों महिलाओं के शीलभंग भी किए गए। परिणाम स्वरूप 500 से अधिक हिंदू परिवारों को मुर्शिदाबाद से पलायन करना पड़ा। उनके पास जाकर उनकी चिंता एवं सहायता करने की अपेक्षा सुश्री ममता बनर्जी दंगा भड़काने वाले इमामों से मिल रही हैं, जिनमें से एक इमाम ने एक दिन पहले ही धमकी दी थी कि "अगर ममता बनर्जी ने उनका साथ नहीं दिया तो वह उसकी औकात बता देंगे।" अब ये सारे तथ्य सामने आने पर यह समाचार मिल रहा है कि ममता जी अब शरणार्थियों को सुविधा देने की जगह उन्हें वापस जेहादियों के सामने जबरन परोसने का षड्यंत्र कर रही हैं।

महाराष्ट्रः स्कूली छात्र के आत्महत्या करने पर डर माहौल, इलाके में दहशत

कृष्णराव हीरामन गायकवाड

महाराष्ट्रः स्कूली छात्रा की आत्महत्या का मामला अभी ताजा ही है कि नासिक में एक और सनसनीखेज घटना घटी है। अवसादग्रस्त आयकर अधिकारी हरेकृष्ण पांडे ने अपनी शादी के दिन फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक आयकर अधिकारी हरेकृष्ण पांडे नासिक में कार्यरत थे और उनकी सगाई उत्तर प्रदेश की मोहिनी नामक युवती से हुई थी। सगाई समारोह में मोहिनी का बॉयफ्रेंड भी मौजूद था। सगाई समारोह में मोहिनी ने सबके सामने अपने प्रेमी सुरेश को गले लगाया, जिससे मोहिनी के पिछले प्रेम संबंध का पता चला। इसके बाद आयकर अधिकारी हरेकृष्ण पांडे ने शादी तोड़ने की कोशिश की।

लेकिन होने वाली दुल्हन ने हरेकृष्ण पांडे से कहा कि मुझसे शादी कर लो नहीं तो तुम्हें दहेज केस में फंसा दूंगी। मोहिनी ने धमकी दी कि वह उससे शादी कर लेगी। अंततः बार-बार की धमकियों से तंग आकर हरेकृष्ण पांडे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उनकी शादी 18 तारीख को वाराणसी में होनी थी। अंबड पुलिस थाने के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राकेश हांडे से अधिक जानकारी प्राप्त हुई। हरेकृष्ण पांडे एक आयकर अधिकारी थे। वह मूल रूप से वाराणसी के निवासी थे, लेकिन उनकी पोस्टिंग नासिक में थी, इसलिए वह नासिक में आयकर कॉलोनी में रहते थे। उनका विवाह वाराणसी में उनके पैतृक गांव की एक महिला से हुआ था। लेकिन उस महिला का विवाहेतर संबंध था और वह किसी दूसरे लड़के से प्रेम करती थी, इसलिए वह हरेकृष्ण पांडे को मानसिक कष्ट दे रही थी। हरेकृष्ण पांडे डिप्रेशन में चले गए और उन्होंने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस मामले में दुल्हन के प्रेमी और एक संदिग्ध के खिलाफ अंबड़ पुलिस स्टेशन में पूर्व धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज किया गया है और महिला पुलिस द्वारा आगे की जांच की जा रही है। सब-इंस्पेक्टर मुंधे मैडम अगली जांच कर रही हैं।

संपादकीय

वक्फ कानून तो लागू है...

बेशक सवोच्च अदालत ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के कुछ प्रावधानों पर 'अंतरिम आदेश' जारी किया है, लेकिन कानून पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई है। 'अंतरिम आदेश' भी सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के जरिए, केंद्र सरकार की 'अंडरटेकिंग' के बाद ही, जारी किया गया है। केंद्र की सहमति रही कि अगले आदेश तक वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद में कोई नई नियुक्ति नहीं की जाएगी। यदि राज्य बोर्ड में ऐसी नियुक्ति की जाती है, तो उसे 'शून्य', अमान्य समझा जाए। 'वक्फ बाय यूजर' की संपत्तियों, पंजीकृत, राजपत्रित या गैर-पंजीकृत, को 'डी-नोटिफाई' नहीं किया जाएगा। बताया जाता है कि 'वक्फ बाय यूजर' की 4 लाख से अधिक संपत्तियां हैं। जांच या सर्वे के बाद कलेक्टर वक्फ संपत्ति पर कोई आदेश जारी नहीं करेंगे। इन प्रावधानों पर सॉलिसिटर जनरल ने सवोच्च अदालत की न्यायिक पीठ को आश्वस्त किया है कि यथास्थिति बनी रहेगी। केंद्र 7 दिनों की स्वीकृत अवधि के दौरान अपने साक्ष्यों, दस्तावेजों और दलीलों के साथ जवाब सर्वोच्च अदालत में दाखिल करेगा। वैसे न्यायिक पीठ ने सुनवाई की अगली तारीख 5 मई तय की है, लिहाजा तब तक यथास्थिति बनी रहनी चाहिए। यहां गौरतलब यह है कि 13 मई को प्रधान न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना सेवानिवत्त हो रहे हैं। जस्टिस भूषण गवई अगले प्रधान न्यायाधीश होंगे। जाहिर है कि नए सिरे से न्यायिक पीठ का गठन होगा। नए सिरे से मामले की सुनवाई होगी। सवाल है कि क्या यह मामला शीर्ष अदालत में लंबा खिंचेगा अथवा कुछ लटक कर रह सकता है। जस्टिस खन्ना ने इस मामले को 'अपवाद' के तौर पर ग्रहण किया। वह नहीं चाहते थे कि व्यापक स्तर पर कानूनी सुधार करने से पक्षकारों के मौलिक अधिकार प्रभावित हों, लिहाजा 'अंतरिम आदेश' भी जारी किया गया। बहरहाल वक्फ कानून के कुछ प्रावधानों पर यथास्थिति का 'अंतरिम आदेश' दिया गया है। परोक्ष भाव से उन प्रावधानों पर रोक लगाई गई है, लेकिन संशोधित कानून के लगभग 40 अन्य प्रावधान हैं, जिन पर न तो यथास्थिति का आदेश है और न ही रोक लगाई गई है। अर्थात नया कानून अक्षरशः लागू है। ऐसे बयान ओवैसी जैसे याचिकाकताओं ने दिए हैं। सरकार उन प्रावधानों के तहत कार्रवाई कर सकती है। मुसलमान होने या इस्लाम के 5 साल के अभ्यास वाले प्रावधान को भी न्यायिक पीठ ने छुआ तक नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा है कि यह विशेष स्थिति है। हमने कुछ कमियों की ओर इशारा किया है। कुछ सकारात्मक चीजें भी हैं, लेकिन हम नहीं चाहते कि इतना बड़ा बदलाव किया जाए कि पक्षकारों के अधिकार प्रभावित हों। इस्लाम के 5 साल अभ्यास वाला प्रावधान भी है, लेकिन हम उस पर रोक नहीं लगा रहे। न्यायिक पीठ ने 'लिमिटेशन एक्ट' वाले प्रावधान को भी नहीं छुआ और न ही उस पर कोई आदेश दिया।

देश में बढ़ते अग्निकांड राख होते आशियाने, अग्निकांडों को रोकना होगा?

देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं। गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी।

-नरेन्द्र भारती-

बेशक प्रतिवर्ष देश में 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन सप्ताह मनाया जा रहा है' अग्निश्मन सप्ताह पर लोगों को जागरूक किया जाता है' सेमिनार लगाए जाते हैं और रैलियों का आयोजन किया जाता है लाखों रुपये खर्च किये जाते हैं' आगजनी की घटनाओं में लोगों की लापरवाही के कारण वृद्धि हो रही है' प्रतिवर्ष लोग आगजनी में जान गंवा रहे हैं जिन्दा जल रहे हैं' सतर्कता बरती जाये तो इन अग्निकांडो को रोका जा सकता है' देश में हर वर्ष मजदूर दबकर व जलकर मारे जा रहे हैं। ताजा दर्दनाक अग्निकांड 2 फरवरी 2024 को बद्दी की परफ्यूम फैक्ट्री में घटित हुआ था जहाँ 35 लोग झूलस गए थे और एक महिला की मौत हो गई थी' आगजनी के समय करीब 50 कामगार मौजूद थे 30 कामगारों ने ऊपरी मंजिल से कूद कर अपनी जान बचा ली इनमे तीन की रीढ़ की हड्डी टूट गई मलिक प? लापरवाही बरतने का मामला दर्ज कर लिया है इससे पहले भी बद्दी में काफी अग्निकांड हो चुके हैं लेकिन सबक नहीं सीख रहे हैं सरकारों को इस हादसे से संज्ञान लेना चाहिए'2019 में राजघानी दिल्ली में रानी झांसी रोड़ पर स्तिथि अनाज मंडी में रविवार सुबह चार बजे आग लगने से 43 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा कई लोग घायल हो गए थे। एडीआरएफ की टीम ने केवल 56 लोगों की जान बचा ली थी। यह भीषण आग सुबह साढे चार बजे के करीब लगी थी। आग लगने का कारण शार्टसर्किट था। भारतीय दंड सहिंता की धारा 304 के अंर्तगत मालिक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। यह मजदूर बिहार के समस्तीपुर के एक ही गांव के है। पलक झपकते ही अनाज मंडी शमशानघाट बन गई थी। लाशों के ढेर लग गए थे। चीखो पुकार मच गई थी। मजदूर खाक ह गए थे। कैसी विडंबना है कि कभी सुरगों व उद्योगों में बेमौत मारे जा रहे हैं। मगर केन्द्र व राज्य की सरकारों को जरा सा सदमा होता तो मजदूरों के हितों में कदम उठाती लेकिन सरकारें तो तब जागती हैं जब बड़ा हादसा घटित हो जाता है। 2025 के चार महिनों में उद्योगों में आग के काफी मामले घटित हुए है। देश में मजदूरों के साथ होने वाले हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। कारखानों में जल कर मजदूर मर रहे हैं। गत वर्ष भी एक ही दिन में दो हादसों में 19 मजदूर मारें गए थे जब राजधानी दिल्ली के बाहरी जिले में स्थित बवाना औद्योगिक क्षेत्र में एक पटाखें की फैक्टरी के गोदाम में भीषण आग लगनें के कारण 17 लोगों की मौत हो गई थी और तीस लोग बुरी तरह झुलस गए थे। मरने वालों में 10 महिलाएं तथा 7 पुरुष थी। मजदूरों ने सपने में भी नही सोचा होगा कि यह पटाखा गोदाम शमशान बन जाएगा। पल भर में जिन्दा लोग राख में बदल गए यह बहुत ही त्रासदी है। लगभग तीन घंटे की मश्क्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका तब तक सब कुछ राख हो चुका था। आग के कारणो का पता नहीं चल पाया है। प्रशासन को चाहिए कि लापरवाही बरतने वालों को सजा दी जाए ताकि फिर एसे हादसे न हो सके। दूसरे हादसे में कानपुर में भी दो मजदूरों की मलबे में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। एक दिन में ही 19 मजदूर मारे गए। यह बहुत ही दुखद है। । बीते वर्ष में रायबरेली के उंचाहार में एटीपीसी संयत्र का बायलर फटने से 30 मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई थी तथा 100के लगभग घायल हो गए थे। 500 मैगावाट इकाई के बायलर में यह हादसा हुआ था उस समय 200 कामगार मौजूद थे सरकारों ने मृतकों को मुआवजे की घोषणा करती है मगर मुआवजा इसका हल नहीं है। एक ऐसा ही हादसा जयपुर के पास खातोलाई गांव में घटित हुआ था जहां टाज्सफारमर फटने से 14 लोगों की मौत हो गई थी। इन हादसों ने औद्याोगिक क्षेत्रों में मजदूरों की सुरक्षा पर प्रशनचिन्ह लगा दिया है इन हादसों पर संज्ञान लेना होगा तथा मजदूरों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होगें ताकि भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके। गत वर्ष जम्मू के उधमपूर से 80 किलोमीटर दूर रामबन जिले के चंद्रकोट में जम्मू-कश्मीर हाईवे पर टनल कर्मचारियों की बैरक में आग लगने से दस श्रमिक जिंदा जल गए थे। यह बैरक लोहे व फाईबर की बनी थी। यह बहुत ही दुखद हादसा था। आग लगने का कारण बिजली का शार्टसर्किट था। इस बैरक में 100 से अधिक लोग रहते थे।

मगर छुटटी होने के कारण आसपास के लोग अपने घरों को चले गए थे। गनीमत रही की यह अपने-अपने घरों को गए थे वरना मृतको की संख्या 100 के लगभग होती। नया वर्ष इन मजदूरों के लिए यमराज बन कर आया था और बेचारे टनल में ही जिन्दा जलकर राख हो गए थे इन अभागों ने सपने मे भी नहीं सोचा होगा की नया साल उनके लिए घातक साबित होगा। मारे गए मजदूरों में एक मजदूर हिमाचल के कांगड़ा का था तथा एक पंजाब का था बाकि बनिहाल-रामबन क्षेत्र के निवासी थे। सुरगं में घटित इस दर्दनाक हादसे ने कई प्रशन खड़े कर दिए है कि आखिर यह हादसे कब रुकेगें। यह कोई पहला हादसा नहीं है देश में अब तक हजारों मजदूर बेमौत मारे जा चुके है। एक साल पहले हिमाचल के बिलासपुर में भी एक ऐसा ही हादसा घटित हुआ था जब फोरलेन का काम करते समय सुरंग ढह गई और तीन मजदूर उसमें दब गए मगर 12 दिन की कड़ी मशक्क्त के बाद दो मजदूरों को जिन्दा निकाला गया था। एक मजदूर हिरदा राम कोई पता नहीं चल पाया था कि वह जिन्दा था या मर चुका था लगभग 9 महीने बाद उसका शव बरामद हुआ था। हिमाचल के जिला किन्नौर में एक निमार्णाधिन प्रोजेक्ट की दीवार गिरने से चार मजदूर बेमौत मारे गए थे। यहां पर 11 मजदूर काम कर रहे थे कि अचानक दीवार गिर गई सात मजदूर तो भागकर बच गए मगर बेचारे चार मजदूर जिन्दा दफन हो गए। इन मजदूरों पर 42 मीटर लंबी दीवार गिर गई थी। हिमाचल में ऐसे बहुत हादसे हो रहे है हमीरपुर में भी गत दिनों दर्जनों मजदूर मारे गए थे। 2015 के फरवरी माह में एक सप्ताह में दो दर्दनाक हादसों में 10 मजदूर मारे गए और 20 मजदूर घायल हो गए। पहला हादसा हिमाचल के कुल्लु में हुआ तथा दूसरा मुम्बई में हुआ। मुम्बई के अलीबाग में एक पटाखा फैक्ट्री में आग लगने से 9 मजदूर मारे गए थे और 19 घायल हो गए थे। और दूसरी घटना में 24 फरवरी 2014 को कुल्लु के मणीकर्ण में करंट लगने से एक मजदूर की मौत हो गई थी जो बिजली विभाग के एक ठेकेदार के पास काम कर रहा था इस दर्दनाक हादसे में एक अन्य मजदूर घायल हो गया था। गोवा के कनाकोना शहर में एक निमार्णाधीन इमारत गिरने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 40 से अधिक लोगों की इमारत के भितर दब गए थे। यह हादसा कनाकोना शहर में घटित हुआ था जो राजधानी पणजी से 80 किलोमीटर दूर था। यह हादसा दोपहर तीन बजे के करीब हुआ जब यह इमारत ढही उस समय 40 लोग काम कर रहे थे गत वर्ष महाराष्ट्र में एक इमारत के गिरने से 75 मजदूरों की असमय मौत गई थी और 60 मजदूर घायल हो गए थे आखिर कब तक मजदूर इमारतों में जमीदोज होते रहगें। यह बहुत ही दर्दनाक हादसा था जिसने एक साथ इतने लोगों को लील लिया था। भले ही प्रशासन मुआवजे का मरहम लगाता है मगर जो बेमौत मारे गये क्या वे लौट आएगें यह एक यक्ष प्रशन बनता जा रहा है। ऐसे हादसे पहले भी हो चुके है जिसमें सैंकड़ों लोग लापरवाही के कारण मारे जा चुके हैं।

इमारतों के नीचे दबकर मजदूर काल का ग्रास बन रहे है। हादसों को देखकर रौगंटे खडे. हो जाते हैं देश के राज्यों में चल रहे ईटों के भठठों में मजदूर मारे जा रहे हैं। मजदूरों के पसीने से ही ईटें पकती हैं मगर भठठा मालिक मजदूरों का शोषण कर रहे हैं मजदूर खून-पसीना बहाकर काम करते है। मगर बदले में मेहनताना नाममात्र दिया जाता है। मालिक मजदूरों के सिर पर करोड़ों रुपया कमा रहे है। आंकडे. बताते है कि 2001 से अप्रैल 2025तक हजारों मजदूर मारे जा चुके हैं।

मस्जिद, मजारों की तोड़फोड़ और दंगा भड़काने के आरोपों से परेशान देश का मुसलमान

इफ्तिखार अंसारी

भारत देश की राजनीति का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। आय दिन कोई न कोई दंगा, हंगामा या विवाद खड़ा हो ही जाता है। कई बार इन विवादों के लिए मौजूदा केंद्र सरकार को जिम्मेदार ठहराया जाता है। देखा जाए तो कहीं न कहीं देश भर से आने वाली विवादों की तस्वीर को देखकर भी यही लगता है कि विवाद, हंगामा, दंगा और तोड़फोड़ ही इसलिए की जाती है कि किसी विवादित मुद्दे को दबाया जा सके। जिसमें अक्सर मुस्लिम वर्ग टारगेट बन ही जाता है।

ट फैक्टर क्या है?

मुसलमान, मस्जिद, मदरसा, मजार और माइक क्या ये पाँच फैक्टर हैं जो आज देश और प्रदेश की वर्तमान राजनीति का केंद्र बने हुए हैं। आज की राजनीति और सरकार की नीति को जब करीब से जानने की कोशिश की गई, तो ये मुख्यतः पाँच ट फैक्टर पर आधारित सरकारों की नीति और दलों की राजनीति होती नजर आई।

जहाँ एक तरफ देश में जहाँ भी ठऊअ समर्थित या पूर्ण बहुमत की सरकार है, वहाँ खासतौर से ये पाँच ट फैक्टर काफी प्रभावी रूप से नजर आए।

कई बार ऐसा हुआ है कि, जब भी देश में शांति हुई है तो फौरन कोई ऐसा मुद्दा उठ खड़ा हुआ जिससे दो धर्मों के बीच का सामंजस्य खराब हो।

जब बात सरकार के भ्रष्टाचार की पोल खुलने की हो या फिर बात विदेशों में सरकार की नीतियों की किरकिरी की हो, तब जनता का ध्यान भटकाने के लिए मुस्लिम कट्टरता, मस्जिद, मजार, मदरसे, मुल्ला, मौलवी जैसे शब्दों का डंका बजता नजर आया। डंका भी ऐसे बजाया जाता है जैसे सरकार ने देश को ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी में प्रवेश करा दिया हो। अगर ताजा मामले की बात करें तो उत्तराखंड प्रदेश को ले लीजिए जहाँ पर एनडीए की बहुमत की सरकार है।

बात पंद्रह दिन पहले हुए विधानसभा सत्र की करते हैं। जहाँ सरकार ने भू कानून का प्रस्ताव पास कर पहाड़ियों को रिझाने की आधी-अधूरी कोशिश की, वहीं यूसीसी को जल्दबाजी में बिना सबको विश्वास में लिए लागू करने वाला पहला राज्य होने का तगमा हासिल करने की लालसा की।

जिसका विरोध खुद पहाड़ी मूल के लोग, कानून के जानकार बार एसोसिएशन और बुद्धिजीवी कर रहे हैं। इसमें काफी खामियाँ हैं।

वहीं भू कानून का सपना दिखाकर आधा-अधूरा कानून लागू किया गया।

प्रदेश के दो महत्वपूर्ण जिले हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर को भू कानून से बाहर रखा गया। जबकि उत्तराखंड के मैदानी क्षेत्रों में सबसे ज्यादा जमीनों की खरीद-फरोख्त इन्हीं राज्यों में होती है और शहरीकरण के नाम पर तमाम कृषि और बागबानी की जमीनों का लैंड यूज सरकार द्वारा ही बदल दिया गया और जब तेजी के साथ शहरीकरण बढ़ रहा है, तब भू कानून का ढिंढोरा पीटकर उत्तराखंड की कृषि और बागबानी की जमीन बचाने का संकल्प लिया गया, जो पहले ही सरकार ने अपनी नीतियों से खत्म कर दी हैं, लेकिन इन दो जिलों को क्यों भू कानून से अलग रखा गया, ये बात समझ से परे है।

बीते दिनों विधानसभा सत्र के दौरान जब चर्चा हो रही थी, तो भू कानून पर बहस हो रही थी। इसी बहस में बीजेपी सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल बेकाबू हो गए और प्रेमचंद जी का प्रेम पहाड़ियों के प्रति इतना ओवरफ्लो हो गया कि पहाड़ियों को ही अभद्र गाली दे डाली। बस इतना ही कहना था, सदन में माहौल गरमा गया, बात सदन के बाहर तक गई तो पूरे पहाड़ में उबाल आ गया, विरोध प्रदर्शन और पुतले दहन का दौर शुरू हो गया।

हालाँकि मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल जी ने अपने शब्द वापस लिए और प्रदेश की जनता खासतौर से पहाड़ियों से माफी माँगी, लेकिन उनकी एक ना सुनी गई और देखते ही देखते माहौल बिगड़ गया और जनता और विपक्ष ने उनके इस्तीफा की माँग कर डाली।

अब सरकार पर दबाव आ गया और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को भी इशारों इशारों में हिदायत देनी पड़ी कि सदन में ऐसे शब्द नहीं बोलने चाहिए, लेकिन पहाड़ियों पर इससे भी कोई फर्क नहीं पड़ा और विरोध लगातार होता रहा। ऐसे में सरकार दबाव में आ गई।

इसी बीच अचानक से रमजान शुरू होते ही शासन के आदेश पर जिला प्रशासन देहरादून ने मदरसों और विकासनगर में मस्जिद को सील करने शुरू कर दिए।

कई जानकारो का कहना है कि सरकार सदन में हुए अभद्र गाली कांड से प्रदेश की जनता का ध्यान भटकाने के लिए मस्जिद मदरसों को बिना पूर्व नोटिस दिए सीलिंग की कार्यवाही कर रही है।

अब ऐसे में रमजान के मौके पर मस्जिद मदरसों और माइक हटाने के खिलाफ मुस्लिम समाज भी कहा चुप बैठेगा। इसी को लेकर मुस्लिम सेवा संगठन व जमीयत उलेमा हिंद की अगुवाई में मुस्लिम समाज के लोग बड़ी तादाद में जिलाधिकारी देहरादून कार्यालय परिसर में विरोध प्रदर्शन करने पहुचें लेकिन जिला प्रशासन ने एक नहीं सुनी इसी को लेकर तमाम मुस्लिम समाज के लोगों ने अपनी गिरफ्तारियां दी।

इसके उलट अगले दिन ही जिलाधिकारी देहरादून स्वयं टीम के साथ शहर के मुस्लिम इलाके पहुँचे और बिना पंजीकृत संचालित मदरसों को सील किया, वही उसी दिन मुस्लिम सेवा संगठन की अगुवाई में विकासनगर में मस्जिद को सील करने के विरोध में एमडीडीए कार्यालय पर विरोध प्रदर्शन किया।

मुस्लिम समाज के बुद्धिजीवियों का कहना है सरकार रमजान तक छूट दे उसके बाद जाँच कर जो भी कार्यवाही हो वो अमल में लाए। हालांकि सरकार काफी समय से चेता रही है कि मस्जिद मदरसों को रजिस्टर्ड करा ले लेकिन मदरसों के संचालकों ने सरकार के चेताने के बावजूद भी ध्यान नहीं दिया। इसी लापरवाही का सहारा? लेकर आज जिला प्रशासन मस्जिद मदरसों पर सीलिंग कार्यवाही अमल में ला रहा है। सवाल यही है कि बिना नोटिस दिए सीलिंग करना ये भी एक बड़ा सवालिया निशान हैं।

कई बार मुस्लिम वर्ग की कई चीजें मुद्दा बन जाती है विवाद का, जैसे मस्जिद, मदरसा या लाउडस्पीकर। क्या मुसलमान इतना असहाय हो गया है या मुसलमानों के सहारे ही प्रदेशों में सरकारें चल रही है। इन मुद्दों से और सरकार के एक विशेष वर्ग के खिलाफ टारगेट करने से तो ऐसा ही लगता है।

जब जब प्रदेश में सरकार असहज हुई हो चाहे वो उनके मंत्रियों के बोल वचन के कारण हो या आय से अधिक संपत्ति के कारण हो या अन्य कोई वजहों से हो। तब तब सत्ताधारी पार्टी हिचकोले खाती अपनी सरकार को बचाने के लिए मुसलमान, मस्जिद, मदरसों, मजार, माइक और कठ मुल्ला के नाम पर खूब चाल चली और सरकार की नाकामी और भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए इनको बलि का बकरा बनाया गया।

कभी मस्जिद मदरसों को सील के नाम पर तो कभी सैंकड़ों सालो पुरानी मजारों को अवैध होने के नाम पर तोड़ा गया और कभी मस्जिदों से माइक हटाने के नाम पर खूब अन्धाधुंद और संविधान को तार तार करके एक वर्ग के खिलाफ कार्यवाही करने का काम किया।

वही एक तरफ देश के प्रधानमंत्री मुस्लिम देशों का दौरा करते है और देशहित में बिजनेस डील करते है तो कभी मुस्लिम देशों के नुमाइंदों की गले लगा कर आगवानी करते है वही दूसरी तरफ अपने ही देश के मुसलमानों के साथ गलत होता देख आँखें मूँद लेते है और उनके खिलाफ हो रही तमाम घटनाओं पर एक शब्द तक नहीं बोलते यहाँ तक कि नजर फैर लेते है। क्या देश के प्रधानमंत्री अपने मूल सिद्धांत सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास को भूल गए हैं?

क्या प्रधानमंत्री का देश के मुसलमानों के खिलाफ हो रहे अत्याचार पर यू चुप रहना नफरत फैलाने वालो को बढ़ावा देना है या यू समझे उनको ऐसा करने के लिए समर्थन करना जैसा है।

खैर, आज देश का मुसलमान अपने ही मुल्क में बेगाना और अकेलापन महसूस कर रहा है। देश को आजाद करने में जिस कौम के उलेमाओं ने खून बहाया हो अपनी जान की कुबार्नी दी हो आज उसी कौम के लोगों से हिंदुस्तानी होने का सर्टिफिकेट वो लोग माँगते नजर आते है। आखिर हमारे धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र को किसकी बुरी नजर लगी है?

जहाँ हम ट्रिलियन डोलर की इकोनॉमी का सपना देख रहे और आगे बढ़ रहे वही देश के अंदर इस तरह की बातें दुखदायी है और सभी को साथ लेकर चलना होगा तभी हम मजबूत विश्वगुरु कहलाएंगे।

आधी सच्चाई का लाइव तमाशाः रिश्तों की मौत का नया मंच

-डॉ सत्यवान सौरभ-

आजकल लोग निजी झगड़ों और रिश्तों की परेशानियों को सोशल मीडिया पर लाइव आकर सार्वजनिक करने लगे हैं, जहां आधी-अधूरी सच्चाई दिखाकर सहानुभूति बटोरी जाती है। 'सुट्टा आली' और 'मुक्का वाली' जैसे मामलों में देखा गया कि जब दूसरा पक्ष सामने आया, तो पहले समर्थन करने वाले लोग उलझन में पड़ गए। सोशल मीडिया अब इंसाफ का मंच नहीं, तमाशा बनता जा रहा है, जहां रिश्ते कंटेंट बनकर बर्बाद हो रहे हैं। इस डिजिटल दिखावे से बाहर निकलने का रास्ता संवाद, संयम और सच्चाई पर आधारित समझदारी है। रिश्तों को बचाने के लिए पहले उन्हें सार्वजनिक न करें, बल्कि निजी स्तर पर सुलझाने की कोशिश करें। आधी सच्चाई दिखाकर न्याय मांगना रिश्तों की मौत का कारण बन सकता है। घर के अंदर की बातें अब घर के नहीं रहीं। एक वक़्त था जब दीवारों के भीतर जो होता था, वही दीवारों में दफन होता था। पर अब दीवारें भी वाई-फाई से जुड़ चुकी हैं और रिश्ते डेटा पैक पर टिके हैं। बात-बात पर फेसबुक लाइव, इंस्टा स्टोरी, और यूट्यूब व्लॉग-यही अब नए जमाने का रिश्ता-निपटान मंच बन गए हैं। कोई थोड़ा-बहुत झगड़ा हुआ नहीं, लोग कैमरा ऑन करके 'ऑडियंस' के सामने आंसू बहाने लगते हैं। और उस रोते चेहरे के पीछे कितनी सच्चाई है, इसका किसी को अंदाजा नहीं होता-क्योंकि कहानी का दूसरा पहलू अक्सर बेमौसम आता है, या कभी आता ही नहीं।

रोते हुए लाइव, और सहानुभूति का सैलाब

आजकल रिश्तों में सहनशीलता नहीं, स्क्रिप्टिंग आई है। जैसे ही किसी झगड़े या मनमुटाव की चिंगारी उठती है, लोग अपने कैमरे चालू कर लेते हैं और 'लाइव' आकर खुद को पीड़ित घोषित कर देते हैं। आवाज में कंपकंपी, आंखों में आंसू, और शब्दों में दर्द-सब कुछ इतना 'रियल' होता है कि देखने वाला पल भर में इमोशनल इन्वेस्ट कर बैठता है। पर सवाल ये है कि क्या वो सच्चाई का पूरा चेहरा देख रहा है, या बस आधा?

आज की मिसाल लीजिए-सोशल मीडिया पर पहले सुट्टा आली प्रकरण छाया रहा और अब मुक्का वाली मामला। दोनों में ही एक पक्ष ने पहले सोशल मीडिया पर आकर सहानुभूति बटोरी। लोग टूट पड़े समर्थन में, ट्रोलिंग शुरू हुई, इल्जामों की झड़ी लग गई। लेकिन जब कुछ समय बाद दूसरा पहलू सामने आया, तो वही हमदर्द दोराहे पर खड़े दिखे। कोई खिसियाया, कोई चुप हो गया, और कुछ ने हाथ जोड़ लिए-हमें तो पूरी बात पता ही नहीं थी।

सोशल मीडियाः इंसाफ का नया अदालत?

अब सवाल उठता है-क्या सोशल मीडिया कोई अदालत है, जहां एकतरफा सबूत पेश करके दूसरे पक्ष को बिना सुने सजा सुनाई जा सकती है? क्या हम सब यूजर्स अब जज बन चुके हैं? और अगर हां, तो हमारी अदालत में अपील की व्यवस्था कहां है? दिक्कत ये है कि आजकल लोग जज नहीं, जजमेंटल बन चुके हैं। किसी भी मुद्दे को बिना सोचे, बिना समझे, बिना जांचे-बस वायरल होने की स्पीड से नापते हैं। कौन सही है से ज्यादा अहम हो गया है कौन पहले लाइव आया।

रिश्ते अब रील और रेटिंग का हिस्सा बन गए हैं

जब एक रिश्ते की दरार को सार्वजनिक किया जाता है, तो उसका असर केवल उस रिश्ते पर नहीं, समाज पर भी पड़ता है। यह एक विकृति बनती जा रही है, जहां निजी दर्द सार्वजनिक मनोरंजन बन रहा है। और इसे प्रोत्साहन मिलता है व्यूज, लाइक्स और फॉलोवर्स की भूख से। एक जमाना था जब लोग अपने रिश्तों को बचाने के लिए कुछ भी कर जाते थे-आज लोग लाइक और शेयर के लिए अपने रिश्ते खुद बर्बाद कर देते हैं।

मीडिया से ज्यादा, मिडियाई मानसिकता दोषी है

यह केवल मीडिया ट्रायल का मुद्दा नहीं है। असली समस्या उस मानसिकता की है जो कैमरा ऑन होते ही खुद को पीड़ित घोषित कर देती है और दर्शकों को जूरी बना देती है। यह हाफ ट्रुथ पॉलिटिक्स अब राजनीति तक सीमित नहीं रही-यह अब हमारे घरों में घुस चुकी है। लोग अपने गुस्से और दुख को शब्दों में नहीं, स्क्रिप्टेड कंटेंट में ढाल रहे हैं। और दर्शक भी, असल में मदद करने के बजाय, तमाशबीन बने रहते हैं-स्क्रीन के उस पार तालियाँ बजाते हुए। इस डिजिटल युग में रिश्ते अब संवाद से नहीं, कंटेंट से चलने लगे हैं। पार्टनर से बात करने की जगह, लोग सोशल मीडिया पर इंडिरेक्ट पोस्ट करते हैं।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रातः 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा है। अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

ईडी की कार्रवाई के विरोध में कांग्रेस करेंगी ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शन

आरआर तिवाड़ी ने दिए निर्देश, अपने क्षेत्र में पुतला दहन के बाद देंगे ज्ञापन

जयपुर। सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ नेशनल हेराल्ड केस में ईडी के चार्जशीट दाखिल करने के विरोध में कांग्रेस ने राजस्थान में सभी जिलों में विरोध प्रदर्शन किए। अगले दिन सभी ब्लॉक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन कर ज्ञापन दिए जाएंगे।प्रदेश में होने वाले प्रदर्शनों के बीच जयपुर शहर जिला कांग्रेस कमेटी ने भी सभी ब्लॉक अध्यक्ष को प्रदर्शन के लिए निर्देश जारी किए हैं। जयपुर जिलाध्यक्ष आरआर तिवाडी ने सभी ब्लॉक अध्यक्ष को निर्देशित किया है कि अपने-अपने क्षेत्र में धरना प्रदर्शन और पुतला दहन के बाद ज्ञापन देंगे।

तीसरी लाइन डालने के कार्य के कारण ट्रेनें मार्ग परिवर्तित, यातायात रहेगा प्रभावित

जयपुर। पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल पर कुसम्ही-गोरखपुर कैंट-गोरखपुर जंक्शन के मध्य तीसरी लाइन डालने के कारण रेल यातायात प्रभावित रहेगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी शशि किरण के अनुसार उपरोक्त कार्य के कारण पोरबंदर-मुजफ्फरपुर रेलसेवा 24, 25 अप्रैल, 1 व 2 मई को परिवर्तित मार्ग गोरखपुर छावनी, भटनी, छपरा ग्रामिण जं. होकर, मुजफ्फरपुर- पोरबंदर रेलसेवा 27 व 28 अप्रैल को परिवर्तित मार्ग छपरा ग्रामिण जंक्शन, भटनी, गोरखपुर छावनी, होकर संचालित होगी।

कौन हैं राजस्थान के अशोक यादव, जिनसे कांपते हैं नक्सली

झुंझुनूं। राजस्थान में एक वीर ऐसा ही भी है, जिससे बड़े-बड़े नक्सली कांपते हैं। उनकी वीरता को देखकर देश के

राष्ट्रपति उनको चार बार वीरता पुरस्कार से सम्मानित कर चुके। नक्सलियों में उनका खौफ ऐसा बैठ गया कि उनके डर से कई आत्मसमर्पण कर चुके। झुंझुनूं जिले के पचेरी क्षेत्र के निकट रसूलपुर गांव निवासी सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन के कमाण्डेंट अशोक कुमार यादव को अति संवेदनशील नक्सल क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए बेस्ट कोबरा बटालियन ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीआरपीएफ के महानिदेशक ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह ने उनको यह ट्रॉफी पंद्रह अप्रेल को मध्य प्रदेश के नीमच में प्रदान की। यादव के नेतृत्व में इनकी कोबरा बटालियन ने अति संवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र बीजापुर / सुकमा (छत्तीसगढ़) में सर्वोत्तम प्रदर्शन कर नक्सलवाद की रीढ़ की हड्डी तोड़ने का कार्य किया।

83 नक्सलियों को मार चुके

नक्सलियों के सबसे मजबूत पी.एल.जी.ए. ग्रुप को भागने पर मजबूर किया। भारत सरकार के मार्च 2026 के नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य के प्राप्ति में वाहिनी कमाण्डर के रूप में बीजापुर पुलिस के साथ मिलकर अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। अभी तक यादव के नेतृत्व में 210 कोबरा वाहिनी ने 16 नए कैम्प (एफ.ओ.बी.) लगाए हैं। तर्रेम-पामेड़ रोड के परिचालन के एतिहासिक लक्ष्य में योगदान दिया है। इनके नेतृत्व में मुठभेड़ में 83 नक्सलियों को मार गिराया गया है। 161 नक्सलियों को गिरफ्तार किया तथा 56 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया।

वर्ष 2000 में सहायक कमाण्डेंट के पद पर भर्ती हुए

अशोक कुमार 14 अक्टूबर 2000 को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में सहायक कमाण्डेंट के रूप में भर्ती हुए। देश के उत्तर पूर्व में असम, जम्मू कश्मीर एवं छत्तीसगढ़ के बस्तर में बहादुरी का परिचय दिया। यादव को बहादुरी के लिए राष्ट्रपति चार बार पुलिस वीरता पदक से सम्मानित कर चुके। इसके अतिरिक्त वे राष्ट्रीय सुरक्षा गारद (एनएसजी) में भी सेवा दे चुके। उन्होंने बताया कि उनको आगे बढ़ाने में सबसे ज्यादा योगदान मां भगवती देवी व पिता शिव प्रसाद का रहा।

दसवीं में मैरिट लाने वाला बना शातिर अपराधी, अवैध हथियारो समेत वाहन जब्त

जयपुर। महेश नगर थाना इलाके में गुरुवार को पढ़ाई में टॉप करने वाले एक आरोपित को अवैध हथियारों समेत गिरफ्तार किया है। आरोप के कब्जे से यातयात में प्रयुक्त वाहन को बरामद कर लिया है। डीसीपी साउथ दिगंत आनंद ने बताया कि आरोपित राज डागुर 20 गांव हतीजर पुलिस थाना हलैना जिला भरतपुर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक अवैध देशी पिस्टल, एक अवैध देशी कट्टा, दो जिन्दा कारतूस और यातायात में प्रयुक्त कार बरामद की है । आरोपी से हथियारों के बारे में अनुसन्धान जारी है।

दसवीं में किया है टॉप, रीट परीक्षा भी पास

आरोपित से प्रारम्भिक पूछताछ पर बताया है कि उसके विरुद्ध पुलिस थाना अटलबन्द भरतपुर पर धारा 302, 307,120बी भा. द. सं. समेत 3/25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज हो चुका है ।

उत्तराखंड: भगवा ट्रैप की शिकार लड़कियों पर आखिर शासन प्रशासन मौन क्यों?

इफ्तिखार अंसारी

उत्तराखंडः भगवा ट्रैप की शिकार लड़कियों पर आखिर शासन प्रशासन मौन क्यों? क्यों आखिर विशेष वर्ग की कम उम्र की लड़कियों को भगवा ट्रैप की मिशनरी के तहत फँसाया जा रहा है?

प्रदेश में सख़्त धर्मांतरण कानून लागू है लेकिन इस कानून का सिर्फ.एक ही वर्ग पर असर क्यों है? आखिर ऐसा दोहरा रवैया क्यों?

कई सवाल है जिनका जवाब नहीं मिलता?

आखिर इन सवालों पर किसकी जवाबदेही होगी?

ये बताने के लिए आप दर्शकों पर छोड़ देते है!

पहले तो जानने की कोशिश करते है कि आखिर ये धर्मांतरण है क्या?

हम बहुत वर्षों से सुनते आ रहे है कि ईसाइयों ने धर्म परिवर्तन का मिशन चला रखा है, सनातनियों ने धर्म परिवर्तन का मिशन चला रखा है, मुसलमानों ने धर्म परिवर्तन का मिशन चला रखा है या अन्य धर्म में भी धर्म परिवर्तन की बात सुनने में आती रहती है।

जब पता लगाने की कोशिश की गई तो ये मालूम पड़ा कि जिस भी धर्म में कोई भी जाति या समुदाय के लोग आर्थिक रूप से कमजोर होते है वो पैसों के लालच में और

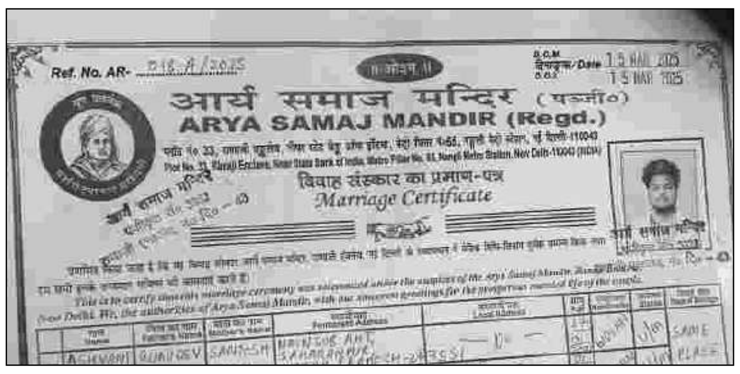

अपनी आर्थिकी को मजबूत करने के लिए इस तरह के धर्म परिवर्तन के जाल में आसानी से फँस जाते है। ये सभी धर्म में ऐसा हो सकता है क्यूंकि कमजोर वर्ग हर धर्म में है और वो किसी के भी बहकावे में आसानी से आ जाते है। यहाँ तक तो धर्म परिवर्तन का मतलब समझ में आया, लेकिन अब एक अलग तरह का मिशन चल रहा है जिसको भगवा ट्रैप भी कहा जाता है जिसमे एक विशेष वर्ग की कम उम्र की नासमझ लड़कियों को प्यार मोहब्बत और अन्य लुभावनी बातों से उनको आकर्षित किया जाता है और फिर उनको अपनी गिरफ्त में पूरी तरह से लेकर उनका माइंड वाश करके अपने जाल में फँसा कर आर्यसमाज मंदिर में ले जाकर शादी की जाती है।

जहाँ पहले से ही कुछ तथाकथित बहरूपीय रूपी धर्म के ठेकेदार बने पुजारी या भगवा मिशन के संरक्षक उनको पूरी सिक्योरटी का हवाला देकर शादी कराते है। कुछ समय बाद उस मासूम नासमझ लड़की के साथ वह सब किया जाता है जो वो कर सकते है। कुछ समय बाद उसका शोषण करके उसको बेकार अवस्था में छोड़ दिया जाता है ताकि वो किसी लायक ना रहे। ऐसा करना ही भगवा ट्रैप मिशन का उद्देश्य है, लेकिन सवाल ये है कि इस तरह के हथकंडे को अंजाम देने का बढ़ावा किसके इशारे पर होता है।जहाँ एक तरफ प्रदेश में सख़्त धर्मांतरण कानून लागू है लेकिन ऐसा लगता है कि मानो ये कानून सिर्फ. एक दिखाने के लिए या एक विशेष वर्ग पर लागू होता है। भगवा ट्रैप मिशनरों पर इस कानून का कोई असर नहीं होता है।

बात करे अगर अन्य अल्पसंख्यक वर्ग के समाज बारे में या खासतौर से विशेष वर्ग के लोगों के द्वारा यदि इस तरह की कोई घटना धर्मांतरण के रूप में सामने आ जाती है तो सारा तंत्र मंत्र ऐक्टिव हो जाता है और तमाम सारे भगवा दल सड़कों पर उतर आते है और पुलिस के सामने ही तरह तरह की धमकियाँ और ना जाने क्या क्या उत्पाद मचाया जाता है।

और विशेष वर्ग के लोगो के घरों प्रतिष्ठानों पर तोड़फोड़ की जाती है और फिर सख्त से सख़्त प्रभावी कार्रवाई पुलिस प्रशासन द्वारा भी अमल में लाई जाती है।

लेकिन जब भगवा ट्रैप मिशन के तहत किसी विशेष वर्ग की मासूम बच्चियों को फँसा कर आर्यसमाज जैसे मंदिरों में शादी करायी जाती है और उनको धर्मांतरण का सर्टिफिकेट दिया जाता है तो फिर ये कानून और ये प्रशासन मौन क्यों हो जाता है।

आखिर ये पक्षपात और दोहरा रवैया क्यों अपनाया जाता है। ये सबसे बड़ा सवाल है।

आइये बात करते है अभी अभी ताजा मामला सामने आया है जो कि उत्तराखंड के भगवानपुर की रहने वाली नाज़िया नाम की लड़की जो भगवा ट्रैप मिशन के तहत अश्वनी नाम के गैर मुस्लिम लड़के का शिकार हुई और तो और नई दिल्ली के आर्यसमाज मंदिर में शादी भी करवा दी गई है और धर्मांतरण का सर्टिफिकेट भी जारी कर दिया गया है। अब बताए क्या ये सही है।

माना लड़की को खूब प्रलोभन दिया गया होगा लेकिन क्या किसी प्रशासनिक संस्था से लड़की की काउंसलिंग करायी गई होगी या लड़की के मानसिक रूप से कमजोर या बीमार होने का पता लगाया गया होगा? तमाम तरह की बातें है जो शायद किसी ने नहीं पता लगाने की कोशिश की गई होगी। ऐसा लगता है बस भगवा ट्रैप मिशनरों को सब छूट है कोई पूछने वाला नहीं कोई कहने सुनने वाला नहीं है, ऐसा लगता है मानो उन पर कोई कानून लागू होता ही नहीं।

देश में संविधान का राज है कानून सबके लिए समान है और देश के हर वर्ग को उम्मीद है कानून के रखवाले कानून की रक्षा करेंगे और जो कानून के खिलाफ जाएगा उस पर लगाम कसी जाएगी।

प्रदेश में सख्त धर्मांतरण कानून का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए और प्रदेश के मुख्यमंत्री धाकड धामी जी सख्त कानून का उल्लंघन करने वालों पर कड़ी कार्रवाई का आदेश करेंगे और मासूम, नासमझ और कमउम्र की लड़कियों को बहला फुसलाकर और उनका माइंड वाश करके उनको जबरन धर्मांतरण करवाने वाले तथाकथित भगवा गैंग को संरक्षण देने वाले सभी लोगों को सख्त सजा दिलायेंगे।

उत्तराखंड: धर्म स्वतंत्रता अधिनियम 2018, घर वापसी या एक धर्म की स्वतंत्रता?

इफि्तखार अंसारी

उत्तराखंडः राज्य में 01 जनवरी 2018 को प्रकाशित और प्रारंभ हुआ, जिसमें निम्न प्रावधान और व्याख्या की गई।

(ए) "प्रलोभन" का अर्थ है और इसमें किसी भी उपहार या परितोष या भौतिक लाभ के रूप में किसी भी प्रलोभन की पेशकश शामिल है, चाहे वह नकद या वस्तु के रूप में हो या रोजगार, किसी धार्मिक संस्था द्वारा संचालित प्रतिष्ठित स्कूल में मुफ्त शिक्षा, आसानी से पैसा कमाना, बेहतर जीवनशैली, दैवीय आनंद या अन्यथा;

(बी) "धर्मांतरण के लिए राजी करना" का अर्थ है किसी व्यक्ति को अपना धर्म त्याग कर दूसरा धर्म अपनाने के लिए सहमत कराना;

(सी) "बल" में बल का प्रदर्शन या धर्मांतरित व्यक्ति या धर्मांतरित होने की इच्छा रखने वाले व्यक्ति या किसी अन्य व्यक्ति या संपत्ति को किसी भी प्रकार की चोट पहुंचाने की धमकी शामिल है, जिसमें दैवीय नाराजगी या सामाजिक बहिष्कार की धमकी भी शामिल है।

(डी) "धोखाधड़ी" में किसी भी प्रकार का गलत बयान या कोई अन्य धोखाधड़ी युक्ति शामिल है;

(इ) "जबरदस्ती" का अर्थ है किसी व्यक्ति को मनोवैज्ञानिक दबाव या शारीरिक बल का प्रयोग करके उसकी इच्छा के विरुद्ध कार्य करने के लिए मजबूर करना, जिससे उसे शारीरिक चोट पहुंचे या उसकी धमकी मिले;

(एफ) "अनुचित प्रभाव" का अर्थ है एक व्यक्ति द्वारा दूसरे पर अपनी शक्ति या प्रभाव का अविवेकी प्रयोग, ताकि दूसरे व्यक्ति को ऐसे प्रभाव का प्रयोग करने वाले व्यक्ति की इच्छा के अनुसार कार्य करने के लिए राजी किया जा सके;

(जी) "धर्मांतरण" का अर्थ है एक धर्म को त्यागकर दूसरा धर्म अपनाना;

(एच) "नाबालिग" का अर्थ अठारह वर्ष से कम आयु का व्यक्ति है;

(मैं) "धर्म" से तात्पर्य भारत या इसके किसी भाग में प्रचलित आस्था, विश्वास, पूजा या जीवन शैली की किसी संगठित प्रणाली से है, तथा उसे किसी कानून या वर्तमान में लागू प्रथा के अंतर्गत परिभाषित किया गया है;

(जे) "धार्मिक पुजारी" से तात्पर्य किसी भी धर्म के पुजारी से है जो किसी भी धर्म का शुद्धिकरण संस्कार या धर्म परिवर्तन समारोह संपन्न कराता है और उसे चाहे किसी भी नाम से पुकारा जाए जैसे पुजारी, पंडित, मुल्ला, मौलवी, फादर आदि;

(क) इस अधिनियम में प्रयुक्त और इसमें परिभाषित नहीं किए गए किन्तु भारत या उत्तराखंड राज्य में तत्समय प्रव

मिथ्या निरूपण, बल, धोखाधड़ी, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या विवाह द्वारा एक धर्म से दूसरे धर्म में परिवर्तन का प्रतिषेध। कोई भी व्यक्ति किसी अन्य व्यक्ति को मिथ्या निरूपण, बल, अनुचित प्रभाव, जबरदस्ती, प्रलोभन या किसी कपटपूर्ण तरीके से या विवाह द्वारा एक धर्म से दूसरे धर्म में प्रत्यक्षतः या अन्यथा रूप से संपरिवर्तित नहीं करेगा या संपरिवर्तित करने का प्रयास नहीं करेगा और न ही कोई व्यक्ति ऐसे संपरिवर्तन के लिए उकसाएगा या षड्यंत्र रचेगाः

बशर्ते कि यदि कोई व्यक्ति अपने पैतृक धर्म में वापस आता है तो उसे इस अधिनियम के तहत धर्म परिवर्तन नहीं माना जाएगा। यह भेदभावपूर्ण कानून की अनदेखी मुस्लिम एवं मसीह समाज को कितनी महंगी पड़ेगी और इसके क्या दूरगामी पदनाम होंगे।

इसका अंदाजा 2018 में जब यह कानून बनाया गया और इसके बाद 2022 में जब इसमें बदलाव किया गया शायद नहीं था इसलिए लाख समझाने के बाद भी इन दोनों समाजों के दानिशवरों ने इस कानून की कोर्ट में समीक्षा करने की जहमत ही नहीं की और न इसके खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। अब जब सर से ऊपर पानी पहुंच गया तो अब असहाय हाथ मलने के सिवाय कुछ नहीं। घर वापसी का प्रायोजित कार्यक्रम कानूनी तौर पर पूरे शबाब पर है। और लव जिहाद का झूठा खेल कर घर वापसी के लिए सुरक्षा कवच तैयार किया जा रहा है और समाज में दोनों संप्रदायों के लिए घृणा को परोसा जा रहा है। अगर किसी मुसलमान लड़के ने किसी हिंदू लड़की के साथ स्वेच्छा से भी शादी कर ली या यह पहले से शादी हो रखी है तो उसको लव जिहाद नाम देकर धर्मांतरण के मुकदमे कायम कराए जाते हैं। इसी तरह से धर्मांतरण के नाम पर मसीह समाज के लोगों पर भी मुकदमा दर्ज कराए जाते हैं। इसके विपरीत अगर किसी हिंदू समाज के लड़के ने किसी मुस्लिम समाज की लड़की के साथ उन सारे हथकंडों को अपनाकर जिसका उल्लेख उपरोक्त कानून के अंदर किया गया है और जो प्रत्यक्ष रूप से साबित भी होता है, इस कानून के तहत वह शादी विवाह घर वापसी की श्रेणी में आती है और उसके लिए कोई धर्मांतरण की धाराएं नहीं लगाई जा सकती।

निजी खातेदारी की 16 बीघा कृषि भूमि पर बसा रहे थे तीन कॉलोनी, किया ध्वस्त

जयपुर। जेडीए के प्रवर्तन दस्ते ने बुधवार को 16 बीघा भूमि पर बिना अनुमति के कॉलोनी बसाने के लिए किए गए निर्माणों को जेसीबी से ध्वस्त किया। वहीं सुमेर नगर प्रथम में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ के लिए किए गए अवैध निर्माण को सील किया गया। जेडीए के महानिरीक्षक कैलाश चन्द्र बिश्नोई ने बताया कि जोन-12 के क्षेत्राधिकार में कालवाड रोड ग्राम भोपावास में करीब चार बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना स्वीकृति के अवैध कॉलोनी बसाने के लिए भूमि को समतल कर बनाई गई मिट्टी-ग्रेवल सड़कों व अन्य अवैध निर्माणों को जेसीबी से ध्वस्त किया गया।

जोन-12 में ग्राम भोपावास में ही पहाड़ के पास करीब 6 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर जेडीए की बिना अनुमति के भूमि को समतल कर अवैध कॉलोनी बसाने के लिए किए गए निर्माणों को ध्वस्त किया गया। जोन-12 में ग्राम भोपावास सरकारी स्कूल के पीछे करीब 6 बीघा निजी खातेदारी कृषि भूमि पर अवैध कॉलोनी बसाने के लिए किए गए निर्माणों को ध्वस्त किया गया। उन्होंने बताया कि जोन-पीआरएन (साउथ) के सुमेर नगर प्रथम के भूखण्ड संख्या 332 में व्यवसायिक प्रयोजनार्थ किए गए अवैध निर्माण की पुनः नियमानुसार सीलिंग की गई। वहीं न्यू सांगानेर रोड पर गैर अनुमोदित योजना जयशंकर कॉलोनी की सड़क सीमा को किए गए अतिक्रमण को ध्वस्त किया। जोन-12 में कृष्णा नगर के प्लॉट नंबर-14 में किए गए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव' मुद्दे पर दिल्ली भाजपा की बैठक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल की अध्यक्षता में पार्टी के दिल्ली प्रदेश कार्यालय में 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के मुद्दे पर रविवार को बैठक हुई। इस बैठक में पार्टी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, प्रदेश महामंत्री एवं सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, सांसद कमलजीत सहरावत, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश उपाध्याय, दिल्ली सरकार में मंत्री डॉ. पंकज सिंह तथा रविन्द्र इंद्रराज, 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' के दिल्ली संयोजक गजेन्द्र यादव, सह संयोजक अशोक गोयल देवराहा और श्री योगेन्द्र लाकड़ा सहित तमाम पदाधिकारी उपस्थित रहे। गौरतलब है कि श्री बंसल 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' को लेकर गठित समिति के सदस्य हैं। इस समिति यह जानने के लिए गठित की गयी है कि देशभर में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराना कितना व्यावहारिक है और इस पर आम जनता तथा जनप्रतिनिधियों की राय क्या है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार श्री बंसल इससे पहले कई राज्यों में इसी तरह की बैठकें कर चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि इस चर्चा में जुटाई गई राय को समिति केंद्र सरकार को सौंपेगी। श्री सचदेवा ने कहा कि 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' इस समय देश की आवश्यकता है और इसी को लेकर आज एक वर्कशॉप आयोजित की थी।

लोकार्पण के डेढ़ साल बाद भी पार्किंग की नहीं सुधरी व्यवस्था

कोटा। शहर के सेटेलाइट अस्पताल रामपुरा के कायाकल्प किए डेढ़ साल हो गया लेकिन अभी पार्किंग में टाइल्स लगाने कार्य बाकी होने से पार्किंग का उपयोग नहीं हो रहा है जिसके कारण अस्पताल के ओपीडी के समय लोग इधर उधर वाहन खड़े कर देते जिससे मरीजों को अस्पताल पहुंचने में परेशानी होती है। उल्लेखनीय है कि 3 दिसंबर को 2022 को तत्कालीन स्वायत शासन मंत्री शांतिलाल धारीवाल ने इसका शिलान्यास किया गया। रामपुरा सेटेलाइट अस्पताल का 17.91 करोड़ से कायाकल्प का कार्य शुरू हुआ। उसके बाद 28 सिंतबर को 2023 को इसका लोकार्पण किया गया। कायाकल्प में नगर विकास न्यास द्वारा अस्पताल में जी प्लस 2 फ्लोर में ओपीडी ब्लॉक बनाया गया वहीं जी प्लस एक में प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण किया गया जी प्लस एक में पार्किंग निर्माण, निःशुल्क दवाई की दुकानों का निर्माण, वर्तमान ओपीडी ब्लॉक व पूरे भवन का रिनोवेशन, गार्डन का विकास तथा आवागमन के लिए रोड निर्माण किए गए थे। लेकिन पार्किंग की टाइल्स के बजट का उपयोग फरसान बनाने कर दिया जिससे पार्किंग में टाइल्स नहीं लग सकी जिससे पार्किंग शुरू नहीं हो सकी।

एक साल से खराब पड़ी लिफ्ट

रामपुरा अस्पताल में वर्तमान दूसरी मंजिल पर लू तापघात बनाया गया है। लेकिन इस भवन की लिफ्ट पिछले एक साल से खराब पड़ी है जिससे मरीजों को

दो मंजिल पर सीढ़ियों से आना जाना करना पड़ रहा है। लिफ्ट को कई बार ठीक कराया लेकिन कुछ समय में फिर खराब हो जाती है। अब इस लिफ्ट को बदलने के लिए प्रस्ताव भेजा है। अस्पताल में सफाई पर्याप्त सफाई कर्मी नहीं होने से सफाई व्यवस्था भी चरमराई हुई है। लिफ्ट के गेट के यहां कबाड रखा हुआ है। वार्ड कूलर खराब पड़े है।

पुरानी ओपीडी का नहीं हो रहा उपयोग

अस्पताल में नई ओपीडी बनने से पुरानी ओपीडी भवन का उपयोग नहीं होने से बंद पड़ा है। वहीं रामपुरा अस्पताल में लोकार्पण की जल्दीबाजी में कई कार्य अधूरे छूट गए वो नई सरकार आने के बाद भी पूरे नहीं हो रहे है। पार्किंग में टाइल्स लगाने, अस्पताल परिसर का मुख्य गेट लगाने का कार्य बाकी है। वहीं पार्किंग में लाल पत्थर की जालियां लगाने का काम भी अधूरा पड़ा है। पार्किंग का उपयोग नहीं होने से वहां चहुंओर गंदगी हो रही है। जगह जगह निर्माण सामग्री फैली है। परिसर में चहुंओर मिट्टी हो रही है। पार्किंग में मकड़ी के झाले लटक रहे है।

पार्किंग का नहीं हो रहा उपयोग, ओपीडी के बाहर लगता है जाम

दो मंजिला पार्किंग तो बना दी लेकिन उसमें सफाई और फ्लोर में टाइल्स नहीं लगी होने से लोग वहां वाहन पार्किंग नहीं करते है। अस्पताल का मुख्य गेट नहीं लगा होने से लावारिस मवेशी परिसर में घूस जाते है। वहीं लोग ओपीडी भवन के बाहर ही दुपहिया व चौपहिया वाहन खड़े कर देते ऐसे में ओपीडी में आने वाले मरीजों को भारी परेशानी होती है। परिसर में अधूरा काम पड़ा है जिससे चहुंओर धूल मिट्टी फैली है जिससे मरीजों के साथ परिजनों को परेशानी होती है।

-विशाल, तीमारदार निवासी रामपुरा

इनका कहना है

रामपुरा अस्पताल में पार्किंग में टाइल्स लगाने का कार्य बाकी है। इसका प्रस्ताव बनाकर भेजा है। पार्किंग लाल पत्थर लगाने का कार्य चल रहा है। लिफ्ट ठीक कराने के लिए भी प्रस्ताव बनाकर भेजा है।

-डॉ. आर के सिंह, प्रभारी रामपुरा अस्पताल कोटा

एक नजर

कनाडाई विश्वविद्यालय के शिक्षकों को अमेरिका की यात्रा न करने की चेतावनी

हैलीफैक्स। कनाडाई विश्वविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक संगठन ने अपने सदस्यों को अमेरिका की अनावश्यक यात्रा से बचने की चेतावनी दी है। 'कैनेडियन एसोसिएशन ऑफ यूनिवर्सिटी टीचर्स' ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन द्वारा बनाए गए राजनीतिक माहौल और कुछ कनाडाई नागरिकों को सीमा पार करने में कठिनाइयों का सामना करने की खबरों के कारण मंगलवार को नई चेतावनी जारी की। संगठन का कहना है कि ऐसे शिक्षाविदों को विशेष रूप से सतर्क रहना चाहिए जो उन देशों से आते हैं जिनके अमेरिका के साथ कूटनीतिक संबंध तनावपूर्ण हैं, या जिन्होंने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ सार्वजनिक रूप से आलोचनात्मक राय व्यक्त की है। चेतावनी में विशेष रूप से ट्रांसजेंडर पहचान वाले शिक्षाविदों और उन शोधकर्ताओं को आगाह किया गया है, जिनका अनुसंधान कार्य अमेरिकी प्रशासन की मौजूदा नीतियों के विरोधाभासी माना जा सकता है। जनवरी में ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से ही विदेशियों को सात दिनों से अधिक समय के लिए हिरासत या प्रोसेसिंग सेंटर में भेजे जाने की खबरें सुर्खियां बन रही हैं। कनाडा सरकार ने हाल ही में अमेरिका यात्रा को लेकर अपने यात्रा परामर्श में नागरिकों को चेतावनी दी है कि अमेरिका की सीमा पर तैनात सुरक्षाकर्मी उनसे कड़ी पूछताछ कर सकते हैं और अगर उन्हें अमेरिका में प्रवेश नहीं दिया गया, तो उन्हें हिरासत में भी लिया जा सकता है।

समानता कानून के अनुसार महिला का अर्थ जैविक रूप से जन्म लेने वाली महिला-ब्रिटेन की शीर्ष अदालत

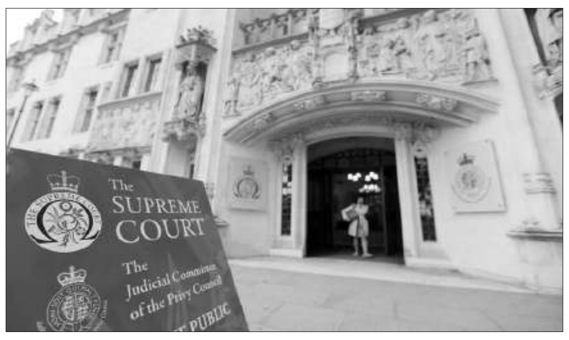

लंदन। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को फैसला सुनाया कि ब्रिटेन के समानता कानून के अनुसार महिला का अर्थ जैविक रूप से जन्म लेने वाली महिला है। न्यायमूर्ति पैट्रिक हॉज ने कहा कि न्यायालय के पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाया कि ''समानता अधिनियम में 'महिला' और 'लिंग' शब्द जैविक महिला और जैविक लिंग को संदर्भित करते हैं।' इस फैसले का अर्थ यह है कि अगर ट्रांसजेंडर व्यक्ति के पास महिला के रूप में मान्यता देने वाला प्रमाणपत्र है, तो समानता के उद्देश्य से उसे महिला नहीं माना जाना चाहिए। लेकिन अदालत ने यह भी कहा कि उसका फैसला ''ट्रांस लोगों से सुरक्षा नहीं हटाता'', जिन्हें लिंग परिवर्तन के आधार पर भेदभाव से सुरक्षा प्राप्त है। यह मामला स्कॉटिश संसद द्वारा पारित 2018 के कानून से उत्पन्न हुआ जिसमें कहा गया है कि स्कॉटलैंड के सार्वजनिक निकायों के बोर्ड में 50 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व होना चाहिए। इस कानून में महिलाओं की परिभाषा में ट्रांसजेंडर महिलाओं को भी शामिल किया गया था। महिला अधिकार समूह 'फॉर वुमन स्कॉटलैंड' (एफडब्ल्यूएस) ने कानून को चुनौती दी थी और कहा था कि 'महिला' शब्द की पुनर्परिभाषा संसद की शक्तियों से परे है। लेकिन इसके बाद स्कॉटिश अधिकारियों ने नए दिशानिर्देश जारी किए, जिनमें कहा गया कि महिला की परिभाषा में लिंग पहचान प्रमाणपत्र रखने वाला व्यक्ति भी शामिल है। एफडब्ल्यूएस की चुनौती को 2022 में एक अदालत ने खारिज कर दिया था, लेकिन उसे पिछले साल अपना मामला उच्चतम न्यायालय ले जाने की अनुमति दे दी गई थी।

गाजा युद्ध के कारण मालदीव ने इजराइली पासपोर्ट धारकों पर प्रतिबंध लगाया

माले। मालदीव ने गाजा में युद्ध के कारण इजराइली पासपोर्ट धारकों को देश में प्रवेश से रोकने के लिए अपने आव्रजन कानून में बदलाव किया है। राष्ट्रपति कार्यालय के एक बयान के अनुसार, संशोधन को सोमवार को संसद द्वारा पारित किया गया और मंगलवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने इसे मंजूरी दी। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह कानून दोहरी नागरिकता वाले उन लोगों पर लागू होगा या नहीं जिनके पास इजराइल और किसी अन्य देश का पासपोर्ट है। मंत्रिमंडल ने आव्रजन कानून में बदलाव का निर्णय लगभग एक वर्ष पहले लिया था, लेकिन सरकार ने इस सप्ताह इसे औपचारिक रूप दिया। बयान में कहा गया, ''यह बदलाव फलस्तीनी लोगों के खिलाफ इजराइल द्वारा किए जा रहे अत्याचारों और नरसंहार कृत्यों के जवाब में सरकार के दृढ़ रुख को दर्शाता है। मालदीव मुख्य रूप से सुन्नी बहुल मुस्लिम राष्ट्र है जहां अन्य धर्मों का प्रचार प्रसार और पालन करना कानूनी रूप से प्रतिबंधित है। आव्रजन के उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में इजराइली पासपोर्ट वाले 59 लोग मालदीव पहुंचे।

पुतिन ने रूसी बंधकों की रिहाई के लिए हमास का शुक्रिया अदा किया

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अक्टूबर 2023 में इजराइल पर हमले के दौरान अगवा किए गए तीन रूसी बंधकों को रिहा करने के लिए फलस्तीनी चरमपंथी समूह हमास का शुक्रिया अदा किया है। समाचार एजेंसी इंटरफैक्स की खबर के मुताबिक, पुतिन ने गाजा पट्टी में फरवरी में रिहा किए गए रूसी नागरिक एलेक्जेंडर ट्रूफानोव और उसके परिवार के दो सदस्यों का बुधवार देर रात क्रेमलिन (रूस का राष्ट्रपति कार्यालय) में स्वागत किया। खबर में पुतिन के हवाले से कहा गया है, यह तथ्य कि आप अब आजाद हैं, फलस्तीनी लोगों और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ रूस के कई वर्षों के स्थिर संबंधों का नतीजा है।

रूसी राष्ट्रपति ने क्रेमलिन में प्रमुख रब्बी बर्ल लेजर सहित अन्य शीर्ष रूसी यहूदी नेताओं की मौजूदगी में हमास के कब्जे से रिहा किए गए बंधकों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, यहां हम हमास के नेतृत्व और राजनीतिक शाखा के प्रति आभार व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने इस मानवीय कार्य को अंजाम देने में हमारी मदद की। इजराइल पर सात अक्टूबर 2023 को हमास के अप्रत्याशित हमले में कम से कम 1,200 लोगों की मौत हो गई थी और 251 अन्य को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा पट्टी में जवाबी कार्रवाई की थी, जिससे दोनों पक्षों के बीच युद्ध छिड़ गया था। इजराइल-हमास युद्ध में 50 हजार से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके हैं। इंटरफैक्स की खबर के अनुसार, इजराइल पर हमले के दौरान हमास लड़ाकों ने ट्रूफानोव, उसकी मां एलेना ट्रूफानोवा, दादी इरीना टाटी और मंगेतर सापिर कोहेन को अगवा कर लिया था और उन्हें गाजा पट्टी ले गए थे। खबर में कहा गया है कि हमास के हमले में परिवार के मुखिया विटाली ट्रूफानोव की मौत हो गई थी। इसमें बताया गया है कि एलेना, इरीना और सापिर को 53 दिन बाद रिहा कर दिया गया था। खबर के मुताबिक, एलेक्जेंडर लगभग 500 दिन तक हमास की कैद में रहा। उसे इजराइल-हमास के बीच हुए युद्ध-विराम समझौते के तहत इस साल 15 फरवरी को रिहा कर दिया गया। खबर के अनुसार, पुतिन ने बाकी बंधकों की रिहाई में मदद देने का वादा किया।

ईरान के राष्ट्रपति ने उपराष्ट्रपति मोहम्मद जवाद जरीफ का इस्तीफा स्वीकार किया

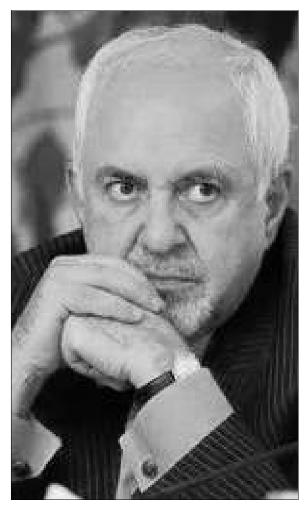

दुबई। ईरान के राष्ट्रपति ने अपने उन उपराष्ट्रपति में से एक के इस्तीफे को औपचारिक रूप से मंजूरी दे दी है, जो दुनिया के ताकतवर देशों के साथ 2015 के परमाणु समझौते में तेहरान की ओर से प्रमुख वार्ताकार थे। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की मंगलवार देर रात मोहम्मद जवाद जरीफ के संबंध में घोषणा ऐसे समय में आई है, जब ईरान अपने तेजी से बढ़ते परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ दूसरे दौर की वार्ता की तैयारी कर रहा है।

इस बीच, बुधवार से शुरू होने वाली अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख राफेल मारियानो ग्रॉसी की यात्रा में इस बात को लेकर वार्ता शामिल हो सकती है कि किसी प्रस्तावित सौदे के तहत उनके निरीक्षकों को क्या पहुंच मिल सकती है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बार-बार धमकी दी है कि यदि कोई समझौता नहीं हुआ तो वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाकर हवाई हमले करेंगे। ईरानी अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वे अपने यूरेनियम भंडार को समृद्ध करके परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। पेजेशकियन ने जरीफ के इस्तीफे को स्वीकार करते हुए उनकी प्रशंसा की। जरीफ ने पिछले साल चुनाव में पेजेशकियन के प्रमुख समर्थक के रूप में काम किया था। जरीफ ने मार्च में पेजेशकियन को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। राष्ट्रपति ने हालांकि इस पत्र का तुरंत जवाब नहीं दिया था। लेकिन मंगलवार देर शाम राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि पेजेशकियन ने जरीफ को एक पत्र लिखा है जिसमें उनकी प्रशंसा की गई है, लेकिन उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, ''पेजेशकियन ने इस बात पर जोर दिया कि कुछ मुद्दों के कारण उनका प्रशासन अब जरीफ के बहुमूल्य ज्ञान और विशेषज्ञता से लाभ नहीं उठा सकता है। इस बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने बुधवार को अमेरिका को वार्ता में विरोधाभासी रुख अपनाने के प्रति चेतावनी दी।

शी चिनफिंग का कंबोडिया की मीडिया में लेख प्रकाशितं

बीजिंग। कंबोडिया की राजकीय यात्रा के अवसर पर चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने गुरुवार को कंबोडिया के अखबार खमेर टाइम्स व च्येनहुआ डेली और वेबसाइट फ्रेश न्यूज पर लेख प्रकाशित किया। इसका शीर्षक है एक ही लक्ष्य में पारस्परिक उपलब्धि कर नए युग में चीन-कंबोडिया साझे भविष्य वाले समुदाय का निर्माण बढ़ाएं।

लेख में कहा गया है कि अच्छे पड़ोसियों जैसे मित्रवत संबंध चीन-कंबोडिया साझे भविष्य वाले समुदाय की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है। दोनों देशों के बीच मित्रवत आदान-प्रदान करीब 2,000 साल पुराना है। निष्ठा और वफादारी चीन-कंबोडिया साझे भविष्य वाले समुदाय की विशेषता है। जटिल अंतर्राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्थिति के सामने दोनों पक्ष एक-दूसरे के मूल हितों और अंतर्राष्ट्रीय निष्पक्षता व न्याय की रक्षा करते हैं। समानता और आपसी लाभ चीन-कंबोडिया साझे भविष्य वाले समुदाय की शक्तिशाली बल है। दोनों देशों के बीच औद्योगिक और आपूर्ति श्रृंखला में सहयोग लगातार बढ़ रहा है। समावेशिता और पारस्परिक शिक्षा चीन-कंबोडिया साझे भविष्य वाले समुदाय की गहन विरासत है। बड़ी संख्या में चीनी पर्यटक कंबोडिया की यात्रा करते हैं, वहीं ज्यादा से ज्यादा कंबोडिया के दोस्त चीनी भाषा सीखने के लिए चीन आते हैं। शी चिनफिंग ने आगे कहा कि अब दुनिया में सदी का अभूतपूर्व परिवर्तन तेज हो रहा है। एशिया के दो प्रमुख सदस्य होने के नाते चीन और कंबोडिया को ऐतिहासिक रुझान और लोगों की इच्छा के अनुसार एक ही लक्ष्य में पारस्परिक उपलब्धि करनी चाहिए। दोनों पक्षों को उच्च स्तरीय आपसी राजनीतिक विश्वास, उच्च गुणवत्ता व आपसी लाभ वाला सहयोग, उच्च स्तरीय सुरक्षा, ज्यादा सक्रिय सांस्कृतिक आदान-प्रदान और उच्च स्तरीय रणनीतिक सहयोग बढ़ाना चाहिए। विश्वास है कि दोनों पक्षों के समान प्रयास में चीन-कंबोडिया मित्रता अवश्य ही और मजबूत होगी।

अनुसंधानकर्ताओं को सौरमंडल के बाहर जीवन के 'सबसे पुख्ता संकेत' मिले

लंदन। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा है कि एक बाह्यग्रह पर समुद्री जीवों द्वारा उत्पादित अणुओं के संकेत मिले हैं, जो सौरमंडल के बाहर जीवन का ''अब तक का सबसे पुख्ता संकेत'' हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस संबंध में और अधिक आंकड़ों की जरूरत है। इस संबंध में अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि 'के2-18 बी' सौरमंडल के बाहर का एक ग्रह है जो पृथ्वी से 8.5 गुना अधिक विशाल है, जहां पहले मीथेन (सीएच4) और कार्बन डाइऑक्साइड (सीओ2) जैसे कार्बन युक्त अणु पाए गए हैं। यह बाह्यग्रह पृथ्वी से 120 प्रकाश वर्ष दूर है और 'के2-18' तारे की परिक्रमा करता है।

इस अध्ययन में, ब्रिटेन के कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं के नेतृत्व में नासा की जेम्स वेब स्पेस दूरबीन से प्राप्त आंकड़ों और तस्वीरों का विश्लेषण किया गया तथा 'डाइमिथाइल सल्फाइड' और 'डाइमिथाइल डाइसल्फाइड' के संकेतों का पता लगाया जो कि समुद्री कवक जैसे सूक्ष्मजीवों द्वारा पृथ्वी पर उत्पादित होते हैं। अनुसंधान टीम ने एक बयान में कहा कि ये अणु ''इस बात का अब तक का सबसे पुख्ता संकेत हैं कि हमारे सौर मंडल के बाहर किसी ग्रह पर जीवन मौजूद हो सकता है।'' हालांकि के2-18बी पर इनका निर्माण कैसे हुआ, यह अब भी अज्ञात है। प्रमुख अनुसंधानकर्ता एवं कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में खगोल भौतिकी और बाह्यग्रहीय विज्ञान के प्रोफेसर निक्कू मधुसूदन ने हालांकि कहा कि परिणाम उत्साहजनक हैं, लेकिन किसी अन्य ग्रह पर जीवन पाए जाने का दावा करने से पहले अधिक आंकड़ों पर काम करना अहम है। उन्होंने कहा कि यद्यपि वे आशावादी हैं, फिर भी के2-18बी पर पहले से अज्ञात रासायनिक प्रक्रियाएं कार्य कर रही हो सकती हैं, जो इन प्रेक्षणों का कारण हो सकती हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने इस शोधपत्र में लिखा, ''हम वायुमंडल में (डाइमिथाइल सल्फाइड) और/या (डाइमिथाइल डाइसल्फाइड) के लिए 3-सिग्मा (सांख्यिकीय) महत्व के नए स्वतंत्र साक्ष्य की पुष्टि करते हैं, जिसमें कम से कम दो अणुओं में से एक की उच्च प्रचुरता (आयतन के हिसाब से 10 भाग प्रति मिलियन से अधिक) है।'' यह अनुसंधान रिपोर्ट 'एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स' नामक पत्रिका में प्रकाशित की गई है और इसकी स्वतंत्र समीक्षा की जानी है। एस्ट्रोफिजिकल जर्नल लेटर्स में प्रकाशित 2023 के एक अध्ययन में, टीम ने के2-18 के वायुमंडल में कार्बन युक्त गैसों ङ्क मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड ङ्क के 'प्रचुर' स्तर के साक्ष्य होने की जानकारी दी थी, जो हाइड्रोजन से समृद्ध पाया गया। अनुसंधान पत्र लेखकों ने 2023 के अध्ययन में लिखा, ''अमोनिया (एनएच3) का पता न लग पाना और प्रचुर मात्रा में सीएच4 और सीओ2 की मौजूदगी, के2-18बी पर समशीतोष्ण एच2 युक्त वातावरण के अंतर्गत महासागर के लिए रासायनिक पूर्वानुमानों के अनुरूप है। अनुसंधान टीम ने डाइमेथिल सल्फाइड के ''संभावित संकेत'' का भी पता लगाया था। माना जाता है कि यह अणु हाइसीन दुनिया (बाह्यग्रहों की श्रेणी जिसके वातावरण में हाइड्रोजन की प्रचुरता हो और समुद्र विद्यमान हो) में जीवन की भविष्यवाणी करता है। मधुसूदन ने कहा, ''हमें निश्चित रूप से नहीं पता था कि पिछली बार जो संकेत हमने देखा था, वह (डाइमिथाइल सल्फाइड) के कारण था या नहीं, लेकिन इसका संकेत मात्र ही हमारे लिए इतना रोमांचक था कि हमने एक अन्य उपकरण का उपयोग करके जेम्स वेब स्पेस दूरबीन से इसे दोबारा देखा।''

सिंगापुर ने अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से निपटने के लिए कार्यबल का गठन किया

सिंगापुर। सिंगापुर सरकार ने अमेरिका द्वारा लगाए गए व्यापक शुल्क से स्थानीय व्यवसायों और श्रमिकों में उत्पन्न अनिश्चितताओं से निपटने में मदद करने के लिए पांच मंत्रियों और श्रमिक संगठनों, व्यवसायियों और नियोक्ता समूहों के तीन प्रतिनिधियों का एक उच्च स्तरीय कार्यबल समूह गठित किया है। द स्ट्रेट्स टाइम्स की बृहस्पतिवार की खबर के मुताबिक, उपप्रधानमंत्री और व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग की अध्यक्षता में सिंगापुर इकोनॉमिक रेजिलिएंस टास्क फोर्स ने बुधवार (16 अप्रैल) को अपनी पहली बैठक की। प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने अमेरिका द्वारा शुल्क की घोषणा किये जाने के बाद आठ अप्रैल को कार्यबल के गठन की घोषणा की। अमेरिका द्वारा शुल्क की घोषणा किये जाने से दुनिया भर के बाजारों में अस्थिरता पैदा हो गयी और इसने वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर डाला।

इसके अलावा, गान ने मंगलवार (15 अप्रैल) को अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर के साथ अपनी पहली बातचीत के दौरान हाल ही में लगाए गए शुल्क और उससे व्यापार पर हुए प्रभाव को लेकर भी चर्चा की। समाचार पत्र ने कार्यबल की पहली बैठक के बाद गान के हवाले से बताया, हमने अपने संबंधों पर चर्चा की, हमने शुल्क को लेकर बात की और शुल्क को लेकर अपनी चिंताओं के बारे में बात की। हमने इस बात पर भी चर्चा की कि हम आगे क्या करने की योजना बना रहे हैं। अमेरिका के साथ मुक्त व्यापार समझौता रखने वाले सिंगापुर ने वर्तमान में आयात पर शून्य शुल्क लगाया हुआ है लेकिन पांच अप्रैल से लागू हुए शुल्क के मुताबिक, अमेरिका ने सिंगापुर पर 10 फीसदी शुल्क लगा दिया है। द स्ट्रेट्स टाइम्स के अनुसार, कार्यबल व्यवसायों और श्रमिकों को नए अवसरों का लाभ उठाने तथा उभरते आर्थिक परिदृश्य में खुद को ढालने में मदद करने के लिए दीर्घकालिक रणनीतियों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इस रणनीति में समान विचारधारा वाले देशों और संगठनों के साथ साझेदारी को मजबूत बनाना और हवाई, समुद्री, व्यापार व वित्त के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में सिंगापुर की स्थिति को बढ़ावा देना शामिल है।

जनरल मुनीर ने बलूच अलगाववादी समूहों को आतंकवादी बताया, जमकर भड़के लोग

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर ने भारत और भारतीय सेना के खिलाफ जहरीली बयानबाजी की है। पाकिस्तान में प्रवासियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए जनरल मुनीर ने बलूचिस्तान का जिक्र किया तो भारत के खिलाफ जमकर जहर उगला। बलूचिस्तान का नाम लेते ही पाकिस्तानी सेना प्रमुख की तिलमिलाहट खुलकर सामने आ गई। इस दौरान जनरल मुनीर किसी देश की सेना के प्रमुख नहीं बल्कि किसी चरमपंथी संगठन के मुखिया की तरह भाषण देते नजर आए। उनके भाषण के दौरान स्टेज के नीचे धार्मिक नारे लगते रहे।बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह का जिक्र करते हुए जनरल मुनीर ने बलूच अलगाववादी समूहों को आतंकवादी बताया।

जनरल मुनीर ने कहा, देश में जो थोड़ा बहुत आतंकवाद है, उसे लेकर लोग कह रहे हैं और वे दुष्प्रचार कर रहे हैं कि इस स्थिति में पाकिस्तान में एक भी निवेश नहीं आएगा। मैं उनसे कहना चाहता हूं और वे मुझे साफ सुन लें- क्या वे सोचते हैं कि ये आतंकवादी देश का भविष्य हमसे छीन सकते हैं? हालांकि, इस दौरान जनरल मुनीर के चेहरे पर आ रहे हाव भाव उनकी घबराहट को साफ बता रहे थे। जनरल मुनीर ने आगे भारत की ताकत का जिक्र किया और कहा, अगर 13 लाख की भारतीय सेना अपनी ताकत के साथ ग्रेट पाकिस्तानी आर्मी को डरा नहीं सकी तो क्या ये आतंकवादी पाकिस्तान सेना को हरा सकते हैं। बलूचिस्तान को पाकिस्तान का भाग्य बताते हुए आसिम मुनीर ने कहा, बलूचिस्तान पाकिस्तान के माथे का झूमर है। तुम्हारी अगली 10 नस्लें भी इसे नहीं ले जा पाएंगी। पाकिस्तान आर्मी चीफ ने इसके बाद बलूचिस्तान में सीधा खून बहाने की धमकी दी और कहा कि इंशाअल्लाह आप देखेंगे कि हम बहुत जल्द ही इन आतंकवादियों का खून बहाएंगे। इस दौरान जनरल मुनीर ने द्विराष्ट्र सिद्धांत को सही ठहराते हुए पाकिस्तान के बनने की कहानी भी बताई और मुसलमानों को उमहाद्वीप के हिंदुओं से अलग बताया।

इस्पात और एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाने का निर्णय सुरक्षा के आधार पर लिया: अमेरिका

भारत ने बचाव के लिए उठाया गया कदम नहीं माना, अमेरिका-भारत के बीच नए विवाद का मिल रहा संकेत

नई दिल्ली ।

अमेरिका ने विश्व व्यापार संगठन से कहा है कि इस्पात और एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाने का निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लिया गया है। इस निर्णय को भारत ने बचाव के लिए उठाया गया कदम नहीं माना, जिससे अमेरिका के साथ भारत के बीच नए विवाद का संकेत मिल रहा है। अमेरिका ने 11 अप्रैल को भारत के साथ डब्ल्यूटीओ के बचाव समझौते के तहत परामर्श का अनुरोध किया था, लेकिन इसका जवाब नकारात्मक रहा। इस नए विवाद के बीच भारत और अमेरिका के बीच संवाद की मांग की जा रही है। अमेरिका ने इस्पात और एल्यूमिनियम पर शुल्क लगाने का निर्णय धारा 232 के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर लिया है, जिससे उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा को दरकिनार किया जा सके।

यह निर्णय शुल्क और व्यापार पर सामान्य समझौते के तहत सुरक्षा अपवाद के तहत रखा जा रहा है। भारत ने इस निर्णय को खारिज किया है और कहा है कि ये मूलतः बचाव के लिए उठाए गए कदम हैं, जिससे भारत के उत्पादकों को नुकसान हो सकता है। इस विवाद के हल के लिए भारत और अमेरिका के बीच वार्ता की ज़रूरत महसूस की जा रही है।

2000 से ज्यादा के यूपीआई पर जीएसटी नहीं लगाएगी सरकार: वित्त मंत्री

सोशल मीडिया में चल रही खबरें झूठी और भ्रामक

नई दिल्ली।

पिछले वित्तवर्ष में यूपीआई ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड 260.56 लाख करोड़ रुपये पहुंचने के उत्साहजनक खबरों के बीच लोगों को जैसे ही पता चला कि सरकार 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई ट्रांजेक्शन पर जीएसटी वसूलने की तैयारी कर रही है, सब निराश हो गए। सोशल मीडिया पर इसे लेकर यूजर्स की नाराजगी साफ दिखने लगी। बात इतनी बढ़ गई कि वित्त मंत्रालय को खुद आकर पूरी बात बतानी पड़ी।वित्ते त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी कर बताया कि 2,000 रुपये से ज्यादा के यूपीआई लेनदेन पर जीएसटी लगाने की सरकार की कोई मंशा नहीं है। सोशल मीडिया में चल रही इस तरह की खबरें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और बिना किसी आधार के वायरल हो रही हैं। साफ कर दिया है कि यूपीआई पर किसी भी तरह का जीएसटी नहीं वसूला जा रहा है। वित्त मंत्रालय ने आगे कहा कि कुछ उपकरणों के जरिये भुगतान जैसे क्रेडिट कार्ड आदि पर लगने वाले मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) पर ही जीएसटी लगाया जाता है। वित्ते त

मंत्रालय ने बताया कि जनवरी 2020 से केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर हटा दिया है. चूंकि, वर्तमान में यूपीआई लेनदेन पर कोई एमडीआर नहीं लगाया जाता है, लिहाजा इस तरह के लेनदेन पर कोई जीएसटी लागू नहीं होता है।

मंत्रालय ने अपने स्पष्टीकरण में बताया है कि यूपीआई के विकास को समर्थन बनाए रखने के लिए वित्तीय वर्ष 2021-22 से एक प्रोत्साहन योजना चालू है. यह योजना विशेष रूप से कम-मूल्य वाले यूपीआई लेनदेन को प्रोत्साहित करती है, ताकि छोटे व्यापारियों को लेनदेन की लागत में राहत मिल सके और डिजिटल भुगतान में व्यापक भागीदारी बढ़ाई जा सके।

अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च

नई दिल्ली।

होंडा कार्स इंडिया ने अपनी पॉपुलर कारों अमेज और एलिवेट एसयूवी के लिए सीएनजी रेट्रोफिट किट लॉन्च की है। भारत में डीजल कारों की संख्या कम होने के साथ ही लोग अब सीएनजी को एक बेहतर विकल्प के रूप में देख रहे हैं, क्योंकि यह ना सिर्फ सस्ता है, बल्कि पर्यावरण के लिए भी उपयुक्त है।

ये किट्स सरकारी मान्यता प्राप्त हैं और डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। पहले होंडा केवल पेट्रोल इंजन वाली कारें बेचती थी, लेकिन अब कंपनी ने सीएनजी ऑप्शन भी पेश किया है। ध्यान देने योग्य बात यह है कि ये सीएनजी किट्स फैक्ट्री-फिटेड नहीं होंगी, बल्कि डीलरशिप पर इंस्टॉल की जाएंगी। कुछ विशेष डीलर्स ही यह किट्स इंस्टॉल करेंगे, और इसका काम प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा किया जाएगा। इंस्टॉलेशन के बाद कार का रजिस्ट्रेशन पेट्रोल और सीएनजी दोनों के तौर पर कराना होगा। इस समय, यह कंफर्म नहीं है कि होंडा की सिटी को भी यह सीएनजी किट मिलेगी या नहीं। फिलहाल, कंपनी ने केवल अमेज और एलिवेट के लिए इस सुविधा की घोषणा की है।

हालांकि, कंपनी ने सीएनजी किट्स के साथ गाड़ियों की माइलेज के बारे में कोई खुलासा नहीं किया है, लेकिन सामान्यतः सीएनजी से चलने वाली कारें पेट्रोल की तुलना में 30-40 प्रतिशत सस्ती चलती हैं। यह कदम उस समय आया है जब डीजल विकल्पों की कमी हो रही है और सीएनजी एक सस्ती, किफायती और पर्यावरण के लिए बेहतर विकल्प बनकर उभरी है। अगर आप पेट्रोल की बढ़ती कीमतों से परेशान हैं और एक किफायती व स्टाइलिश गाड़ी की तलाश में हैं, तो होंडा की नई पेशकश आपके लिए खुशखबरी लेकर आई है।

ट्रंप के टैरिफ से आंध्र प्रदेश के झींगा व्यवसायी मायूस

झींगे की कीमतों में 10-15 फीसदी की आ सकती है गिरावट

मुंबई।

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जब से जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की तो देश भर के झींगा प्रेमी सबसे अधिक मायूस हो गए। अमेरिका से करीब 13,000 किलोमीटर अधिक दूर आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के लक्ष्मीपुरम-पल्लीपलेम क्षेत्र के हरेभरे इलाके में एक बुजुर्ग झींगा किसान ने जवाबी शुल्क के बारे में कभी नहीं सुना था। लेकिन अब वह तेलुगु, टूटी-फूटी अंग्रेजी और हिंदी की मिलीजुली भाषा में ट्रंप शुल्क के प्रभाव को साफ तौर पर बता पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि ट्रंप मेरे झींगा कारोबार को नुकसान पहुंचा रहे हैं। उनके जैसे तमाम झींगा किसानों को हाल के वर्षों में वायरस की मार झेलनी पड़ी थी। अब उन्हें अमेरिका में उच्च शुल्क का दंश महसूस हो रहा है क्योंकि इससे झींगे की कीमतों में 10-15 फीसदी की गिरावट दिख सकती है। उन्हें लगता है कि ट्रंप शुल्क उनकी पूरी कमाई को ही खत्म कर देगा। यह केवल एक किसान की ही कहानी नहीं है। आंध्र प्रदेश में 1.4 लाख से अधिक किसान और करीब 20 लाख लोग प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष तौर पर जलीय कृषि क्षेत्र से जुड़े हुए हैं। राज्य में यह क्षेत्र करीब 2.12 लाख हेक्टेयर में फैला हुआ है जहां मछली के साथ-साथ झींगे का भी पालन किया जाता है। हालांकि अमेरिका को केवल 50 से कम काउंट की सीमा में सिर्फ श्रिम्प किस्म का ही निर्यात किया जाता है, लेकिन 100, 90, 80, 70 और 60 काउंट वाली अन्य किस्मों की कीमतों में भी भारी गिरावट देखी गई है। इन किस्मों को मुख्य तौर पर चीन, यूरोप, दक्षिण पूर्व एशिया, जापान एवं अन्य एशियाई बाजारों में भेजा जाता है।

वॉट्सऐप ने वीडियो स्टेटस की ड्यूरेशन को बढ़ाकर 90 सेकेंड किया

नई दिल्ली ।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म वॉट्सऐप ने अपने स्टेटस अपडेट के लिए एक नया फीचर पेश किया है। यह नया फीचर यूजर्स को 90 सेकेंड तक के वीडियो लगाने की अनुमति देगा। लंबे वीडियो को स्टेटस में अपडेट करने के लिए उसे छोटे हिस्सों में विभाजित करने की आवश्यकता नहीं होगी। यह जानकारी वाबेटाइंफो ने दी है, जिन्होंने इसे वॉट्सऐप बीटा फॉर एंड्रॉयड 2.25.12.9 में देखा और इसका स्क्रीनशॉट भी साझा किया। इस नए फीचर के तहत, वॉट्सऐप ने वीडियो स्टेटस की ड्यूरेशन को 60 सेकेंड से बढ़ाकर 90 सेकेंड कर दिया है। इससे यूजर्स अब अपने वीडियो स्टेटस में अपनी भावनाओं और विचारों को बेहतर तरीके से व्यक्त कर पाएंगे। यह फीचर पिछले साल के एक बदलाव का हिस्सा है, जब कंपनी ने वीडियो स्टेटस की सीमा को 30 सेकेंड से बढ़ाकर 1 मिनट किया था। यह नया फीचर धीरे-धीरे बीटा यूजर्स तक पहुंच रहा है और आने वाले दिनों में सभी बीटा यूजर्स इसे अपने स्टेटस अपडेट में 90 सेकेंड का वीडियो पोस्ट करके चेक कर सकते हैं। अगर यह फीचर आपके पास पहुंच चुका है, तो आप इसे इस्तेमाल कर सकेंगे, अन्यथा यह कुछ दिनों में उपलब्ध हो सकता है। इसके अलावा,

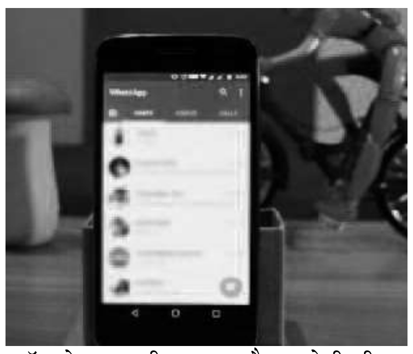

वॉट्सऐप जल्द ही एक नया चैट प्राइवेसी फीचर भी लॉन्च करने की तैयारी कर रहा है।

डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप कर छूट के लिए पात्र

टैक्स में छूट और कटौती दोनों का फायदा

नई दिल्ली। भारत के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप चलाने वाले एन्टरप्रिन्योर के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए नए नियमों के अनुसार डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माने जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें निवेश पर भी लाभ मिलेगा और इसमें जांच के अधीन नहीं होगा। आयकर विभाग ने एक ट्वीट के माध्यम से यह सूचना जनता तक पहुंचाई, जिसमें उन्होंने दर्शाया कि मान्यता प्राप्त स्टार्टअप जो निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं, उन्हें आयकर अधिनियम, 1961 के तहत विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माना जाएगा। सरकार ने हाल ही में स्टार्टअप्स की परिभाषा में कई सुधार किए थे और उन्हें रियायत का लाभ उठाने की अनुमति भी दी थी। स्टार्टअप का मुख्य उद्देश्य होता है नए और इनोवेटिव आइडिया को व्यवसायिक रूप में सफलतापूर्वक उतारना। भारत में भी ऐसे कई स्टार्टअप्स हैं जो विदेशी निवेशकों से बड़ी फंडिंग प्राप्त कर रहे हैं। सरकार ने एंजेल टैक्स और कटौती को खत्म करके स्टार्टअप्स को और भी स्वार्थक परिवेश प्रदान किया है।

एसबीआई ने अपनी एफडी की ब्याज दरों में किया बदलाव

- सिर्फ 1 लाख रुपये जमा करें, मिलेगा 24,604 रुपये का फिक्स ब्याज

नई दिल्ली । भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने रिजर्व बैंक की कम हुई रेपो रेट का फायदा उठाते हुए अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम्स की ब्याज दरों में हल्की कटौती की है। इस नए फैसले के बाद एसबीआई के परिसर में ब्याज दरों में बदलाव का माहौल महसूस हो रहा है। एसबीआई की एफडी स्कीम से जुड़े निवेशकों के लिए यह खुशखबरी है कि अब भी वे आकर्षक रिटर्न प्राप्त कर सकते हैं। एक ऐसी खास स्कीम में, जिसमें केवल 1 लाख का निवेश करने पर ग्राहक 24,604 रुपये तक का फिक्स ब्याज प्राप्त कर सकते हैं। एसबीआई द्वारा प्रस्तावित नए ब्याज दरों के अनुसार, सामान्य नागरिकों के लिए 3.50 फीसदी से 7.05 फीसदी तक का ब्याज प्रदान किया जा रहा है। वहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज दरें 4.00 फीसदी से 7.55 फीसदी तक तय की गई हैं। इसी क्रम में, सबसे अधिक 2 से 3 साल की एफडी स्कीम में सामान्य ग्राहकों को 6.90 और वरिष्ठ नागरिकों को 7.40 फीसदी का ब्याज प्राप्त होगा।

जाइडस मेडटेक और ब्रेल बायोमेडिका के बीच करार

मुंबई। औषधि निर्माता बहुराष्ट्रीय कंपनी जाइडस लाइफसाइंसेज की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी जाइडस मेडटेक ने ब्राजील की अग्रणी हृदय उपकरण निर्माता ब्रेल बायोमेडिका के साथ रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। कंपनी ने बताया कि इस साझेदारी के तहत दोनों कंपनियां ट्रांसकैथेटर एओर्टिक वाल्व इम्प्लांटेशन (ओएवीआई) तकनीक का यूरोप, भारत और अन्य चुनिंदा बाजारों में विशेष रूप से व्यावसाय करेंगी। यह सहयोग जाइडस मेडटेक के तेजी से विस्तार कर रहे इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी पोर्टफोलियो को मजबूती प्रदान करेगा। टीएवीआई एक मिनिमली इनवेसिव हृदय प्रक्रिया है, जो विशेषकर उच्च शल्य जोखिम वाले या वृद्ध मरीजों के लिए प्रभावी विकल्प मानी जाती है।

मुंबई एयरपोर्ट नौ मई को छह घंटे बंद रहेगा

मुंबई। शहर के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर उड़ान संचालन मानसून की शुरुआत से पहले हवाई पट्टी के रखरखाव के कारण नौ मई को छह घंटे के लिए बंद रहेगा। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (एमआईएएल) ने यह भी कहा कि सभी हितधारकों को सूचित करने के लिए अनिवार्य नोटम (एयरमैन को नोटिस) छह महीने पहले जारी किया गया था। निजी क्षेत्र के परिचालक ने कहा कि दोनों हवाई पट्टी- 09/27 और 14/32 पर मानसून से पहले होने वाला रखरखाव कार्य नौ मई को सुबह 11 बजे से शाम पांच बजे तक चलेगा।

यूएस टैरिफ से कमजोर होगी वैश्विक अर्थव्यवस्था, मुद्रास्फीति बढ़ेगी: आईएमएफ

वाशिंगटन । आईएमएफ ने जारी किया अपना अनुमान, जिसमें कहा गया है कि अमेरिकी टैरिफ में वृद्धि से वैश्विक अर्थव्यवस्था कमजोर होगी। इसके अलावा, आईएमएफ ने भविष्यवाणी की है कि इस वर्ष मुद्रास्फीति बढ़ेगी। प्रमुख निदेशक ने ट्रंप प्रशासन द्वारा लगाए गए शुल्कों से वैश्विक अनिश्चितता में वृद्धि की चेतावनी देते हुए कहा था कि दुनिया भर में मंदी का कारण नहीं बनेगी। आईएमएफ ने व्यापार विकृतियों का भी जिक्र किया और व्यापार बाधाओं को कम करने की अपील की। वे मानते हैं कि अनिश्चितता महंगाई के कारण बन सकती है और इससे व्यापार बाधाएं विकास को तुरंत प्रभावित कर सकती हैं। आईएमएफ के अनुसार वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल देखने की संभावना है जिससे अर्थव्यवस्था पर अवरोध आ सकता है। समाचार राज्यों और गिरींदारे के व्यावसायिक और वित्तीय संकेतों पर है, उम्मीद है कि निवेशक इस चेतावनी को समझें और संभावित असरों पर ध्यान दें।

सोने की कीमत में रिकॉर्ड मुनाफावसूली से आई गिरावट

- 2025 के दूसरे हिस्से में 78,000-80,000 रुपये तक गिर सकती हैं कीमतें
- एमसीएक्स गोल्ड इस साल 98,500-99,000 रुपये तक जा सकता है
- अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2025 में 2,750 से 3,600 डॉलर के बीच रहेगा

नई दिल्ली।

वर्ष 2025 में एमसीएक्स गोल्ड की कीमत में 24.71 प्रतिशत की ` बढोतरी के बाद, हाल ही में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने की कीमतों में गिरावट अंकित की गई है। निवेशकों ने रिकॉर्ड ऊंचाई को छूकर मुनाफा वसूलते हुए सोना 10 ग्राम के 95,935 रुपये के ऑल-टाइम हाई से नीचे आ गया है। इसके साथ ही स्पॉट गोल्ड और यूएस फ्यूचर्स में भी गिरावट दर्ज की गई है। मध्य पूर्व और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे भू-राजनीतिक तनाव, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी, निवेशकों की मांग और गोल्ड ईटीएफ में बढ़त को ध्यान में रखते हुए, सोने की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही थी। लेकिन`` विशेषज्ञों का मानना है कि अब सोने की कीमतें ज्यादा नहीं बढ़ेंगी, क्योंकि पूर्व से ही कीमतों में सभी अच्छी खबरें समाहित हैं। बाजार के जानकारों के अनुसार ना ओवरबॉट जोन में है (आरएसआई 80 से ऊपर), इसलिए 2025 के दूसरे हिस्से में कीमतें 78,000-80,000 रुपये तक गिर सकती हैं। एमसीएक्स गोल्ड इस साल 98,500-99,000 रुपये तक जा सकता है, लेकिन इसके बाद रुकावट आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2025 में 2,750 से 3,600 डॉलर के बीच घूमेगा। इस गतिविधि और आंकड़े के साथ, सोने की कीमतों में होने वाले आने वाले बदलाव की नजर रखना अनिवार्य है। निवेशकों को सावधान रहने, मार्केट डायनामिक्स का गहरा अध्ययन करने और रिस्क को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश स्ट्रैटेजी को सजाने की जरूरत है।

सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी तेजी रही

सेंसेक्स और निफ्टी में दो फीसदी तेजी रही

सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,553 पर बंद
निफ्टी 1.77 प्रतिशत बढ़कर 23,851.65 पर बंद

मुंबई।

बीते सप्ताह अवकाश की वजह से कम दिन हुए कारोबार में घरेलू शेयर बाजार ने अपना दमखम बरकरार रखा और साप्ताहिक आधार पर बाजार फरवरी 2021 के बाद सबसे बढ़ी वीकली बढ़त लेकर बंद हुए।

बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर दो फीसदी की तेजी देखी गई। सोमवार को भारतीय बाजार आंबेडकर जयंती के मौके पर और शुक्रवार को गुड फ्राइडे के अवसर पर बद रहे। इसे लिए बाजार में केवल तीन दिन ही कारोबार हुआ, जो इस प्रकार है- घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ खुला। इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त तेजी देखी गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1,750.37 अंक उछलकर 76,907.63 अंक पर खुला और 1,577.63 अंक चढ़कर 76,734.89 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 539.8 अंक बढ़कर 23,368.35 अंक पर खुला और 509.91 अंक मजबूत होकर 23,338.45 के स्तर पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 165.3 अंक गिरकर 76,569.59 अंक पर खुला और 309.40 अंक चढ़कर दो सप्ताह के उच्चतम स्तर 77,044.29 पर बंद हुआ। निफ्टी 51.55 अंक गिरकर 23,277

अंक पर खुला और 108.65 अंक या 0.47 प्रतिशत बढ़कर 23,437.20 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को गिरावट देखी गई।

हालांकि, लाल निशान पर खुलने के थोड़ी देर बाद ही शेयर बाजार संभलने लगा और हरे निशान पर आ गया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 362 अंक गिरकर 76,682.29 अंक पर खुला और 1,508.91 अंक या 1.96 प्रतिशत उछलकर 78,000 के स्तर पर पहुंच गया। अंत में यह 78,553.20 पर बंद हुआ।

निफ्टी 129.75 अंक गिरकर 23,307.45 अंक पर खुला और 414.45 अंक या 1.77 प्रतिशत बढ़कर 23,851.65 अंक पर बंद हुआ।

टैरिफ वॉर का असर इंदौर पर शिपिंग यार्ड में कंटेनरों की संख्या बढ़ रही

इंदौर।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर का असर इंदौर में भी दिख रहा है। टैरिफ बढ़ने से कई देशों का एक्सपोर्ट गिर गया है। इसकारण शिपिंग यार्ड में कंटेनरों की संख्या बढ़ती जा रही है।

शिपिंग कंपनियां अपने कारोबार को जिंदा रखने के लिए 30 से 50 प्रतिशत तक कम दाम में दूसरे देशों को सामान एक्सपोर्ट कर रही हैं। इससे सीधे तौर पर एक्सपोर्ट कंपनियों को फायदा हो रहा है। हालांकि जानकार कह रहे हैं कि किराए में कमी अस्थायी है।

अमेरिका के बंदरगाहों के लिए 40 फीट के कंटेनर का भाड़ा वर्तमान में 1750 से 1850 डॉलर (1.48 से 1.57 लाख रुपए) आ रहा है। जबकि तीन-चार महीने पहले तीन हजार डॉलर (ढाई लाख रुपए से कुछ ज्यादा) था।

इंदौर-पीथमपुर क्षेत्र से सालाना 20 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा का निर्यात होता है। इंदौर के कंटेनर या गुजरात के मुंद्रा या मुंबई के बंदरगाह से जहाजों में लोड होते हैं। इसमें प्रमुख रूप से दवा, कृषि उत्पाद, पॉलिएस्टर फिल्म, पीपी जंबो बैग और मशीनरी भी शामिल है।

साल-दर-साल निर्यात का आंकड़ा बढ़ता रहा है। बीते दिनों से कृषि उत्पाद जैसे सोयाबीन व डीओसी का निर्यात कम हुआ है। जानकारों के मुताबिक पैकिंग मटेरियल, पॉलिएस्टर और दवाओं की खेप भी अब कम रवाना हो रही है।

टीही के कंटेनर डिपो में भी इन दिनों खाली कंटेनरों की भीड़ जमा है। हाल यह हैं कि आईसीडी को अपने यार्ड का विस्तार किया है। आईसीडी सूत्रों के मुताबिक डिपो में 4 हजार से ज्यादा खाली कंटेनर इस समय जमा हैं।

बीते दिनों में डिपो की क्षमता भी बढ़ाई गई है। जिससे और कंटेनर रखे जा सकें। इधर शिपिंग कंपनी के एजेंट के मुताबिक इससे पहले आमतौर पर टीही के डिपो में कभी भी इतनी ज्यादा संख्या में कंटेनर उपलब्ध नहीं रहे। बीते वर्षों में कंटेनरों की कमी हो गई थी। लेकिन अब स्थानीय कंटेनर डिपो में मांग से कहीं ज्यादा कंटेनर जमा हो चुके हैं। बीते समय से सभी कंपनियों ने सभी रूटों पर भाड़ा बढ़ाया था। क्योंकि रूस यूक्रेन युद्ध, सोमालिया संकट जैसे कारणों से जहाजों को रूट भी बदलने पड़ रहे थे।

पहला मौका आया है जबकि भाड़े में इतनी ज्यादा गिरावट आई है।

डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप कर छूट के लिए पात्र

टैक्स में छूट और कटौती दोनों का फायदा

नई दिल्ली।

भारत के युवा उद्यमियों और स्टार्टअप चलाने वाले एन्टरप्रिन्योर के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। आयकर विभाग द्वारा जारी किए गए नए नियमों के अनुसार डीपीआईआईटी से मान्यता प्राप्त स्टार्टअप विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माने जाएंगे। इसके साथ ही उन्हें निवेश पर भी लाभ मिलेगा और इसमें जांच के अधीन नहीं होगा। आयकर विभाग ने एक ट्वीट के माध्यम से यह सूचना जनता तक पहुंचाई, जिसमें उन्होंने दर्शाया कि मान्यता प्राप्त स्टार्टअप जो निर्धारित शर्तों को पूरा करते हैं, उन्हें आयकर अधिनियम, 1961 के तहत विभिन्न कर छूट के लिए पात्र माना जाएगा। सरकार ने हाल ही में स्टार्टअप्स की परिभाषा में कई सुधार किए थे और उन्हें रियायत का लाभ उठाने की अनुमति भी दी थी। स्टार्टअप का मुख्य उद्देश्य होता है नए और इनोवेटिव आइडिया को व्यवसायिक रूप में सफलतापूर्वक उतारना। भारत में भी ऐसे कई स्टार्टअप्स हैं जो विदेशी निवेशकों से बड़ी फंडिंग प्राप्त कर रहे हैं। सरकार ने एंजेल टैक्स और कटौती को खत्म करके स्टार्टअप्स को और भी स्वार्थक परिवेश प्रदान किया है।

बाबुता मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूके, भारत पदक तालिका में तीसरे स्थान पर

लीमा (पेरू), एजेंसी। पेरिस ओलंपिक में भाग ले चुके भारतीय निशानेबाज अर्जुन बाबुता यहां आईएसएसएफ विश्व कप में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में मामूली अंतर से स्वर्ण पदक से चूक गए और उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा जबकि आर्या बोरसे महिलाओं की स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहीं।

पिछले साल पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे बाबुता (252.3) रोमांचक फाइनल में मौजूदा ओलंपिक चैंपियन चीन के शेंग लिहाओ (252.4) से सिर्फ 0.1 अंक से हार गए।

विश्व कप में 40 से अधिक पदक जीत चुके हंगरी के निशानेबाज इस्तवान पेनी ने 229.8 के कुल स्कोर के साथ कांस्य पदक जीता।

फाइनल में कई स्टार निशानेबाज पहुंचे थे जिनमें मौजूदा विश्व चैंपियन और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता स्वीडन के विक्टर लिंडग्रेन, नॉर्वे के जॉन-हरमन हेग और भारत के पूर्व विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल शामिल थे।

भारत के पास दो पदक जीतने का मौका था, लेकिन दुर्भाग्य से तकनीकी खराबी के कारण पाटिल को जूरी ने अपना 11वां शॉट नहीं लेने दिया। इस तरह से यह भारतीय निशानेबाज पहले एलिमिनेशन चरण में हारकर आठवें स्थान पर रहा।

फाइनल में बाबुता और पाटिल दोनों ने समान 10.1 के साथ मजबूत शुरुआत की। पाटिल ने पिछले सप्ताह ब्यूनस आयर्स में विश्व कप में स्वर्ण पदक जीता था, लेकिन इस बार भाग्य उनके साथ नहीं था और उन्हें फाइनल के शुरू बाहर होना पड़ा।

पाटिल के बाहर हो जाने के बावजूद बाबुता शांत रहे और उन्होंने 14वें शॉट के बाद पहली बार बढ़त ले ली।

शेंग ने इसके बाद अच्छी वापसी की। बाबुता को एक समय 0.3 अंक की मामूली बढ़त हासिल थी लेकिन चीन के निशानेबाज में 10.9 अंक का निशाना साधकर बढ़त बना दी।

बाबुता का अंतिम स्कोर 10.5 फिर से बढ़त हासिल करने के लिए पर्याप्त नहीं था, क्योंकि शेंग ने 10.3 के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम पक्का कर दिया।

इससे पहले क्वालीफिकेशन में बाबुता ने पहली रिले में 631.9 का मजबूत स्कोर बनाया, जबकि शेंग ने 635.0 के साथ सहजता से शीर्ष स्थान हासिल किया।

पाटिल ने दूसरी रिले में 632.0 का स्कोर बनाकर ग्रुप का नेतृत्व किया और कुल मिलाकर तीसरा स्थान हासिल किया। भारत के हृदय हजारिका मामूली अंतर से फाइनल में जगह बनाने से चूक गए और 629.3 के स्कोर के साथ 10वें स्थान पर रहे।

आईएसएसएफ विश्व कप सर्किट के दूसरे चरण में 10 मीटर एयर राइफल महिला स्पर्धा में आर्या ने शनिवार को 633.9 का शानदार स्कोर बनाकर पांचवें स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

वह मौजूदा जूनियर विश्व चैंपियन और स्वर्ण पदक विजेता चीन की वांग ज़िफेई से पीछे रहीं। चीन की निशानेबाज ने इस दौरान तीन विश्व रिकॉर्ड बनाए।

आर्या 24 शॉट के फ़ाइनल के 18वें शॉट के बाद बाहर हो गईं। उनका स्कोर 188.1 था। चीन ने इस स्पर्धा में तीनों पदक जीते। हान जिया ने रजत जबकि फैन ज़िनी ने कांस्य पदक जीता।

चीन ने इस तरह से तीन स्वर्ण, तीन रजत और चार कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। भारत अब दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य के साथ पदक तालिका में तीसरे स्थान पर है। उसने दूसरे स्थान पर काबिज अमेरिका से एक स्वर्ण पदक कम जीता है। पुरुष ट्रैप में अनुभवी जोरावर संधू और महिलाओं की स्पर्धा में प्रगति दुबे ने 25-25 के पहले राउंड में शानदार शुरुआत की।

ज़ोरावर तीन राउंड के बाद 70 के स्कोर के साथ 21वें स्थान पर जबकि उनकी टीम के साथी पृथ्वीराज टोंडिमन और लक्ष्य श्योराण 69 के स्कोर के साथ क्रमश 24वें और 25वें स्थान पर हैं।

महिलाओं में राष्ट्रीय चैंपियन भव्या त्रिपाठी 69 (24,22,23) अंकों के साथ भारतीयों में सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान जबकि प्रगति 68 अंकों के साथ नौवें स्थान पर हैं। एक अन्य भारतीय खिलाड़ी नीरू 18वें स्थान पर हैं।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को सात विकेट से हराया

मुल्लांपुर, एजेंसी

क्रुणाल पंड्या और सुयश शर्मा की शानदार गेंदबाजी के बाद विराट कोहली (नाबाद 73) और देवदत्त पड़िक्कल (61) रनों की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 37वें मैच में पंजाब किंग्स को सात गेंदे शेष रहते सात विकेट से हरा दिया।

158 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में फिल सॉल्ट (एक) का विकेट गवां दिये। उन्हें अर्शदीप सिंह ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये देवदत्त पड़िक्कल ने विराट कोहली के साथ

पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिए 103 रनों की साझेदारी हुई। 13वें ओवर में हरप्रीत बराड़ ने देवदत्त पडिक्कल को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। देवदत्त पडिक्कल ने 35 गेंदों में पांच चौके और चार छक्के लगाते हुए (61) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रजत पाटीदार (12) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। हालांकि इस दौरान एक छोर थामे विराट कोहली रन बनाते रहे। विराट कोहली ने 54 गेंदों में सात चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 73) रनों की मैच विजयी पारी खेली। जितेश शर्मा (11) रन बनाकर नाबाद रहे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 18.5 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से जीत लिया। आरसीबी की आठ मैचों में यह पांचवीं जीत है और वह अंक तालिका में 10 अंकों के साथ तीसरे पायदान पर हैं।

पंजाब किंग्स की ओर से अर्शदीप सिंह,हरप्रीत बराड़ और यजुवेंद्र चहल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब किंग्स के लिए प्रभसिमरन सिंह और प्रियांश आर्य की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। पांचवें ओवर में क्रुणाल पंड्या की गेंद पर प्रियांश आर्य आगे निकलकर लांग ऑफ के ऊपर से मारने के प्रयास में मिड ऑफ पर टिम डेविड को आसान कैच थमा बैठे। प्रियांश ने 15 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाते हुए (22) रन बनाये। इसके बाद सातवें ओवर में क्रुणाल ने प्रभसिमरन सिंह को भी डेविड के हाथों कैच आउटकरा कर पंजाब किंग्स को दूसरा झटका दिया। प्रभसिमरन सिंह ने 17 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाते हुए (33) रनों की पारी खेली। कप्तान श्रेयस अय्यर (छह) को रोमारियो शेफर्ड ने अपना शिकार बनाया।

गुजरात के खिलाफ कोलकाता के बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

आईपीएल

- केकेआर को गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपने बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

कोलकाता, एजेंसी। मौजूदा चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज गुजरात टाइटंस के खिलाफ सोमवार को यहां होने वाले मैच में अपने बल्लेबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

कोलकाता की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पिछले मैच में 112 रन के लक्ष्य काफी अच्छा करते हुए 95 रन पर आउट हो गई थी। उसका टीम प्रबंधन बल्लेबाजों की इस खराब प्रदर्शन से निश्चित रूप से चिंता में होगा। कोलकाता ने हालांकि अपने पूर्व सहायक कोच अभिषेक नायर को फिर से अपने टीम प्रबंधन से जोड़ा है। नायर को भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने हाल में राष्ट्रीय टीम के सहायक कोच पद से हटा दिया था। कोलकाता ने इसके तुरंत बाद उन्हें अपनी टीम से जोड़ दिया था।

केकेआर के पूर्व सहायक कोच नायर की घर वापसी से निश्चित रूप से टीम को प्रोत्साहन मिलेगा, जिसके वर्तमान में सात मैचों में छह अंक हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए उसे अपने शेष सात मैचों में से कम से कम पांच मैच जीतने की जरूरत है।

नायर ने पहले ही उप-कप्तान वेंकटेश अय्यर और रमनदीप सिंह जैसे बल्लेबाजों के साथ काम करना शुरू कर दिया है जो इस सत्र की दो कमजोर कड़ी हैं।

इस सत्र में 23.75 करोड़ रुपये के साथ टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी अय्यर ने 24.20 की औसत से केवल 121 रन बनाए हैं, जबकि रमनदीप छह पारियों में सिर्फ 29 रन ही बना पाए हैं।

आंद्रे रसेल के नाम पांच पारियों में सिर्फ 34 रन दर्ज हैं, जबकि रिंकू सिंह ने 38.66 की औसत से 116 रन बनाए हैं। बल्लेबाजों में केवल कप्तान अजिंक्य रहाणे (221 रन, 2 अर्द्धशतक) और युवा अंगकृष रघुवंशी (170 रन) ने ही अच्छा प्रदर्शन किया है।

शीर्ष क्रम में क्विंटन डी कॉक और सुनील नारायण ने कुछ मैच में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है लेकिन उनके प्रदर्शन में ही निरंतरता का अभाव है।

इस मैच के लिए दो पिचें तैयार की गई हैं और एक में घास की अतिरिक्त परत है जिसे काटा नहीं गया है। पिच को लेकर फैसला टीम की रणनीति पर आधारित होगा। कोलकाता का टीम प्रबंधन पहले भी पिच को लेकर अपनी नाराजगी व्यक्त कर चुका है क्योंकि टीम को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा नहीं मिल रहा है।

शुभमन गिल की अगवाई वाले गुजरात टाइटंस ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

टीम इस प्रकार हैं:

कोलकाता नाइट राइडर्स: अजिंक्य रहाणे (कप्तान), रिंकू सिंह, क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रहमानुल्लाह गुरबाज़ (विकेटकीपर), अंगकृष रघुवंशी, रोवमैन पॉवेल, मनीष पांडे, लवनिथ सिसौदिया, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, मोइन अली, रमनदीप सिंह, आंद्रे रसेल, एनरिक नॉर्टजे, वैभव अरोड़ा, मयंक मारकंडे, स्पेंसर जॉनसन, हर्षित राणा, सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और चेतन सकरिया।

गुजरात टाइटंस: शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), बी साई सुदर्शन, शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएत्ज़ी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़ और करीम जनत। मैच शाम 7:30 बजे शुरू होगा।

आईपीएल | **राजस्थान रॉयल्स ने एक नया सितारा खोज निकाला : संजय मांजरेकर**

संजय मांजरेकर ने की वैभव सूर्यवंशी की तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। महज 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में सबसे कम उम्र में खेलने का रिकॉर्ड बना दिया है। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने सिर्फ 20 गेंदों में 34 रन की धमाकेदार पारी खेली, जिससे सभी चकित रह गए।

हालांकि उनकी यह शानदार पारी टीम को जीत नहीं दिला सकी और लखनऊ सुपरजाएंट्स से दो रन से हार मिली, लेकिन पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स ने एक नया सितारा खोज निकाला है।

मांजरेकर ने जियोहॉटस्टार पर कहा, "सोचिए, जब 35-40 की उम्र के माता-पिता टीवी पर एक 14 साल के बच्चे को ऐसा खेलते देखते हैं, तो कितना आश्चर्य होता है। उसके पहले दो छक्के बेहतरीन गेंदों पर आए, और फिर उसने स्पिनरों के खिलाफ बहुत समझदारी दिखाई। जब वह आउट हुआ, तो ऐसा लगा जैसे रो देगा क्योंकि उस उम्र में ऐसा महसूस करना बिल्कुल स्वाभाविक है। राजस्थान रॉयल्स ने उस पर भरोसा किया और उसे ओपनिंग का मौका दिया, यह बहुत बड़ी बात है।"

बिहार के समस्तीपुर से आने वाले वैभव ने आईपीएल की शुरुआत ही जबरदस्त अंदाज में की। पहली गेंद पर शार्दुल ठाकुर को इनसाइड-आउट शॉट खेलकर छक्का मारा और फिर आवेश खान को सीधा मैदान के बीचों-बीच एक और शानदार छक्का लगाया। उन्होंने तीन और चौके भी लगाए, लेकिन नौवें ओवर में एडन मार्करम की गेंद को पढ़ नहीं पाए और स्टंप हो गए।

पूर्व भारतीय खिलाड़ी अजय जडेजा ने वैभव की समझदारी और खेल के प्रति सोच की तारीफ की। उन्होंने कहा, "इन 20 गेंदों में वैभव ने सब कुछ दिखा दिया। पहली गेंद पर निडरता, फिर धीरे-धीरे पारी को संभालना। 14 साल की उम्र में इतने बड़े मंच पर खेलना ही बड़ी बात है, और उस पर 30 से अधिक रन बनाना कमाल है। आउट होने के बाद वह बहुत उदास था। लेकिन जिस तरह वह जल्दी ही भावनाओं पर काबू पाकर टीम के साथ वापस आ गया, वह काबिल-ए-तारीफ है। यही बात उसे आगे बहुत आगे ले जाएगी।"

वैभव को यह मौका इसलिए मिला क्योंकि नियमित कप्तान संजू सैमसन पेट में खिंचाव के कारण यह मैच नहीं खेल सके। राजस्थान रॉयल्स के स्पिन कोच साईराज बहुतुले ने कहा, "वैभव नेट्स में अच्छा प्रदर्शन कर रहा था, उसकी तैयारी भी अच्छी थी। संजू की कमी थी, लेकिन वैभव ने मौका अच्छे से भुनाया। वह बहुत समझदार बच्चा है, और खेल को लेकर उसका रवैया बहुत सकारात्मक है। वह हर दिशा में शॉट खेल सकता है। वह निडर और आत्मविश्वास से भरा हुआ है। उम्र चाहे कम हो, लेकिन उसका खेलने का अंदाज बहुत दमदार है। वह बस गेंद देखता है और मारने का मन बना लेता है। यही उसकी ताकत है।"

साई किशोर को सिर्फ एक ओवर देने का जीटी का फैसला समझ से परे : अंबाती रायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज और कई बार आईपीएल खिताब जीत चुके अंबाती रायडू ने कहा कि वह गुजरात टाइटन्स (जीटी) की उस रणनीति को समझ नहीं पाए, जिसमें उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर को सिर्फ एक ओवर ही गेंदबाजी करने दी। हालांकि जीटी ने इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ सात विकेट से जीत हासिल की।

पिछले साल जब जीटी ने दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में डीसी से मुकाबला किया था, तब भी किशोर को सिर्फ एक ओवर (19वां ओवर) ही फेंकने दिया गया था। उस समय डीसी की ओर से बाएं हाथ के बल्लेबाज अक्षर पटेल और ऋषभ पंत क्रीज पर थे।

इस बार शनिवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में जब दोपहर के समय जीटी और

डीसी का मैच हुआ, तब भी साई किशोर को सिर्फ एक ओवर (20वां ओवर) ही दिया गया, जिसमें उन्होंने सिर्फ 9 रन दिए और आशुतोष शर्मा को आउट किया।

रायडू ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो पर कहा, "यह फैसला अजीब था। दोपहर का मैच था, पिच सूखी थी, और नई गेंद से स्पिन को थोड़ी मदद भी मिल सकती थी। ऐसे में उन्हें कम से कम एक ओवर पावरप्ले में और कुछ ओवर बीच के खेल में जरूर कराने चाहिए थे। इस टूर्नामेंट में वे अब तक जीटी के सबसे अच्छे स्पिनर रहे हैं, यहां तक कि राशिद खान से भी बेहतर गेंदबाजी की है। मुझे यह समझ नहीं आया कि उन्हें और ओवर क्यों नहीं दिए गए।"

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व खिलाड़ी और मुंबई इंडियंस के कोच रह चुके मार्क बाउचर ने भी रायडू की बात से सहमति जताई। उन्होंने कहा कि शायद जीटी की टीम 'मैच-अप' के चक्कर में फंस गई। यानी अक्षर पटेल जैसे बाएं हाथ के बल्लेबाज को देखकर किशोर को गेंद नहीं दी गई।

उन्होंने कहा, "पिछली बार जब किशोर को अक्षर या पूरन जैसे बल्लेबाजों के सामने गेंदबाजी करनी पड़ी, तब उन्हें रन पड़े थे। शायद उसी अनुभव के कारण कप्तान ने उन्हें फिर मौका नहीं दिया।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।
अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया। उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!
उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।
समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।
कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मो को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओ को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।
मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।
कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।
मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

कर्तव्य ही सम्मान है

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना

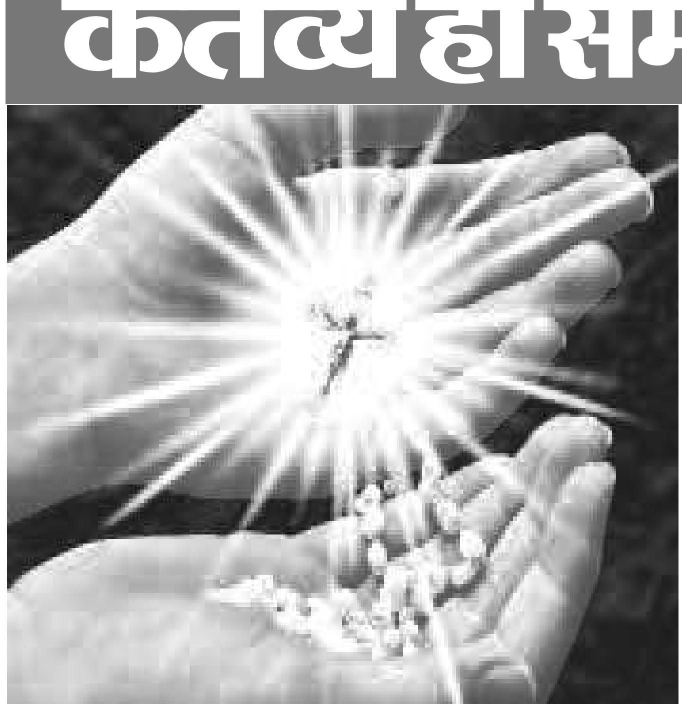

हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

बुद्धि बड़ी या भाग्य

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।
व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।''
गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं, जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाईं? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''
यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।''
''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।
व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।
विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

खौफ का किरदार कुछ अलग, मुझमें आया बड़ा बदलाव

अभिनेता-फिल्म निर्माता रजत कपूर स्टारर हॉरर सीरीज खौफ रिलीज के लिए तैयार है। उत्साहित अभिनेता ने कहा कि यह उनके लिए एक बड़ा बदलाव था। रजत ने बताया कि उन्हें अपकमिंग हॉरर सीरीज खौफ में किस बात ने आकर्षित किया और यह किरदार उनके निभाए अब तक के किरदारों से अलग क्यों है। खौफ में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, यह किरदार मेरे अभी तक के निभाए सभी किरदारों से अलग है। जब मुझे फोन कॉल आया और मैंने कंटेंट को पढ़ा, तो मैं उत्साहित था। यह मेरे लिए एक बड़ा बदलाव था, जो काम मैंने पहले किया था, उससे बिल्कुल अलग।

फिल्म की कहानी बहुत रोमांचक लगी

उन्होंने कहा, निर्देशक पंकज कुमार और निर्माता स्मिता से मिलने से पहले, मैंने उनके भेजे गए कंटेंट को पढ़ा और महसूस किया कि यह रोमांचक था। इसे पढ़कर मुझे अपनी स्पाइन में सेंसेशन महसूस हुई, जो आमतौर पर नहीं होती। मैं अपनी भूमिका को लेकर बेहद उत्साहित था। अभिनेता ने आगे बताया, कभी-कभी कोई भूमिका कमजोर हो सकती है या आपकी अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती है, लेकिन मेरी यह भूमिका बिल्कुल विपरीत है। शूटिंग का अनुभव, कॉस्ट्यूम, मेकअप – सब कुछ इसे और भी बेहतर बनाता है। यह उन कुछ प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिन पर मैंने काम किया है और जिसका मैं वास्तव में इंतजार कर रहा हूं। मैं आमतौर पर अपने काम को लेकर इतना उत्साहित नहीं होता, लेकिन यह वास्तव में रोमांचक है। 'खौफ' की कहानी पर नजर डालें तो यह मधु नाम की लड़की की कहानी है, जो नए शहर में जिंदगी की नई शुरुआत के लिए आती है और एक हॉस्टल में शिफ्ट होती है। हॉस्टल के कमरे में उसका सामना एक बुरी शक्ति से होता है, जो उसकी पिछली जिंदगी के पिशाच को उसके सामने खड़ा कर देता है। स्मिता सिंह की सीरीज खौफ का निर्माण संजय राउत्रे और सरिता पाटिल ने मैचबॉक्स शॉट्स बैनर के तहत किया है। पंकज कुमार और सूर्या बालकृष्णन के निर्देशन में बनी आठ एपिसोड वाली इस सीरीज में रजत कपूर के साथ मोनिका पंवार, अभिषेक चौहान, गीतांजलि कुलकर्णी, चुम दरांग और शिल्पा शुक्ला भी अहम भूमिकाओं में हैं। खौफ का प्रीमियर 18 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर होगा।

कार्तिक आर्यन के साथ रिश्ते पर नुसरत भरुचा ने किया खुलासा

नुसरत भरुचा और सोहा अली खान की हॉरर फिल्म 'छोरी 2' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। एक्ट्रेस ने कार्तिक आर्यन के साथ अपने रिश्तों पर भी खुलकर बात की। साथ ही उन्होंने फिल्म 'छोरी 2' के सेट से जुड़े अपने अनुभव भी साझा किए।

नुसरत से जब पूछा गया कि क्या कार्तिक आर्यन उनके लिए अब भी रज्जो हैं या द कार्तिक आर्यन हो गए हैं? तो उन्होंने कहा, 'मुझे नहीं पता मैं इस सवाल का जवाब कैसे दूं? क्योंकि मैं नहीं जानती कि मैं उनके लिए नेहा ही हूं? या उनके लिए द नुसरत भरुचा हो गई हूं? ऐसा कुछ होता नहीं है। हम एक्टर्स हैं, हम सामान्य इंसान हैं, हम साथ में काम करते हैं। वह हमेशा मेरे लिए कार्तिक ही रहेंगे। मैं उनके लिए नुसरत ही रहूंगी। मुझे यह नहीं लगता कि यहां द कार्तिक और द नुसरत भरुचा जैसा कुछ है। हम इंसान ही हैं। हम इंसानों की तरह मिलते हैं, चिल और नॉर्मल रहते हैं।'

'छोरी 2' के सेट पर कैसा रहा नुसरत का अनुभव

'छोरी 2' की शूटिंग के दौरान के अनुभव के बारे में बात करते हुए नुसरत ने कहा, 'मेकर्स ने इस पार्ट में मुझे डराने से ज्यादा टॉर्चर किया है। धूल-मिट्टी, चाबुक मारना, टनल से उल्टा फेंकना, पानी के अंदर डालना यह सब होता रहा। हालांकि, यह बहुत अच्छी जर्नी रही। 'छोरी' में तो मुझे लगा था कि इससे ज्यादा क्या ही करेंगे? लेकिन 'छोरी 2' ने मुझे चौंका दिया। मुझे हर सीन के बाद लगा अब ये होगा। अच्छा ये होगा। दाद देती हूं मेकर्स की इमेजिनेशन की।' 'छोरी 2' के सेट पर क्या खास रहा? पूछा जाने पर कहा, ' इस बार मुंबई में हुई। इसका सेट वहीं लगाया। उन्होंने कहा, इस बार हमने एक अंडरग्राउंड सेट बनाया हुआ था। बाकी आपको फिल्म देख कर ही पता चलेगा। हम इस बार फिल्म में घबराहट, बेचैनी और पहले पार्ट से डबल भ्रम लेकर आए हैं। पहल भाग में सिर्फ पति-पत्नी थे, लेकिन इस बार फैमिली भी बढ़ गई है। जो इस फिल्म को और डरावना बनाएगी।'

बाबिल के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा

अभिनेत्री रसिका दुग्गल बहुप्रतीक्षित ड्रामा 'लॉगआउट' में दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान के साथ पहली बार स्क्रीन स्पेस शेयर करती नजर आएंगी। रसिका ने बताया कि बाबिल के साथ काम करने का उनका अनुभव शानदार रहा। रसिका ने बताया, बाबिल के साथ काम करने का अनुभव खास रहा। वह दिलचस्प अभिनेता हैं और उन्हें काम में अपना सर्वश्रेष्ठ देते देखना दिल को छू लेने वाला था। उन्होंने कहा, मैं पहली बार बाबिल से तब मिली थी, जब मैंने उनके पिता इरफान के साथ किस्सा में काम किया था। अपने करियर की शुरुआत में इरफान के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी और बाबिल के करियर की शुरुआत में उनके साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास है। यह एक चक्र की तरह लगा। अभिनेत्री ने 'लॉगआउट' की टीम के बारे में कहा, मैंने पहले भी निर्देशक अमित गोलानी, लेखक बिस्वपति सरकार, क्रिएटिव प्रोड्यूसर समीर सक्सेना के साथ काम किया है। वे बेहद प्रतिभाशाली हैं। मैं किस्सा के माध्यम से उस जुड़ाव को फिर से अनुभव करने के लिए उत्साहित हूं।
अमित गोलानी के निर्देशन में बनी लॉगआउट की कहानी को बिस्वपति सरकार ने लिखा है। बाबिल और रसिका दुग्गल के साथ इस प्रोजेक्ट में निमिशा नायर और गंधर्व दीवान भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। पोशम पा पिक्चर्स के सहयोग से डिजिटल 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने लॉगआउट का निर्माण किया है। यह भारतीय फिल्म महोत्सव मेलबर्न 2024 और रिवर टू रिवर फ्लोरेंस भारतीय फिल्म महोत्सव 2024 के साथ ही अन्य कई फिल्म फेस्टिवल में प्रदर्शित की जा चुकी है, जिसमें इसे खूब सराहना मिली।

प्लास्टिक सर्जरी के दावों और ट्रोलिंग पर मौनी ने तोड़ी चुप्पी

अभिनेत्री मौनी रॉय अपनी प्लास्टिक सर्जरी करवाने की खबरों के वायरल होने के बाद से चर्चा में हैं। हाल ही में एक कार्यक्रम में अभिनेत्री ने पिछले कुछ महीनों से लगातार हो रही ट्रोलिंग पर अपनी चुप्पी तोड़ी। अभिनेत्री ने कहा कि उन्हें उन बेकार ट्रोल्स की परवाह नहीं है, जो मतलबी टिप्पणियां पोस्ट करके खुशी पाते हैं।

ट्रोलिंग पर मौनी की प्रतिक्रिया

हाल ही में मीडिया से बातचीत के दौरान एक पत्रकार ने उनसे ट्रोलिंग के बारे में पूछा। अपनी ट्रोलिंग के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, कुछ नहीं, देखती ही नहीं। सबको अपना काम करने दो। मैं ऐसी टिप्पणियों पर ध्यान नहीं देती। अगर आप दूसरों को ट्रोल करने के लिए पर्दे के पीछे छिपते हैं और अगर आपको इसमें खुशी मिलती है तो ऐसा ही हो।

लुक चेंज होने पर ट्रॉल हुई थीं मौनी

मौनी रॉय हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म भूतनी के ट्रेलर लॉन्च में शामिल हुईं। इस इवेंट में उनकी मौजूदगी ने ट्रोल्स को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि मौनी के माथे में कुछ गड़बड़ है और कहा गया कि मौनी ने प्लास्टिक सर्जरी करवाई है, जो गलत हो गई।

विनीत कुमार सिंह ने जाट के बाद नए प्रोजेक्ट की दी झलक

अभिनेता विनीत कुमार सिंह 2025 की शुरुआत से ही लगातार सुर्खियों में हैं। उनका शानदार सफर थमने का नाम नहीं ले रहा और उनके फैंस भी यही उम्मीद कर रहे हैं। इस साल की शुरुआत फिल्म छावा से धमाकेदार तरीके से करने वाले विनीत ने सुपरबॉयज ऑफ मालेगांव और अब जाट में भी शानदार अभिनय किया है। उन्हें बॉलीवुड में अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक माना जा रहा है। अपने प्रभावशाली अभिनय के साथ विनीत ने अपने लिए एक अलग पहचान बनाई है और एक ऐसे कलाकार के रूप में अपनी पहचान बनाई है जो किसी भी जटिल भूमिका को बेहद आसानी से निभा सकता है। विनीत अपने विनम्र और व्यावहारिक स्वभाव के लिए भी जाने जाते हैं। हाल ही में विनीत ने सोशल मीडिया पर जाट की पूरी टीम को उन्हें एक यादगार प्रोजेक्ट देने के लिए धन्यवाद दिया। विनीत ने अपनी पोस्ट में फिल्म से जुड़े हर व्यक्ति, अभिनेताओं, लेखकों, निर्देशकों का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने यह भी लिखा कि जाट उनके लिए हमेशा यादगार रहेगी क्योंकि यह उनकी पहली निगेटिव भूमिका थी, और साथ ही ये उनकी पहली साउथ फिल्म भी है। उनका धन्यवाद पोस्ट इसलिए भी खास है क्योंकि उन्होंने सिर्फ टीम को ही नहीं, बल्कि अपने फैंस और आलोचकों को भी इस सफर में अहम भूमिका निभाने के लिए दिल से धन्यवाद कहा ङ्क जो उन्हें लगातार बेहतर बनने की प्रेरणा देते हैं।
विनीत ने लिखा, मुझ पर विश्वास करने और सोमुलु को जीवंत करने के लिए निर्देशक गोपीचंद सर का मैं दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। यह पहली बार है जब मैं खलनायक की भूमिका निभा रहा हूँ, मैंने इसके बारे में कभी नहीं सोचा था, और उनके दृढ़ विश्वास ने मुझे यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया। इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सिखाया, और मैं इसके लिए बहुत आभारी हूं! उन्होंने आगे लिखा, आप सभी के प्यार से अभिभूत – इस साल छावा और सुपरबॉयज़ ऑफ़ मालेगांव के बाद जाट तीसरी सफल फ़िल्म है। आप सभी का तहे दिल से शुक्रिया! यह मेरी पहली साउथ फिल्म है और हर किसी की लगन और प्रतिभा ने मुझे चौंका दिया। इस टीम के साथ काम करना एक सपना जैसा रहा। सोमुलु और आने वाले प्रोजेक्ट्स के लिए जश्न मनाने का समय है। मैं भविष्य के लिए उत्साहित हूं और अपनी टीम के हर सदस्य को उनके समर्पण और मेहनत के लिए धन्यवाद देता हूं।
दर्शकों और समीक्षकों का समर्थन पाना किसी वरदान से कम नहीं है। जाट और सोमुलु को इतना प्यार मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। नए मौकों और सहयोगों के लिए तैयार हूं। जल्द मिलते हैं कुछ नए के साथ! खैर, यह तो साफ है कि इस बेहतरीन कलाकार के पास पाइपलाइन में कुछ और है, या फिर विनीत ने किसी नए प्रोजेक्ट पर हस्ताक्षर कर दिए हैं? चर्चा है कि वह जल्द ही मुक्काबाज़ के निर्देशक अनुराग कश्यप के साथ फिर से काम करने जा रहे हैं, लेकिन इस प्रोजेक्ट की जानकारी अभी सामने नहीं आई है। इसके अलावा, वह कबीर खान एंटरटेनमेंट के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं।

परिवार को सिनेमा हॉल तक लाना ही अब असल चुनौती

हिंदी सिनेमा में प्रियदर्शन का नाम क्लासिक फिल्मों 'हेराफेरी', 'भूल भुलैया' और 'गरम मसाला' आदि के लिए आज भी सम्मान से लिया जाता है। बरसों बाद वह अक्षय कुमार के साथ अपनी अगली हिंदी फिल्म 'भूत बंगला' बनाने जा रहे हैं। प्रियदर्शन से ये खास बातचीत

हास्य, व्यंग्य और उपहास में किस विधा को एक कॉमेडी फिल्म की जरूरत आप मानते हैं?
मेरे लिए किसी भी कॉमेडी फिल्म को बनाने का एक ही सूत्र है और वह ये कि क्या ये फिल्म किसी बच्चे को हंसा सकती है। चार्ली चैपलिन के दिनों से शुरू करके आज हम वहां आ गए हैं, जहां दूसरों का मजाक उड़ाने पर लोग हंसते हैं। स्टैंडअप कॉमेडियन के सामने मजबूरी है कि उसको उन्हीं 90 मिनट या दो घंटे में सामने बैठे दर्शकों को रोककर रखना है। सिनेमा की ऐसी कोई मजबूरी नहीं है।

और, क्या सिनेमा में फूहड़ता और गालियों की वजह से भी लोगों का सिनेमाघरों तक आना कम हुआ है?
हां, और ये एक दिन में नहीं हुआ है। दर्शकों का किसी कला से मोहभंग समय के साथ साथ होता है। सिनेमा में फिल्म दर्शकों की रुचि के क्षरण के जिम्मेदार वे सारे लोग हैं जिन्होंने दर्शकों को लुभाने के लिए अलग अलग तरह के टोटके ईजाद करने शुरू कर दिए। फिल्में वही हिट होती हैं जिन्हें लोग समूहों में देखने आएं। अब कोई भी परिवार अपने बच्चों के साथ लेकर कोई कॉमेडी फिल्म देखने मुश्किल से ही जाता है।

आपको आज की पीढ़ी के बच्चों के साथ कितना संवाद होता है?
सिनेमा शुरू से अपने दौर के युवाओं की पसंद के साथ ही चलता रहा है। 19 साल से लेकर 30 साल तक के लोग ही अपने परिजनों के साथ ये तय करते हैं कि सिनेमाघर जाकर कौन सी फिल्म देखनी है। मैं इसीलिए अपने बच्चों के साथ अपनी फिल्मों के विचार बांटता रहता हूं। उनकी प्रतिक्रियाएं मिलने के बाद ही मैं अपनी फिल्म लिखने बैठता हूं।

मलयालम सिनेमा की कई फिल्में हाल के दिनों में हिंदी फिल्म दर्शकों के लिए नए सिरे से हिंदी फिल्म सितारों के साथ बनाई गईं, आपके अनुसार दर्शकों की पसंद पर इनके खरे न उतरने की वजह क्या हो सकती है?
किसी भाषाई फिल्म को किसी ऐसे वृहत्तर दर्शक समूह के लिए बनाना जिसकी भाषा, रुचियां और संवेदनाएं अलग हैं, बहुत तैयारी मांगता है। बिना विषय की रूह को समझे सिर्फ रीमेक के लिए फिल्म बना देना सही निर्णय नहीं है और इसीलिए हिंदी में बन रही भाषाई फिल्मों की रीमेक सफल नहीं हो रही हैं। इन फिल्मों के निर्देशक अब भी नहीं समझ पा रहे हैं कि गलती कहां हुई?

आपके हिसाब से हिंदी सिनेमा के निर्माता या निर्देशक कहां चूक रहे हैं?
सबसे पहली जरूरत किसी फिल्ममेकर के लिए ये होनी चाहिए कि वह अपने दर्शकों को समझे। उनकी पसंद जाने। उनकी रोजमर्रा की दिक्कतों से दो-चार हो। एक उदाहरण से इसे यूं समझा जा सकता है कि किसी प्रेम कहानी में प्रेमी-प्रेमिका के द्वंद्व के कारक अब बदल चुके हैं। अब उन्हें अमीरी-गरीबी या अपने माता-पिता या भाषाई भिन्नता के चलते प्रतिरोध का सामना नहीं करना पड़ा। उनका प्रतिरोध अब भीतरी है। अब उनका द्वंद्व खुद से है, एक दूसरे की राजनीतिक विचारधारा से है, एक दूसरे के अपने अपने कारोबार में आने वाली परेशानियों से है।

मतलब कि आज के निर्देशक बदलते समय के साथ खुद को बदल नहीं रहे हैं?
ये बात दूसरी तरह से भी मैं कह सकता हूं और वो ये कि सिनेमा बदलते समाज का आईना होता है। और, अगर कोई भी फिल्ममेकर इस आईने में बदलाव को नहीं भांप पा रहा है तो वह ज्यादा दूर तक नहीं जा पाएगा। हर बड़ा फिल्ममेकर तभी लंबे समय काम कर पाया, जब उसने अपने निर्देशन को, अपनी कहानियों को और अपनी फिल्म मेकिंग को बदलते समय में बदलते दर्शकों के साथ बदला और अपना अनुकूलन समय के इस बदलाव के साथ जारी रखा।

हिंदी सिनेमा में आपकी पिछली फिल्म 'हंगामा 2' सफल नहीं रही। अब आप अक्षय कुमार के साथ दो फिल्में और बना रहे हैं? क्या योजनाएं हैं इन फिल्मों की?
'हेराफेरी 3' पर अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन हां, मेरी हिंदी सिनेमा में एक बड़े बजट की फिल्म के साथ अरसे बाद वापसी हो रही है। बरसों बाद में अक्षय कुमार के साथ काम करने जा जा रहा हूं। ये एक बहुत ही खास फिल्म होगी और अब मैं इस फिल्म के जरिये सिनेमा का जादू फिर से जगाने को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त हूं।

प्रियदर्शन की सौंवी फिल्म कौन सी होगी, क्या ये फिल्म आपके खासमखास दोस्त मोहनलाल के साथ ही होगी?
सिनेमा को लेकर मेरा पक्का विचार यही है कि इसे आंकड़ों की बाजीगरी में नहीं उलझाया जाना चाहिए। एक निर्देशक को अपनी फिल्म की मोटी मोटी गणित तो आनी चाहिए लेकिन सिर्फ गणित के लिए सिनेमा भी नहीं बनाना चाहिए।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 8888883968, 9811111715 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **संपादक : मो इस्माईल खान** RNI No. DLHIN/2010/37009